राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 96 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,10 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

आज आईएसपीए का उद्घाटन करेंगे पीएम

नईदिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंतरिक्ष और उपग्रह प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों के मंच भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) का रविवार को औपचारिक रूप से उद्घाटन करेंगे। सरकार की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी इस अवसर पर अंतरिक्ष उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी करेंगे। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे वीसी के माध्यम से सम्पन्न किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि आईएसपीए अंतरिक्ष और उपग्रह कंपनियों का प्रमुख उद्योग संघ है। यह संगठन भारतीय अंतरिक्ष उद्योग के सामूहिक सुझावों और संवाद का एक मंच होगा।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 16 को

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने नए अध्यक्ष का चुनाव, वर्तमान राजनीतिक स्थिति और अगले साल होने वाले विधान सभा चुनावों पर मंथन के लिए 16 अक्टूबर को अपने शीर्ष निकाय यानी कांग्रेस राष्ट्रीय कार्यकारिणी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक सुबह 10 बजे बुलाई है। पार्टी ने शनिवार दोपहर एक बयान जारी कर इसकी सूचना दी है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट कर कहा है कि इस बैठक के एजेंडे में देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति, आगामी विधानसभा चुनाव, और पार्टी के संगठनात्मक चुनाव शामिल होंगे।

मंत्री भूपेन्द्र सिंह के ट्विटर अकाउंट से हुई छेड़छाड़

भोपाल। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह के ट्विटर अकाउंट से छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत शनिवार को अपराध शाखा थाने में दर्ज करायी गई। शिकायतकर्ता आशीष मंगल सोनी ने अपराध शाखा थाने में बताया कि नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट को सुबह के वक्त हैक किया गया, जिसके बाद हैकरों ने मंत्री श्री सिंह के ट्वीटर अकाउंट से मध्यप्रदेश कांग्रेस के द्वारा शेयर की गई एक पोस्ट को लाइक किया गया, जिससे मंत्री की छवि धूमिल हुई है। जानकारी के बाद अकाउंट को रिकवर कर लिया गया है।

हैदराबाद में 142 करोड़ की नकदी जब्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आयकर विभाग ने हैदराबाद स्थित एक प्रमुख फार्मास्यूटिकल समूह पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया, जिसमें 142 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी जब्त की गई है। विभाग ने शनिवार को यहां जारी बयान में कहा कि गत छह अक्टूबर को की गई छापेमारी में यह जब्ती की गई है। यह फार्मास्यूटिकल समूह इंटरमीडिएट्स, एक्टिव फार्मास्यूटिकल इनग्रेडियंट्स (एपीआई) तथा फार्मूलेशन के व्यवसाय से जुड़ा है। तलाशी अभियान छह राज्यों के 50 स्थानों पर चलाया गया। तलाशी में पेनड्राइव, दस्तावेज आदि के रूप में आपत्तिजनक साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

रामबन में 50 सरपंचों, पंचों का इस्तीफा

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के दो ब्लॉकों के करीब 50 सरपंचों और पंचों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। इन सभी ने विभिन्न मुद्दों को लेकर अपना इस्तीफा दिया है। निर्वाचित प्रतिनिधियों ने सशक्तिकरण नहीं करने, अनावश्यक हस्तक्षेप और केंद्र शासित प्रदेश में जनता तक पहुंचने के कार्यक्रमों में प्रशासन द्वारा अनदेखी किए जाने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दिया है। पीडीपी ने केंद्र पर ग्रामीण निकाय में प्रतिनिधियों के इस्तीफे को लेकर निशाना साधते हुए कहा है कि काल्पनिक सामान्य हालात और आडंबर को लेकर अब पोल खुल गई है।

लखीमपुर खीरी कांड में आशीष मिश्रा गिरफ्तार, भेजा जेल

12 घंटे में पूछे कई सवाल, पुलिस जांच में नहीं किया सहयोग

लखनऊ ■ एजेंसी

शनिवार को करीब 12 घंटे से अधिक पूछताछ के बाद आशीष मिश्रा को गिरफ्तार किया गया। उन्हे जांच में सहयोग नहीं करने पर गिरफ्तार किया गया। आशीष ने कई सवालों के जवाब नहीं दिए। आशीष साथ लाए साक्ष्यों में यह साफ नहीं कर सका कि वह घटना के समय कहां था। साथ लाए वीडियो में तिकुनिया में घटी हिंसक घटना के समय दंगल में होने की पुष्टि नहीं हो सकी है।

लखीमपुर खीरी घटना में डीआईजी उपेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में निगरानी समिति (एसआईटी) जांच कर रही है, मंत्री पुत्र एवं अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

इससे पूर्व पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारी केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के पुत्र आशीष मिश्र उर्फ मोनू से लंबी पूछताछ की। आशीष को सोमवार तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया है । पुलिस ने तीन दिन की रिमांड मांगी थी। आशीष के वकील ने पुलिस कस्टडी का विरोध किया। आशीष को लखीमपुर खीरी जेल भेजा गया। सोमवार को मजिस्ट्रेट के सामने सुनवाई होगी।

अजय मिश्रा के घर पर लगाया गया एक और नोटिस

आशीष मिश्रा की पेशी के तैयारी के बीच में लखीमपुर खीरी पुलिस ने शनिवार को मंत्री अजय मिश्रा के घर पर एक और नोटिस लगाया। नोटिस में लिखा है कि शुक्रवार को समन के बावजूद आशीष मिश्रा पेश नहीं हुए थे, शनिवार को भी उनके क्राइम ब्रांच ने समक्ष पेश न होने की स्थिति में वारंट जारी किया जाएगा।

पुलिस लाइन में तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था: पुलिस ने आशीष मिश्रा की पेशी को देखते हुए पुलिस लाइन को छावनी में तब्दील कर दिया था। वहां पर हर रास्ते में जगह-जगह बैरिकेड्स लगाए गए थे। चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। आशीष की जांच दल के सामने पेशी को लेकर पुलिस लाइन में सुरक्षा के तगड़े इंतजाम थे। आशीष के नेपाल भागने की भी चर्चा थी। आशीष के पिता और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी खुद सामने आए थे और कहा था वो कहीं नहीं गया है। आशीष साक्ष्यों के साथ जांच टीम के सामने पेश होगा।

जो भी दोषी होगा, उसको किसी भी कीमत पर राहत भी नहीं: कानून एवं विधि मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उप्र में अपराध व अपराधी को लेकर जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है। मंत्री पाठक ने कहा कि लखीमपुर खीरी में हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले ही कह दिया है कि सिर्फ आरोप पर किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। इस मामले में जो भी दोषी होगा, उसको किसी भी कीमत पर राहत भी नहीं दी जाएगी।

इन सवालों का मांगा जबाव

- वारदात के दौरान गाड़ी कौन चला रहा था
- शुक्रवार को आप बुलाने पर क्यों नहीं आए?
- तीन अक्टूबर को घटना के समय (दोपहर 2.36 से 3.40 बजे तक) आप कहां थे
- दंगल कार्यक्रम कब शुरू हुआ
- क्या आप नेपाल भाग गए थे
- अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए आप के पास क्या सबूत हैं
- क्या कोई वीडियो है, जिससे पता चल सके कि घटना के वक्त आप वहां नहीं थे
- घटना के बाद आप इतने दिन तक कहां रहे

मंत्री जैन ने कहा- बिजली घरों में बचा है बस एक दिन के कोयले का स्टाक

बिजली संकट पर केजरीवाल ने लिखा प्रधानमंत्री मोदी को पत्र

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी के बिजली संयंत्रों में कोयले की किल्लत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है।

केजरीवाल ने पत्र में थर्मल पावर प्लांट में कोयले की किल्लत और कोयले की मौजूदा स्टॉक की जानकारी दी है।इससे पूर्व दिल्ली में कोयले की किल्लत को लेकर गंभीर परेशानी हो रही है। इस समस्या पर बिजली मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि कोयले से चलने वाले बिजली घर अभी पूरी क्षमता के साथ नहीं चल रहे हैं फिर भी दिक्कत हो रही है। मैं केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि वह इस मामले को देखे। उन्होंने कहा कि हमने बिजली की खरीद को लेकर समझौता किया है लेकिन हमें आधी बिजली ही मिल रही है। हमें जैसा कि पता है कि बिजली घरों को 30 दिनों का स्टाक रखना होता है, लेकिन वर्तमान हालत यह है कि वहां एक दिन का ही स्टाक बचा हुआ है।

क्या दिल्ली में होगा ब्लैकआउट

कोयला संकट पर दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि अगर सप्लाई नहीं आती है तो देश की राजधानी दिल्ली में दो दिन बाद पूरे शहर में ब्लैक आउट होगा। दिल्ली से पहले तमिलनाडु और ओडिशा सहित कई राज्यों ने कोयला संकट पर चिंता जाहिर की थी। शनिवार को ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देशभर में जितने भी पावर प्लांट हैं, जो कोयले से चलते हैं, वहां पिछले कुछ दिनों से कोयले की बहुत कमी है।

बिहार-झारखंड में भी मांग के मुकाबले कम बिजली

शनिवार को प्राप्त आंकड़ों में झारखंड में बिजली की मांग लगभग 2200 मेगावाट है, लेकिन राज्य को अधिकतम 500 मेगावाट तक की ही बिजली उपलब्ध है। बाकी की मांग सेंट्रल पूल के जरिये उपलब्ध कराई जाने वाली बिजली से होती है। बिहार में भी बिजली उत्पादन में आई कमी ने एक बड़ी परेशानी पैदा कर दी है। बाजार से न्यूनतम चार सौ मेगावाट बिजली बिहार को खरीदनी है। ऐसे में बिजली कंपनी को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा। एनटीपीसी से भी अभी तीन से साढ़े तीन हजार मेगावाट बिजली ही मिल रही, जबकि बिहार की हालिया दिनों में खपत प्रतिदिन 5600 मेगावाट तक है।

कई राज्यों में बिजली कटौती से लोगों में रोष

कोयले की कमी के चलते कई राज्यों में अभूतपूर्व बिजली संकट दस्तक दे रहा है। उप्र, झारखंड, राजस्थान, बिहार समेत कई अन्य राज्यों में मांग की तुलना में आपूर्ति में भारी अंतर से कई-कई घंटे बिजली कटौती हो रही है। सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के मुताबिक 3 अक्टूबर को कोयले से बिजली बनाने वाले 64 प्लांट्स में चार दिन से भी कम का कोयला स्टॉक बचा था। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कोयले से चलने वाले 135 पावर प्लांट्स में से आधे से ज्यादा में सितंबर के आखिरी दिनों में औसतन चार दिन का कोयला ही बचा था। 16 में तो कोयला बचा ही नहीं था कि बिजली का उत्पादन किया जा सके। इसके उलट अगस्त की शुरुआत में इन प्लांट्स के पास औसतन 17 दिनों का कोयला भंडार था। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो देश में कोयले की इतनी कमी कई सालों बाद देखी गई। इस कमी का सीधा असर बिजली उत्पादन पर पड़ा।

(बिजनेस पेज भी देखें)

भारत-डेनमार्क स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में बढ़ाएंगे सहयोग,पीएम मोदी की डेनमार्क की प्रधानमंत्री के साथ वार्ता में निर्णय

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन की अगवानी की, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। अब दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई है। फ्रेडरिक्सन नौ से 11 अक्टूबर तक तीन दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंची हैं। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर फ्रेडरिक्सन का स्वागत किया, जो भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर हैं।

पीएम मोदी और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद एग्रीमेंट का आदान-प्रदान हुआ। वहीं, इस दौरान दोनों नेताओं ने अपना संबोधन भी दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, आज की हमारी मुलाकात भले ही पहली रूबरू मुलाकात थी लेकिन कोरोना कालखंड में भी भारत और डेनमार्क के बीच संपर्क और सहयोग की गति बरकरार रही थी।

पीएम मोदी ने बताया कि आज से एक साल पहले हमने अपने वर्चुअल समिट में भारत और डेनमार्क के बीच ग्रीन स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप स्थापित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। यह हम दोनों देशों की दूरगामी सोच और पर्यावरण के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

वहीं, पीएम फ्रेडरिक्सन ने कहा, आज हम पानी और ग्रीन ईंधन पर काम करने के लिए सहमत हुए हैं। हम स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों पर भी साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। हमारा हरित सहयोग बहुत महत्वाकांक्षी है। उन्होंने आगे कहा कि हम दो लोकतांत्रिक देश हैं जो नियमों पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में विश्वास करते हैं। भारत और डेनमार्क के बीच सहयोग इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे ग्रीन ग्रोथ और ग्रीन ट्रांजिशन साथ-साथ चल सकते हैं।

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि हम जिस स्केल और स्पीड से आगे बढ़ना चाहते हैं उसमें डेनमार्क की विशेषज्ञता और तकनीक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था में आए रिफार्म्स विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उठाए गए कदम ऐसी कंपनियों के लिए अपार अवसर प्रस्तुत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया, हमने आज यह निर्णय भी लिया कि हम अपने सहयोग के दायरे का सतत रूप से विस्तार करते रहेंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमने एक नई पार्टनरशिप की शुरुआत की है। भारत में कृषि उत्पाद और किसानों की आय बढ़ाने के लिए हमने कृषि संबंधित तकनीक में भी सहयोग करने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी के रिसीव करने के बाद राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन का औपचारिक स्वागत किया गया। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन ने इस दौरान कहा, हम भारत को एक बहुत करीबी पार्टनर मानते हैं। मैं इस यात्रा को डेनमार्क-भारत द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मील के पत्थर के रूप में देखती हूं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साल मैंने और पीएम मोदी ने हरित रणनीतिक साझेदारी (ग्रीन स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप) पर हस्ताक्षर किए और सहमति व्यक्त की। जब भारत और बाकी दुनिया में हरित संक्रमण की बात आती है तो हम एक महत्वाकांक्षी भारतीय सरकार को बड़ी जिम्मेदारी लेते हुए देखते हैं।

लद्दाख गतिरोध: भारत-चीन आज करेंगे सैन्य वार्ता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चीनी घुसपैठ पर होगी बात

भारत और चीन के बीच उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता का एक और दौर रविवार को होगा, जिसमें पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले शेष बिंदुओं से सैनिकों की वापसी प्रक्रिया में कुछ आगे बढ़ने पर ध्यान दिया जाएगा। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि वार्ता पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के चीनी पक्ष पर मोल्डो सीमा बिंदु पर सुबह साढ़े दस बजे शुरू होगी।

भारतीय पक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह देप्सांग बुलगे और डेमचोक में मुद्दों के समाधान के लिए दबाव डालने के अलावा टकराव वाले शेष बिंदुओं से जल्द से जल्द सैनिकों की वापसी की मांग करेगा। दोनों देशों के बीच 12वें दौर की वार्ता 31 जुलाई को हुई थी। वार्ता के कुछ दिनों बाद, दोनों सेनाओं ने गोगरा में सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की, जिसे इस क्षेत्र में शांति की बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया।

चीनी सैनिकों द्वारा घुसपैठ की कोशिश की दो हालिया घटनाओं की पृष्ठभूमि में 13वें दौर की वार्ता होगी। ये घटनाएं उत्तराखंड के बाराहोती सेक्टर में और दूसरी अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में हुई थी। भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पिछले हफ्ते अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में यांग्जी के पास कुछ देर के लिए ठन गई थी और इसे स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार दोनों पक्षों के स्थानीय कमांडरों के बीच वार्ता के बाद सुलझाया गया। एक माह पूर्व भी, उत्तराखंड के बाराहोती सेक्टर में एलएसी को लगभग 100 चीनी सैनिकों द्वारा पार किए जाने के बाद दोनों मुल्कों के सैनिकों के बीच तनातनी की घटना हुई थी।

एनसीबी ने शाहरुख खान के ड्राइवर को किया तलब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

क्रूज शिप ड्रग्स केस

क्रूज शिप ड्रग्स केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने शनिवार को अभिनेता शाहरुख खान के ड्राइवर को तलब किया है। एनसीबी दफ्तर में ड्राइवर का बयान लिया जा रहा है।

इस मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान अभी जेल में बंद हैं। एनसीबी ने पिछले सप्ताह समुद्र में एक क्रूज शिप पर छापेमारी करके आठ लोगों को हिरासत में लिया था। इन सभी पर ड्रग्स का इस्तेमाल करने, उसे अपने पास रखने और खरीदने के आरोप हैं। एनसीबी ने इसी सिलसिले में शनिवार को फिल्म निर्माता इम्तियाज खत्री के आवास और कार्यालय में छापे मारे।

एसीबी की मुंबई मंडल इकाई ने शनिवार सुबह यहां बांद्रा में खत्री के आवास और कार्यालय पर छापेमारी शुरू की। ड्रग्स जब्ती मामले में पहले गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में खत्री का नाम सामने आया। वहीं अरबाज ने एनसीबी के समक्ष जूते के अंदर ड्रग्स रखने की बात मानी है।इस केस में कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कम उपस्थिति के कारण 28 राज्यसभा सांसद स्टैंडिंग कमेटी से किए गए बाहर, उपराष्ट्रपति ने दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने शनिवार को स्थायी समितियों के नए फेरबदल में भूपेंद्र यादव को संसद के कार्मिक, लोक शिकायत कानून और न्याय पैनल के अध्यक्ष के रूप में बदल दिया है. नए वार्षिक फेरबदल में दो शीर्ष विपक्षी नेता-कांग्रेस के अभिषेक सिंघवी और तृणमूल के डेरेक ओ'ब्रायन भी ऐसे समय में गृह मामलों की समिति में स्थानांतरित हो गए जब विपक्ष ने गृह मामलों के कनिष्ठ मंत्री अजय कुमार मिश्रा को हटाने की मांग की है. लखीमपुर खीरी हिंसा जिसमें यूपी में किसानों का विरोध करते हुए एक कार के कुचल जाने से आठ लोगों की मौत हो गई.

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पहली बार फेरबदल में कम से कम 28 राज्यसभा सांसदों को कम उपस्थिति के कारण मौजूदा पैनल से हटा दिया गया. 2021-22 के लिए 24 विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के लिए सभापति वेंकैया नायडू द्वारा नामित 237 राज्यसभा सदस्यों में से, उच्च सदन के कुल 50 सदस्यों को भी नई समितियों में रखा गया है.इसमें 28 सदस्य शामिल हैं जिनकी 2020-21 के दौरान हुई समितियों की बैठकों में खराब उपस्थिति रही. इन 28 सदस्यों में से 12 सदस्य पिछले एक साल में कोविड-19 या चुनाव के कारण किसी बैठक में शामिल नहीं हुए.

पैनल में राज्यसभा के 11 सदस्य यादव इस साल जुलाई में केंद्रीय पर्यावरण और विज्ञान और श्रम मंत्री बने थे. राज्य सभा के 50 सदस्यों वाले अधिकांश परिवर्तनों का सुझाव संबंधित दलों द्वारा दिया गया था. बड़े बदलावों में, छाया देवी वर्मा कृषि से सामाजिक न्याय और अधिकारिता में ट्रांसफर हो गई हैं, जबकि ऋछ्ष्ठ के प्रोफेसर मनोज कुमार झा रेलवे से श्रम में ट्रांसफर हो गए हैं. कांग्रेस नेता शक्तिसिंह गोहेल आईटी समिति से परिवहन पैनल में शामिल होंगे जबकि क्ष्छ्ष्ठ के सस्मित पात्रा अब कानून और न्याय समिति से शिक्षा समिति में हैं.

वहीं एक अन्य अधिकारी ने कहा, 24 स्थायी समितियां हैं और प्रत्येक पैनल में राज्यसभा के 11 सदस्य और लोकसभा के 20 सदस्य हैं. 'राज्यसभा में शिवसेना के तीनों सदस्यों को नए पैनल मिले. संजय राउत रक्षा से विदेश, अनिल देसाई कोयला और इस्पात से वाणिज्य और प्रियंका चतुर्वेदी वाणिज्य से परिवहन, पर्यटन और संस्कृति में चले गए. पिछले साल तीनों की अच्छी उपस्थिति थी. राज्यसभा सदस्यों के डेटा से पता चलता है कि 9 बीजेपी सदस्यों, तृणमूल कांग्रेस के 6, कांग्रेस (4), सेना, सीपीएम, ऋछ्ष्ठ, वाईएसआरसीपी के 3-3 सदस्य और डीएमके, बीजेडी और टीआरएस के 2-2 सदस्यों को परामर्श के अनुसार नए पैनल में स्थानांतरित कर दिया गया है.

सेना लैंगिक आधार पर भेदभाव नहीं करती

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने शनिवार को कहा कि सेना लैंगिक आधार सहित किसी भी तरीके से भेदभाव नहीं करती और उन्हें हैरानी है कि अब तक महिलाओं के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए के दरवाजे क्यों बंद थे।

एनडीए में प्रवेश से संबंधित सवाल पर सेना प्रमुख की सफाई

सेना प्रमुख ने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि अभी सेना की महिलाओं को कॉम्बैट ब्रांच में शामिल करने की कोई योजना नहीं है। सेना प्रमुख ने एक निजी टेलीविजन चैनल के सम्मेलन में उच्चतम न्यायालय के महिलाओं को एनडीए में प्रवेश से संबंधित सवाल पर कहा कि सशस्त्र सेनाओं में भाषा, धर्म , लिंग या अन्य किसी आधार पर पक्षपात नहीं किया जाता और जहां तक महिलाओं को सेना में शामिल करने का सवाल है हमने कभी इस पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने कहा कि सेना महिलाओं को लेकर काफी सहज है और ऐसा कुछ नहीं है कि हम इस स्थिति में काम करने में सक्षम नहीं है।

कोरोना | **आईएससीसीएम ने तीसरी लहर की जताई आशंका, केन्द्र से आग्रह**

गंभीर मरीजों के लिए इकाइयां स्थापित करें

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडियन सोसाइटी फॉर क्रिटिकल केयर मेडिसीन (आईएससीसीएम) ने कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका जताते हुए केंद्र सरकार से प्रशिक्षित कर्मियों से लैस एवं पूर्ण रूप से क्रियाशील गंभीर मरीज देखभाल इकाइयां स्थापित करने का शनिवार को अनुरोध किया।

आईएससीसीएम ने अपना 28वां स्थापना दिवस मनाते हुए दो दिवसीय अनुसंधान सम्मेलन का अयोजन किया, जिसका उद्देश्य भारतीय चिकित्सकों को निकट भविष्य में क्लिनिकल अनुसंधान के अग्रिम पंक्ति में लाने की कोशिश करना है। आईएससीसीएम के अध्यक्ष डॉ. दीपक गोविल ने कहा कि गंभीर मरीज देखभाल विशेषज्ञों, नर्सों और तकनीशियनों की देश में भारी कमी है जो महामारी के दौरान खुल कर सामने आई है।

तीन महीने के लिए सिरिंजों की कुछ खास श्रेणियों के निर्यात पर लगाई रोक

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सरकार ने सिरिंजों की कुछ खास श्रणियों की घरेलू स्तर पर उपलब्धता एवं बिक्री बढ़ाने के लिए उनके निर्यात पर 'मात्रात्मक रोक' लगाई है। मंत्रालय ने कहा कि यह पाबंदी बस सिरिंज की तीन श्रेणियों पर लागू है क्योंकि ये सिरिंज यथासंभव कम समय में कोविड-19 के खिलाफ टीका लगाने के कार्यक्रम की गति बनाए रखने के लिए अहम हैं। इसके अनुसार सीरिंजों की ये श्रेणिया 0.5 एमएल/1 एमएल एपी, 0.5 एमएल/1 एमएल / 2 एमएल/ 3 एमएल (निस्तारण योग्य) और 1 एमएल / 2 एमएल/ 3 एमएल आरयूपी हैं। सरकार ने तत्काल प्रभाव से इसके निर्यात पर रोक लगाई, इस कदम का उद्देश्य वर्तमान कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उनके बाहरी खेप को निरूत्साहित करना है।

सार समाचार

अफगान मस्जिद पर आत्मघाती हमला 'बड़ी त्रासदी' : अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने उत्तरी अफगानिस्तान में एक मस्जिद पर हुए आत्मघाती हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह एक बहुत बड़ी त्रासदी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शुक्रवार को अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जाहिर है, कोई भी नुकसान बड़ी त्रासदी होता है और हमारी संवेदना उन परिवारों के साथ है जिन्होंने अपनों को खोया है। साकी ने कहा, 'हम निश्चित रूप से क्षेत्र के नेताओं के साथ साझेदारी में काम करना जारी रखेंगे ताकि उन लोगों को अफगानिस्तान से बाहर निकाल सकें जो हमारे पक्ष में खड़े हैं, जो वहां से निकलना चाहते हैं। यह कुछ ऐसा है कि यहां हम बात कर रहे हैं और वहां इस पर काम चल रहा है।' एक अलग बयान में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि अमेरिका उत्तरी अफगानिस्तान में एक मस्जिद में नमाजियों पर शुक्रवार को किए गए हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता है। प्राइस ने कहा, हम मृतकों और उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। अफगान लोग आतंक मुक्त भविष्य के हकदार हैं। इस्लामिक स्टेट के आत्मघाती हमलावर ने शुक्रवार को उत्तरी अफगानिस्तान में शिया मुस्लिम नमाजियों से भरी एक मस्जिद पर हमला किया, जिसमें कम से कम 46 लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

आईएस ने अफगानिस्तान में मस्जिद पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली

काबुल। आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अफगानिस्तान में मस्जिद में हुए बम धमाके की जिम्मेदारी ली है। उत्तरी अफगानिस्तान में शिया मुस्लिम नमाजियों से भरी एक मस्जिद में शुक्रवार को हुए विस्फोट में कम से कम 46 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गये। आईएस से जुड़ी अमाक समाचार एजेंसी ने कुंदुज प्रांत में मजिस्द में दोपहर की नमाज के दौरान हुए विस्फोट की घटना के कुछ घंटे बाद इस दावे की जानकारी दी।

हांगकांग में चक्रवाती तूफान, इमारत का मचान गिरने से एक व्यक्ति की मौत

हांगकांग। हांगकांग में एक निर्माणाधीन इमारत से लगा बांस का मचान चक्रवाती तूफान के चलते गिर गया और इस घटना में एक श्रमिक की मौत हो गई जबकि अन्य लोग वहां फंस गये। स्थानीय मीडिया में आई खबर में कहा गया है कि मचान गिरने के बाद दो कारों में फंसे निर्माण कार्य श्रमिक और कुछ अन्य लोगों को आपात कर्मियों ने बचा लिया। हांगकांग वेधशाला ने बताया कि चक्रवाती तूफान लॉयनरॉक के तहत 38 मील प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली। चीन में भी प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय और चीन मौसम विज्ञान प्रशासन ने शांक्सी, सिचुआन और गानसु प्रांतों सहित उत्तर और पश्चिम हिस्से में संभावित भूस्खलन और बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

चीन के शेनजी में भारी बारिश से करीब 55,000 लोगों को निकाला गया

बीजिंग। चीन के शेनजी प्रांत में भारी बारिश के बाद करीब 55,000 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और 60 कोयला खदानों का परिचालन बंद कर दिया गया है। प्रांतीय आपातकालीन प्रबंधन विभाग के अनुसार, प्रांत के बड़े हिस्से में हाल ही में हुई बारिश के कारण जल स्तर बढ़ गया है और कई स्थानीय नदियों में बाढ़ आ गई है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने 372 गैर-कोयला खदानों, 14 खतरनाक-रासायनिक उद्यमों, 1,000 से अधिक निर्मा ण परियोजनाओं और 166 दर्शनीय स्थलों में परिचालन निलंबित कर दिया है। प्रांत ने प्राकृतिक आपदाओं के लिए एक स्तर 3 आपातकालीन प्रतिक्रिया भी जारी की है और गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में आपदा राहत के लिए 20 मिलियन युआन (3 मिलियन डॉलर) आवंटित किया है।

इराक संसदीय चुनावों के लिए शुरूआती मतदान में 69 प्रतिशत वोट डाले गए

बगदाद। इराकी अधिकारियों ने इस रविवार को मध्यावधि संसदीय चुनाव से पहले 69 प्रतिशत वोटिंग के साथ शुरूआती मतदान की सफलता की घोषणा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्वतंत्र उच्च चुनाव आयोग (आईएचईसी) में आयुक्त बोर्ड के अध्यक्ष, न्यायाधीश जलील अदनान खलाफ ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शुक्रवार के शुरूआती मतदान में भागीदारी सफल विधायी चुनावों की शुरूआत का संकेत दे रही है। खलाफ ने जोर देकर कहा कि शुरूआती मतदान के दौरान कोई अनियमितता दर्ज नहीं की गई और शुरूआती मतदान के परिणामों को रविवार के मध्यावधि चुनाव के परिणाम के साथ जोड़ा जाएगा, जिसकी घोषणा आम चुनाव की समाप्ति के 24 घंटे बाद की जाएगी। हालांकि, इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर पोस्ट किए गए आईएचईसी के एक बयान से पता चला है कि 1,196,524 में से 821,800 मतदाताओं ने अपने मत डाले, जो देश भर में शुरूआती मतदान करने वाले मतदाताओं का 69 प्रतिशत है। इराक के सुरक्षा बलों, कैदियों और विस्थापित लोगों के लिए शुरूआती मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे समाप्त हुआ। इराकी संसदीय चुनाव, जो मूल रूप से 2022 के लिए निर्धारित किए गए थे, भ्रष्टाचार के खिलाफ महीनों के विरोध और सार्वजनिक सेवाओं की कमी के जवाब में उन्नत रहे। चुनाव आयोग के अनुसार, लगभग 2.4 करोड़ इराकी विधायिका में 329 सीटों के लिए व्यक्तिगत रूप से चल रहे 3,249 उम्मीदवारों और 167 पार्टियों और गठबंधनों के लिए अपने मतपत्र डालने के लिए पात्र हैं।

कार्बन उत्सर्जन कम करने का लक्ष्य समानता के सिद्धांत पर आधारित हो : भारत

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत ने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया है कि 2050 तक शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने का लक्ष्य समता के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए जहां विकासशील देशों को उनके संबंधित सतत विकास मार्ग पर आगे बढ़ने देने के मद्देनजर विकसित देशों को कार्बन उत्सर्जन के मुकाबले कार्बन अवशोषण बढ़ाना चाहिए। शून्य उत्सर्जन (नेट जीरो) का मतलब है कि दुनिया वायुमंडल में में किसी तरह का नया उत्सर्जन नहीं कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने जोर देकर कहा है कि 2030 तक उत्सर्जन आधा हो जाना चाहिए और 2050 तक किसी भी सूरत में शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य पूरा कर लिया जाना चाहिए ताकि पेरिस जलवायु समझौते के तहत वैश्विक तापमान वृद्धि 1.5 सेल्सियस से अधिक न बढ़ने देने के निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने शुक्रवार को कहा, 'शून्य उत्सर्जन के सिद्धांत पर चर्चा हो रही है लेकिन इसके निहितार्थों को समझना भी जरूरी है। वैश्विक स्तर पर शून्य उत्सजर्न साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारी और समानता के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए, जहां विकासशील देश अपने-अपने सतत विकास पथ को देखते हुए बाद में उत्सर्जन के चरम पर पहुंचेंगे।' संकट, सामान्य स्थिति तक पहुंचने की क्षमता और पुनर्प्राप्ति - 2030 एजेंडा की ओर तेजी से प्रगति पर दूसरी समिति की संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस में उन्होंने कहा, परिणामस्वरूप, विकासशील देशों के विकास के लिए 2050 में कार्बन स्थल को विकासशील देशों के लिए जगह खाली करने के लिए, विकसित देशों को वास्तव में अपने उत्सर्जन को ऋणात्मक (नेट माइनस) करना चाहिए।'

तिरुमूर्ति ने कहा, 'यदि विकसित देश केवल व्यक्तिगत तौर पर शून्य उत्सर्जन कर रहे हैं, तो हम वास्तव में पेरिस लक्ष्यों को प्राप्त करने से बहुत दूर जा रहे हैं। और समान रूप से, विकसित देशों को पहले यह दिखाना होगा कि वे 2050 के बारे में चर्चा करने से पहले वे अपनी 2030 की प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।' भारत ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र रूपरेखा सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) के आसपास निर्मित समावेशी और व्यापक संरचना से केवल लाभकारी चीजें चुनने से दूर रहने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। इस सम्मेलन पर सभी सदस्य-राज्यों ने बातचीत की और सहमति जताई है। उन्होंने कहा, 'कुछ को सभी के लिए निर्णय नहीं लेना चाहिए। भारत ऐसे किसी भी प्रयास का समर्थन नहीं करेगा जो सदस्य-राष्ट्र संचालित प्रक्रिया के विरुद्ध हो और विकासशील देशों के हित में न हो।' पिछले महीने 76वें महासभा सत्र के इतर ऊर्जा पर संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय वार्ता 2021 में एक वीडियो बयान में, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा था कि जहां राष्ट्र ऊर्जा संक्रमण, ऊर्जा पहुंच और वित्त पर चर्चा कर रहे हैं, मैं विभिन्न देशों के ऊर्जा उपभोग और राष्ट्रीय परिस्थितियों के प्रति पूरी तरह से संवेदनशील होने के महत्व को दोहराना चाहूंगा। सभी के लिए एक जैसा समाधान सही नहीं हो सकता है।' तिरुमूर्ति ने इस बात पर भी जोर दिया कि विकसित देशों द्वारा जलवायु कार्रवाई के लिए 100 अरब डॉलर प्रदान करने की प्रतिबद्धता हासिल करने में अभी भी एक बड़ा अंतर मौजूद है। उन्होंने कहा, 'यह राशि एनएफएल द्वारा मीडिया अधिकारों पर अर्जित राशि से कम है। फिर भी हम 100 अरब डॉलर जुटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, हालांकि हम दावा करते हैं कि यह एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण मुद्दा है! इसलिए, अब समय आ गया है कि हम जलवायु कार्रवाई के बारे में गंभीर हों, विशेष रूप से विकसित देश।' तिरुमूर्ति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन जैसी भारत की पहल वैश्विक जलवायु साझेदारी में भारत के योगदान के उदाहरण हैं।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद पहली बार होगी तालिबान से वार्ता, इन मुद्दों पर चर्चा की संभावना

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता स्थापित हो चुकी है और इसके बाद पहली बार अमेरिका और तालिबान के बीच वार्ता होनी है। आपको बता दें कि अमेरिकी अधिकारी शनिवार और रविवार को तालिबान के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। जिसका मुख्य उद्देश्य विदेशी नागरिकों और उन अफगान लोगों को अफगानिस्तान से बाहर निकालना है जिनके ऊपर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के साथ ही तालिबान ने वहां के प्रांतों पर कब्जा करना शुरू कर दिया था और 15 अगस्त को तालिबान ने काबुल में स्थिति राष्ट्रपति भवन की तरफ कूच की। जिसके चलते अमेरिकी समर्थित अशरफ गनी सरकार गिर गई और 30 अगस्त को अमेरिकी सेना की पूरी तरह से घरवापसी हो गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबानी प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वार्ता के दौरान उस शांति समझौते पर भी बात होगी जो तालिबान ने साल 2020 में वाशिंगटन के साथ किया था। इसी समझौते के परिणामस्वरूप अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी हुई है।

अमेरिका के साथ होगी बैठक

सुहैल शाहीन ने कहा कि हां, बैठक होने वाली है। यह द्विपक्षीय संबंधों और दोहा समझौते को लागू करने के बारे में है। वहीं इस बैठक में आतंकवाद का मुद्दा उठाया जा सकता है। आपको बता दें कि तालिबान के साथ वार्ता में अमेरिका दबाव बनाने की कोशिश करेगा कि तालिबान महिलाओं, बच्चियों और अफगानि लोगों के हितों का ध्यान रखें और उनके अधिकारों का सम्मान करें। अमेरिका विदेशी मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिका तालिबान पर ज्यादा लोगों के समर्थन से समावेशी सरकार बनाने का जोर देगी। गौरतलब है कि विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा था कि तब से अमेरिका द्वारा 105 अमेरिकी नागरिकों और 95 ग्रीन कार्ड धारकों को अफगानिस्तान से निकाला गया है।

अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं किया जा सकता सिंगापुर, प्रधानमंत्री ली का बयान

सिंगापुर। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री ली सियन लूंग ने शनिवार को कहा कि सिंगापुर को अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मामलों में स्थिरता आने के बाद 'नए सामान्य' को अपनाने में तीन से छह महीने का वक्त लगेगा। वैश्विक महामारी के विषय पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए ली ने कहा कि आने वाले कुछ समय में देश को संक्रमण के अनेक मामले देखने के लिए तैयार रहना चाहिए। हालांकि, सिंगापुर को अनिश्चितकाल के लिए लॉकडाउन या बंद नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, ''इस नए सामान्य को अपनाने में कम से कम तीन महीने और संभवतः छह महीने तक का वक्त लग सकता है।'' लॉकडाउन की संभावना के बारे में ली ने कहा, ''यह काम का नहीं है और यह महंगा भी पड़ेगा। जीवन सामान्य करना, सामाजिक गतिविधियों में शामिल होना, सीमाएं खोलना और अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकना...यह सब नहीं हो पाएगा।

इससे मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक तनाव और मानसिक थकान होगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि नए सामान्य से उनका मतलब पाबंदियों में ढील देना और उनकी जगह हल्के-फुल्के उपाय करना है। उन्होंने कहा कि चाहे यह महसूस हो या नहीं लेकिन हम नए सामान्य की ओर निरंतर बढ़ रहे हैं।

लीक हुई अमेरिकी जासूसों की खुफिया लिस्ट, चीन, ईरान और पाकिस्तान में जा रही सीआईए एजेंट्स की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जासूसी की दुनिया में बहुत कुछ होता है। आपका सच जमाने के सामने न आए नहीं तो आपकी जान को और आपके परिवार की जान को खतरा हो सकता है। हर एजेंसी के पास रिकॉर्ड होता है कि किस देश में कौन से जासूस हैं और क्या काम कर रहे हैं इसकी लिस्ट होती है। ये लिस्ट लीक हो जाए तो तमाम तरीके से उनकी जान को खतरा हो जाता है। बहुत सारी हॉलीवुड की फिल्में आई हैं जिसमें ये दिखाया गया है कि जासूसों कि गोपनीय लिस्ट लीक हो गया और वो एक-एक कर मारे जाते हैं। आज की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। सुपरपॉवर मुल्क कहे जाने वाला अमेरिका ऐसी ही समस्या से दो चार हो रहा है। दरअसल, किसी भी दुश्मन को मात देने के लिए उसकी ताकत और कमजोर की पूरी जानकारी का होना जरूरी है। किसी भी टारगेट को खत्म करने के लिए जरूरी है उसकी सटीक लोकेशन का पता करना। किसी भी देश के लिए ऐसी तमाम जानकारी उसकी खुफिया एजेंसी लाती है। अमेरिका ने अगर दुनिया में अपनी बादशाहत कायम रखी है तो उसकी एक वजह उसकी खुफिया एजेंसी सीआईए भी है। लेकिन अब सीआईए का मिशन और उसका नेटवर्क खतरे में है। अचानक सीआईए के एजेंट्स चुन-चुनकर खत्म किए जा रहे हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सीआईए के हर एजेंट्स पर खतरा मंडराने लगा।

कई जासूस खत्म किए जा चुके

सीआईए यानी सेंट्रल इनवेंस्टिगेशन एजेंसी जिसे दुनिया की सबसे घातक खुफिया एजेंसी और अमेरिका की सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। लेकिन दुनियाभर में कई सरकारों का तख?तापलट करने वाली अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए इन दिनों बड़े संकट का सामना कर रही है। कोई है जो एजेंट्स का पीछा करता है। उसे एजेंट्स के मूवमेंट की सटीक जानकारी होती है। वो घात लगाकर एजेंट्स का इंतजार करता है और फिर बड़ी खामोशी से उन्हें खत्म कर देता है। ऐसा एक बार नहीं कई बार हो चुका है और कई जासूस खत्म किए जा चुके हैं।

चीन और ईरान बना रहा निशाना?

सीआईए ने जब इसकी तहकीकात शुरू की तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। अमेरिकी अखबार में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन और ईरान जैसे देशों को सीआईए के एजेंट्स की जानकारी मिल चुकी है। अमेरिका के दुश्मन अब सीआईए एजेंट्स की हत्या कर रहे हैं। सीआईए एजेंट्स के नेटवर्क से जुड़े मुखबिरों को भी खत्म किया जा रहा है। सीआईए ने अपने सभी एजेंट्स को सीक्रेट तरीके से चेतावनी दी है। उन्हें सावधान रहने और अपने सूत्रों से दूर रहने को कहा गया है। सीआईए का मानना है कि कुछ अमेरिकी लोगों ने ईरान और चीन को उसके एजेंटों के बारे में सूचना दी जिससे ये जासूस उनकी पकड़ में आ गए। यही नहीं प्रतिद्वंदी खुफिया एजेंसियां बायोमिट्रीक स्कैन, चेहरे को पहचानने वाली तकनीक, एआई और हैकिंग तकनीक का इस्तेमाल करके सीआईए अधिकारियों पर नजर रख रहे हैं ताकि उनके सूत्रों की जानकारी की जा सके।

स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण की उपलब्धता अब बना मानवाधिकार, संयुक्त राष्ट्र ने दी मान्यता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने सुरक्षित, स्वच्छ, स्वस्थ और सतत पर्यावरण को मानवाधिकार के रूप में मान्यता दे दी है। औपचारिक रूप से जलवायु परिवर्तन और इसके विनाशकारी परिणामों के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में यह महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। कुछ महत्वपूर्ण देश जिसमें अमेरिका और ब्रिटेन भी शामिल है कि आलोचना के बावजूद यह प्रस्ताव भारी बहुमत के साथ पारित किया गया। संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार परिषद ने स्वच्छ पर्यावरण प्रस्ताव को पारित किया। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में मानव अधिकारों की निगरानी के लिए एक विशेषज्ञ की नियुक्ति करने वाले प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई। प्रस्ताव में देशों से पर्यावरण में सुधार करने की अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की भी बात कही गई है।

प्रस्ताव पर सबसे पहली बार 1990 में चर्चा की गई थी। जलवायु मुकदमे में

शामिल वकीलों का मानना है कि उन्हें इससे पर्यावरण और मानवाधिकारों से जुड़े मामलों में तर्क देने में मदद मिल सकती है। मानवाधिकार और पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र में विशेष दूत डेविड बॉयड ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह दुनिया में जीवन बदलने वाला साबित हो सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वैश्विक पर्यावरणीय संकट के कारण हर साल 9 बिलियन से अधिक लोग समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाते हैं। कोस्टा रिका, मालदीव, मोरक्को, स्लोवेनिया और स्विटजरलैंड द्वारा यह प्रस्ताव रखा गया था जो जिसे 43 मतों के साथ पारित किया गया। रूस ने आपत्ति दर्ज की जबकि चीन, इरीट्रिया, भारत और जापान अनुपस्थित रहे।

ह्यूमन राइट्स वॉच में संयुक्त राष्ट्र एडवोकेसी (पक्षधरता) की उप निदेशक लूसी मैककर्नन ने वैश्विक पर्यावरण संकट से निपटने में मदद करने के लिए स्वच्छ पर्यावरण उपाय को महत्वपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर इस अधिकार को मान्यता देने से स्थानीय समुदायों को पर्यावरण विनाश के खिलाफ आजीविका, स्वास्थ्य और संस्कृति की रक्षा करने में मदद मिलेगी और सरकारों को यह मजबूत और बेहद सुसंसगत पर्यावरण संरक्षण कानूनों और नीतियों को बनाने में मदद करेगी। वहीं एक अन्य प्रस्ताव में 'विशेष प्रतिवेदक' का पद तीन साल के लिए सृजित किया गया है, जो अन्य चीजों के साथ इस बात की निगरानी करेगा कि जलवायु परिवर्तन कैसे मानवाधिकारों को प्रभावित करता है। इस प्रस्ताव के लिए 42-1 से मतदान हुआ।

हिंद-प्रशांत और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए भारत और अमेरिका के रक्षा अधिकारियों की बैठक

वाशिंगटन (एजेंसी)।

भारत और अमेरिका के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी और क्षेत्रीय मुद्दों के साथ-साथ एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत को बनाए रखने के लिए समान सोच वाले भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा करने के लिए यहां मुलाकात की। पेंटागन ने कहा कि अमेरिका-भारत रक्षा नीति समूह की 16वीं बैठक ने इस साल के अंत में होने वाली महत्वपूर्ण 'टू-प्लस-टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता की नींव रखी जिसके साथ ही अमेरिका और भारत द्वारा प्रमुख रक्षा भागीदारी में एक नया अध्याय शुरू किया। शुक्रवार को हुई बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव अजय कुमार और नीति के लिए अवर रक्षा मंत्री कॉलिन कहल ने की।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एंटन टी सेमलरॉथ ने कहा, ÷वार्ता ने द्विपक्षीय प्राथमिकताओं की एक महत्वाकांक्षी व्यवस्था को आगे बढ़ाया जिसमें सूचना-साझेदारी, उच्च गुणवत्ता का समुद्री सहयोग, साजो-सामान और रक्षा व्यापार शामिल हैं, जो अमेरिका और भारत के बीच फलते-फूलते रक्षा संबंधों को दर्शाता है।÷ उन्होंने बताया कि अमेरिकी और भारतीय अधिकारियों ने दक्षिण एशिया और हिंद

महासागर क्षेत्र सहित साझा हित के क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को बनाए रखने के लिए समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की।

सेमलरॉथ ने कहा, ÷नेताओं ने अंतरिक्ष और साइबर जैसे नए रक्षा क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने सहित एक साथ निर्बाध रूप से अधिक काम करने के लिए अमेरिका और भारतीय सेनाओं के बीच संयुक्त सहयोग और साथ मिलकर काम करने की क्षमता को गहरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

ड्रैगन की धमकी : ताइवान पर बाहरी दखल बर्दाश्त नहीं, हर हाल में ताइवान को चीन में मिलाकर रहेंगे

बीजिंग। (एजेंसी)।

ताइवान और चीन के पुनः एकीकरण की जोरदार वकालत करते हुए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शनिवार को कहा कि 'ताइवान प्रश्न'का मुद्दा सुलझाया जाएगा और इसमें ' किसी विदेशी हस्तक्षेप' को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शी की यह टिप्पणी चीन द्वारा लगातार चार दिन ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में बड़ी संख्या में युद्धक विमान भेजे जाने के बाद आई है। ताइवान खुद को एक संप्रभु राज्य मानता है लेकिन चीन इसे एक अलग प्रांत के स्वायत्तशासी द्वीप के रूप में देखता है। चीन ने एकीकरण करने के लिए संभावित बल के इस्तेमाल से इनकार नहीं किया है।

शी ने एक आधिकारिक उत्सव के मौके पर यहां के ग्रेट हॉल में कहा कि चीन के पुनः एकीकरण के रास्ते में 'ताइवन स्वतंत्रता'बल मुख्य बाधक है। वह चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के महासचिव भी हैं। उन्होंने कहा कि ताइवन का प्रश्न चीनी राष्ट्र की कमजोरी और अराजक स्थिति की वजह से पैदा हुआ और इसे सुलझाया जाएगा ताकि पुनर्एकीकरण वास्तविकता बन सके। शी ने कहा, '' यह चीनी इतिहास की सामान्य प्रवृत्ति से निर्धारित होता है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सभी चीनियों की सामान्य इच्छा है।''

वर्ष 1911 में हुये चीनी क्रांति की 110 वीं वर्षगांठ के मौके पर इस उत्सव का आयोजन किया गया था। चीनी क्रांति के बाद किंग राजवंश को सत्ता से बाहर कर सन यात सेन के नेतृत्व में चीनी गणराज्य की स्थापना की गई। वहीं 10 अक्टूबर को ताइवान में राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। चीन और ताइवान के शासन पद्धति में भी अंतर है। चीन में एक दलीय शासन प्रणाली है जबकि ताइवान में बहुदलीय लोकतंत्र है। शी 2012 में देश की सत्ता पर काबिज हुए और चीन का कायाकल्प किया और चीनी सपने को पूरा किया तथा चीन के मुख्य हिस्से में ताइवान को जोड़ना उनके मुख्य लक्ष्यों में से एक है। पिछले सप्ताह ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में 150 युद्ध विमान घुस गए थे, जिसको लेकर अमेरिका ने गहरी चिंता व्यक्त की। इस घटनाक्रम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शी को याद दिलाया कि पिछले महीने फोन पर हुई बातचीत के दौरान उन्होने 'ताइवान समझौते' का पालन करने पर सहमति जताई थी। शी ने अपने संबोधन में कहा कि ताइवान का प्रश्न चीन का आंतरिक मामला है और इसमें किसी विदेशी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शी ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से एकीकरण ताइवान के हमवतन समेत संपूर्ण चीनी राष्ट्र के हित में है। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ताइवान की स्वतंत्रता की समर्थक हैं। शी ने कहा कि वे लोग जो स्वतंत्रता की वकालत कर रहे हैं, वे इतिहास की नजर में दोषी रहेंगे।

देश में थर्मल पॉवर प्लांट में कोयले की कमी से बिजली उत्पादन हुआ कम : सत्येंद्र जैन

ऊर्जा मंत्री ने कोयला संकट को लेकर की उच्च स्तरीय बैठक

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि देश में थर्मल पॉवर प्लांट में कोयले की कमी आई है। जिसकी वजह से बिजली उत्पादन कम हुआ है। दिल्ली में कोयले से बिजली उत्पादन नहीं होता है। दूसरे राज्यों के पॉवर प्लांट से दिल्ली में अधिकतम बिजली आपूर्ति की जाती है। केंद्र सरकार से दिल्ली सरकार अपील करती है कि रेलवे वैगन का इंतजाम किया जाए और जल्द से जल्द कोयले को पावर प्लांट तक पहुंचाया जाए। दिल्ली सरकार कोशिश कर रही है कि किसी भी तरह बिजली खरीद कर पर्याप्त आपूर्ति की जाए। देश में चल रहे कोयला संकट के मद्देनजर दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने शनिवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की है। इस बैठक में बिजली विभाग के अधिकारियों और सभी ऊर्जा कंपनियों को बुलाया गया। इस दौरान सत्येंद्र जैन ने कहा कि पूरे देश में कोयले से चलने वाले पॉवर प्लांट में कोयले की कमी आई है। जिसकी वजह से बिजली उत्पादन बेहद कम हो गया है। उन्होंने कहा कि देश में बिजली की मांग काफी कम है। इसके बाद भी पॉवर प्लांट बिजली का उचित उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली में

केंद्र सरकार करे रेलवे वैगन का इंतजाम : सत्येंद्र जैन

कोयले से बिजली का उत्पादन नहीं किया जाता है। दिल्ली के बाहर स्थित पॉवर प्लांट से दिल्ली में अधिकतम बिजली आपूर्ति की जाती है। ज्यादातर बिजली केंद्र सरकार के एनटीपीसी से खरीदी जाती है, जहां कोयले का भंडार कम से कम एक महीने का रखना होता है, जो घट कर एक दिन का ही रह गया है। इसके अलावा ज्यादातर पावर प्लांट अपनी 100 फीसद क्षमता पर नहीं चल रहे हैं।

देश के सभी पॉवर प्लांट को सौ फीसद क्षमता पर चलाया जाए : जैन

ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि केंद्र सरकार से दिल्ली सरकार अपील करती है कि रेलवे वैगन का इंतजाम किया जाए और जल्द से जल्द कोयले को इन पॉवर प्लांट तक पहुंचाया जाए और कम से कम एक महीने का भंडार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही देश के सभी पॉवर प्लांट को उनकी 100 फीसद क्षमता पर चलाया जाए। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में तीन पॉवर प्लांट हैं। इनसे जितनी बिजली का उत्पादन हो सकेगा, दिल्ली सरकार द्वारा उतना उत्पादन किया जाएगा, चाहे वो किसी भी दर पर हो। दिल्ली सरकार कोशिश कर रही है कि किसी भी तरह और किसी भी दर पर बिजली खरीद कर दिल्ली में बिजली आपूर्ति को पूरा किया जाए।

आगरा कैनाल पर नए पुल का बिधूड़ी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज अपने बदरपुर विधानसभा क्षेत्र में आगरा कैनाल पर नए पुल का उद्घाटन किया। उद्घाटन के साथ ही यह पुल जनता की आवाजाही के लिए खोल दिया गया। इस पुल के बन जाने से लोगों को अब कालिंदी कुंज का चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी और आधे घंटे की दूरी सिर्फ 5 मिनट में ही तय हो जाएगी। बिधूड़ी ने इस मौके पर कहा कि यह पुल दिल्ली के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और हरियाणा के लोगों के लिए बहुत उपयोगी है। आगरा कैनाल पर बने इस पुल का निर्माण उत्तर प्रदेश सरकार के बाढ़ एवं सिंचाई विभाग ने कराया है। पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बदरपुर क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए आए थे तो बिधूड़ी ने इसपुल के निर्माण पर जोर दिया था।

पांच मिनट में तय होगी आधे घंटे की दूरी

दरअसल तब इस पुल का निर्माण कार्य बंद पड़ाथा। योगी ने तब यह वादा किया था कि इस पुल का निर्माण शीघ्र कराया जाएगा। बिधूड़ी ने लोगों को याद दिलाया कि योगी ने अपना वादा पूरा कर दिया है। बिधूड़ी ने इस पुल के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह से भी मुलाकात की थी। पुल के चालू होने पर उनका भी आभार व्यक्त किया गया।

दिल्ली में 18 लाख वाहनों के खिलाफ एक्शन की तैयारी, कटेगा 10 हजार रुपये का चालान

नई दिल्ली । दिल्ली में 18 लाख वाहन बगैर प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के दौड़ रहे हैं। इनमें दो पहिया की संख्या अधिक है। बगैर पीयूसी वाले साढ़े 13 लाख दो पहिया वाहन हैं जबकि चार लाख 20 हजार कारें ऐसी हैं जिनके पास पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है। परिवहन विभाग अब ऐसे वाहनों के खिलाफ और सख्ती करने जा रहा है। परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुछ दिन पहले कंप्यूटर ब्रांच से वाहनों का डेटा मांगा गया था, मिले डेटा के अनुसार दिल्ली में एक करोड़ 34 लाख वाहन चल रहे हैं। जिनमें 18 लाख वाहनों के पास पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मसला है, लोगों को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस बारे में लापरवाही ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि सौ से भी कम रुपये में बनने वाले पीयूसी प्रमाणपत्र के लिए लोगों को 10 हजार का चालान कटवाना पड़े।

स्थिति पर गौर करें तो प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के मामले में परिवहन विभाग की सख्ती का असर दिख रहा है। विभाग की सख्ती के बाद अब अगस्त की तुलना में प्रतिदिन दोगुने प्रमाणपत्र बन रहे हैं। अगस्त में प्रतिदिन 10 हजार प्रमाणपत्र बन रहे थे जो अब 20 हजार प्रतिदिन बन रहे हैं। आंकडों पर नजर डालें तो 10 अगस्त से एक सितंबर तक प्रतिदिन औसतन 10 हजार पीयूसी प्रमाणपत्र बन रहे थे। मगर सितंबर के शुरू में परिवहन विभाग ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी की और लोगों को सलाह दी कि अपने पीयूसी प्रमाणपत्र बनवा लें, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

इसके बाद पीयूसी बनवाने वालों में कुछ जागरुकता आई और पीयूसी का आंकड़ा एकाएक बढ़ने लगा। यानी दो सितंबर से 18 सितंबर तक औसत 15 हजार प्रतिदिन पर पहुंच गया। इसके बाद विभाग ने 15 दिन में दो बार फिर एडवाइजरी जारी की। जिसके बाद 19 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रतिदिन औसतन 20 हजार पीयूसी बनाए जा रहे हैं। तीन अक्टूबर से छह अक्टूबर के दौरान भी 20 हजार प्रतिदिन के हिसाब से पीयूसी बने हैं। अब सात अक्टूबर से विभाग ने बगैर पीयूसी वालों के खिलाफ चालान काटने का अभियान शुरू किया है।

विभाग का मानना है कि अब पीयूसी प्रमाणपत्र का आंकड़ा बढ़ जाना चाहिए। विभाग ने शुक्रवार को 13 लाख ऐसे लोगों को उनके मोबाइल पर मैसेज भी भेजे हैं जिन्होंने पीयूसी की वैधता समाप्त हो जाने के बाद भी दोबारा पीयूसी नहीं बनवाया है। वैध पीयूसी के बिना वाहन चलाने पर परिवहन विभाग ने सार्वजनिक सूचना के माध्यम से पहले ही 10 हजार का जुर्माना लगाने की घोषणा कर रखी है। वैध पीयूसी के बिना गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ 10 हजार के जुर्माने साथ-साथ तीन महीने तक उनका लाइसेंस भी निलंबित किया जाएगा। इस पर अमल करते हुए परिवहन विभाग ने बृहस्पतिवार से बड़ा अभियान शुरु किया है।

संक्षिप्त खबर

दुनिया भर में तेजी से बढ़े हैं डेंगू के मामले : डॉ.समीर भाटी

नई दिल्ली। डेंगू के बढ़ते प्रकोप के चलते लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि कोरोना का कहर अभी गया नहीं है। उस पर डेंगू का कहर लोगों के जीवन में बड़ी मुसीबत के रूप में सामने आ रहा है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार हाल के दशक में दुनिया भर में डेंगू के मामलें तेजी से बढ़े है। एक अनुमान के मुताबिक हर साल डेंगू के एक सौ से लेकर 4 सौ मिलियन इन्फेक्शन होते हैं। स्टार इमेंजिंग एण्ड पैथ लैब के डायरेक्टर डॉ.समीर भाटी का कहना है कि बहुत से वेक्टर बोर्न रोग मौसम और हाईजीन पर निर्भर करते हैं। लेकिन इसकी आसानी से रोकथाम की जा सकती है। डॉ.समीर भाटी ने बताया कि डेंगू और मलेरिया के मामलें तेजी से बढ़ रहे है। ऐसे में हमें अपने घरों के आस-पास पानी को जमा नहीं होने देना चाहिए। ताकि मच्छर जमा ना हो सकें। उन्होंने बताया कि मौजूदा दौर में कोरोना का कहर अभी है। ऐसे में डेंगू और मलेरिया के मामलें लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल सकतें है। बुखार को नजरअंदाज ना करें। क्योंकि अभी हाल में उत्तर प्रदेश में डेंगू, मलेरिया सहित मौसमी बीमारियों के कहर से कई लोगों की जानें जा चुकी है। ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य का चैकअप और इलाज जरूरी है। ताकि कोरोना के साथ-साथ डेंगू जैसी बीमारी से बचा जा सकें।

अभिनेता रितेश देशमुख व जेनेलिया ने लोगों को किया शाकाहार के प्रति प्रेरित

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता और उद्यमी जेनेलिया और रितेश देशमुख ने शनिवार को दिल्ली में नेचर्स बास्केट में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अपने प्लांट-आधारित मीट ब्रांड, इमेजिन मीट्स को लॉन्च किया है। पिछले कुछ वर्षों में पौधों पर आधारित भोजन की लोकप्रियता बढ़ रही है और इस श्रेणी में नेचर्स बास्केट में तेजी से वृद्धि देखी गई है। इमेजिन मीट की उत्पाद श्रृंखला भारतीयों को पौधों पर आधारित किस्मों के माध्यम से असली मांस के बिना कीमा, सीक कबाब, बिरयानी व्यंजन, नगेट्स, सॉसेज, और अधिक की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करके देसी शाकाहारी विकल्प प्रदान करती है,। ये प्रोटीन-आधारित उत्पाद बिना कोलेस्ट्रॉल, बिना जानवरों के हार्मोन या एंटीबायोटिक्स के बने होते हैं, जो इसे उन लोगों के लिए एक विकल्प हैं जो पशु क्रूरता के अपराध के बिना मांस खाना चाहते हैं। इस नए उद्यम की शुरुआत करते हुए, रितेश देशमुख और जेनेलिया ने कहा, हम हर किसी की थाली में प्रोटीन युक्त, स्वादिष्ट पौधों पर आधारित भोजन लाने के लिए रोमांचित हैं। पौधे-आधारित मीट की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, यह मेरे जैसे मांस-प्रेमियों के लिए एकदम सही समाधान है, जो जानवरों का मांस छोड़ना को काफी बड़ी चुनौती समझते है।

महापौर ने सांसद के साथ किया नजफगढ़ जोन का दौरा

नई दिल्ली। सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा,महापौर मुकेश सुर्यान व अतिरिक्त आयुक्त रंधीर सहाय के साथ नजफगढ़ जोन के झड़ौदा कलां गांव व नजफगढ़ वार्ड का निरीक्षण किया। सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा व महापौर मुकेश सुर्यान ने 'झड़ौदा कलां' गांव में जाकर स्थानीय निवासियों से उनकी कठिनाइयों और निगम सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने झड़ौदा कलां गांव में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीण वसियों की समस्याओं को ध्यान से सुना और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए।

उत्तरी निगम हर शनिवार सड़कों से हटाएगी डंप वाहन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजय गोयल ने शनिवार को बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने शनिवार को डंप वाहन हटाओ दिवस के रूप में घोषित किया है। उन्होंने बताया कि आज करोल बाग क्षेत्र में सड़कों और गलियों में काफी लंबे समय से खड़े डंप वाहनों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस तरह के डंप वाहन पूरे क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को बनाए रखने और यातायात में बाधा उत्पन्न करते हैं। आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि सड़कों पर खड़े डंप वाहनों को हटाने के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र में इस तरह के और अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वाहनों को हटाने के लिए मालिकों को 1 सप्ताह का समय देते हुए नोटिस चस्पा कर दिया गया है। करोल बाग क्षेत्र में शनिवार को 50 से अधिक वाहनों को हटाया गया और यह अभियान प्रत्येक शनिवार को चलाया जाएगा।

लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण विज्ञापन एजेंसियों ने उत्तरी निगम का काम रोका : दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा शासित निगम ने लंबे समय से विज्ञापन एजेंसियों का भुगतान नहीं किया है। ऐसे में एजेंसियों ने अखबारों में उत्तरी दिल्ली नगर निगम में विकास कार्यों के टेंडरों के विज्ञापन छापने से मना कर दिया है।

एमसीडी प्रभारी ने निगम की पारदर्शिता पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि यदि एजेंसियों को भुगतान का पैसा नहीं मिल रहा है तो उत्तरी दिल्ली नगर निगम में निगम पार्षदों को विकास कार्यों के लिए मिलने वाला 50 लाख का फंड कहां जा रहा है। आम आदमी पार्टी ने भाजपा से जल्द से जल्द सभी एजेंसियों का भुगतान करने की मांग की है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने शुक्रवार को बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि आप लोग जब अखबार पढ़ते होंगे तो उसमें दिल्ली नगर निगम में विकास कार्यों से सम्बंधित विज्ञापन भी जरूर देखते होंगे। अब इन अखबारों ने भी एमसीडी के विज्ञापन छापने से मना कर दिया है। इसका एक बड़ा कारण है।

भाजपा को मुफ्त में काम कराने की हो गई है आदत

एमसीडी प्रभारी ने कहा, एमसीडी में सत्तारूढ़ भाजपा विज्ञापन तो छपाने में माहिर है लेकिन जब भुगतान की बारी आती है तो इनकी जेबें खाली हो जाती हैं। भाजपा को मुफ्त में काम कराने की आदत सी हो गई है। लेकिन यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि यदि एजेंसियों को भुगतान का पैसा नहीं मिल रहा है तो उत्तरी दिल्ली नगर निगम में निगम पार्षदों को विकास कार्यों के लिए मिलने वाला 50 लाख का फंड कहां जा रहा है। इसकी जवाबदेही कौन करेगा। उन्होंने कहा, एक विज्ञापन एजेंसी के प्रतिनिधि का कहना है कि बीते दो साल से उनका भुगतान नहीं किया गया है। पिछले दिनों केवल पांच-पांच लाख रूपए हर एजेंसी को जारी किए हैं। जबकि एजेंसियों का बकाया करोड़ों में है।

एनडीएमसी सदस्य ने किया पिलांजी गांव का दौरा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के सदस्य गिरीश सचदेवा ने शनिवार सुबह पिलांजी गांव, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली का दौरा किया। सचदेवा द्वारा पिलांजी गांव में दौर करते समय निवासियों के साथ बातचीत करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन, स्रोत पर कचरे का पृथक्करण और जलजनित रोगों की रोकथाम में क्षेत्रीय निवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने पिलांजी गांव का भी दौरा करते हुए नागरिकों की जल निकासी, सड़क के गड्ढे और बिजली के तार लटकने की समस्या को भी सुना और इसके समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पालिका परिषद के जन स्वास्थ्य विभाग, सिविल एवं विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी और क्षेत्र के आवासीय कल्याण समितियों के प्रतिनिधि भी पालिका परिषद सदस्य के साथ थे।

भाजपा कार्यकर्ता देश सेवा के लिए हैं हमेशा तत्पर : प्रहलाद जोशी

केंद्रीय मंत्री ने भाजपा महरौली जिले की वार्षिक संस्करण पुस्तक का किया विमोचन

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी के द्वारा आयोजित भाजपा महरौली जिले की वार्षिक संस्करण पुस्तक का विमोचना किया। इस मौके पर पत्रकारों और भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जोशी ने कहा कि सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में महरौली जिला भाजपा ने पार्टी को संगठित करने व सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को बखूबी निभाया है। कोरोना संकट के दौरान पूरी दिल्ली के लोगों की इस जिले ने मदद की। प्रहलाद जोशी ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में अनेक ऑक्सीजन केंद्रों की स्थापना, क्षेत्र के लोगों को राशन उपलब्ध करवाना, कोविड-क्वॉरेंटाइन केंद्रों की

स्थापना करके यह साबित कर दिया कि भाजपा के कार्यकर्ता देश सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। वहीं प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित सेवा सप्ताह में भाजपा द्वारा की गई जन सेवा के कार्य बहुत ही अनुकरणीय हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व स्तर पर अपने आप को मजबूत बनाने में कामयाब हो पाया है।

महरौली भाजपा जिला का कार्य बहुत ही बेहतर : आदेश गुप्ता

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि महरौली भाजपा जिला का कार्य बहुत ही बेहतर है। भाजपा के कार्यकर्ता देश सेवा के लिए हमेशा आगे रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजनाएं और कामों को धरातल पर उतरना इतना आसान नहीं होता लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत करके केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना की पहली लहर हो या दूसरी लहर दोनों समय पूरे देश के 80 करोड़ जनता और दिल्ली के 74 लाख कार्डधारकों को 9 महीनों तक मुफ्त राशन देने का काम प्रधानमंत्री ने किया है।

दिल्ली की झंडेवाला देवी मंदिर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने की पूजा-अर्चना

नई दिल्ली । करोलबाग स्थित झंडेवाला देवी मंदिर में शुक्रवार को दर्शन-पूजन करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत पहुंचे। सुबह उन्होंने मां के दर्शन किए। साथ ही मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर यहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। दूसरी तरफ, आम भक्तों की सुबह पांच बजे से लेकर रात तक कतार लगी रही। लोगों ने कोरोना नियमों का पालन करते हुए मां भगवती के दर्शन किए।

मंदिर में पहुंचे दिनेश शर्मा ने बताया कि मंदिर में बेहतर व्यवस्था भक्तों के लिए की गई, लेकिन मां को प्रसाद नहीं चढ़ाने का बहुत दुख है। वह कोरोना नियमों का पालन कराने के लिए ऐसा कर रहे हैं, जो अपनी जगह सही है, लेकिन इससे लोगों की आस्था को ठेस पहुंच रही है। वहीं, सिया कुमारी ने कहा कि वह घर से अपने हाथों से मां की चुनरी बनाकर लाई थीं, लेकिन मंदिर में चुनरी और प्रसाद नहीं चढ़ाने दिया गया। मंदिर के प्रबंधक रविंद्र गोयल ने बताया कि कोरोना नियमों के पालन करने के चलते प्रसाद चढ़ाने की अनुमति नहीं है। मंदिर की ओर से उन्हें सील पैक प्रसाद दिया जा रहा है।

दूसरे दिन मां भगवती के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना मंदिर में की गई। भक्तों के मंदिर में प्रवेश के लिए रानी झांसी मार्ग, देशबंधु गुप्ता मार्ग व वरुणालय की तरफ से व्यवस्था की गई है, जहां से भक्त होकर मंदिर तक पहुंच रहे हैं।

वहीं, एंड्रयूजगंज वार्ड के निगम स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों के लिए शुक्रवार को निश्शुल्क टीकाकरण शिविर लगाया गया। इसमें 800 अभिभावकों को टीका लगवाया गया। इस दौरान वार्ड के पार्षद अभिषेक दत्त ने कहा कि यह दिल्ली का पहला ऐसा वार्ड बन गया है, जिसने निगम स्कूल के सभी बच्चों के अभिभावकों को निश्शुल्क कोरोनारोधी टीका लगवा दिया है। 21 सितंबर को भी यहां 1000 लोगों को टीका लगवाया गया था।

अभिषेक दत्त ने बताया कि निगम स्कूलों में ज्यादातर गरीब लोगों के बच्चे पढ़ते हैं। इसलिए वे भुगतान करके टीका नहीं लगवा सकते हैं। इसलिए कोरोना संक्रमण की संभावित तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए उन्होंने वार्ड के निगम विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व अध्यापकों के सहयोग से सभी स्कूलों के बच्चों के अभिभावकों की सूची तैयार करवाई और सभी को निश्शुल्क टीका सुनिश्चित कराया।

निरीक्षण *गोपाल राय ने निर्माणाधीन मेट्रो मॉल का किया औचक निरीक्षण,बोले*

सरकारी मानकों का पालन कर किए जाएं विकास कार्य

नई दिल्ली,(एजेंसी)। **दिल्ली वालों को वायु प्रदूषण से बचाने के लिए केजरीवाल सरकार एंटी डस्ट अभियान के तहत पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही है। इसी अभियान के तहत पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को नार्थ दिल्ली स्थित निर्माणाधीन मेट्रो मॉल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार की तरफ से जारी सभी दिशा-निर्देशों का इस निर्माण साइट पर पालन किया जा रहा है। निर्माण साइट के चारों तरफ टीन शेड लगा मिला और एंटी स्मॉग गन से पानी का छिड़काव भी किया जा रहा है। निर्माण साइट के चारों तरफ टीन शेड लगा मिला।**

निर्माण साइट के चारों तरफ टीन शेड लगाने का दिया निर्देश

और एंटी स्मॉग गन से पानी का छिड़काव भी किया जा रहा है। मंत्री गोपाल राय ने सभी निर्माण एजेंसियों से अपील करते हुए कहा कि सरकार की तरफ से जारी मानकों का पालन करते हुए विकास कार्य करें, ताकि प्रदूषण के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाया जा सके और लोगों की सांसों पर वायु प्रदूषण का जो संकट आने की संभावना है, उससे उन्हें बचाया जा सके।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एंटी डस्ट कैंपेन के अंतर्गत आज नार्थ दिल्ली स्थित मेट्रो मॉल के निर्माण साइट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री

गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर 7 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक दिल्ली सरकार की तरफ से एंटी डस्ट कैंपेन चलाया जा रहा है। इसमें डीपीसीसी की टीमें अलग-अलग जिलों में जाकर निर्माण साइट का निरीक्षण कर रही हैं। इसी अभियान के तहत मैने परसों प्रगति मैदान के सामने एल एंड टी एंटी कैनाल का काम चल रहा है, उसका निरीक्षण करने गया था। वहां पर दिल्ली सरकार की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन पाया गया था। जिसके बाद सरकार की तरफ से उस पर सख्त कार्रवाई की गई है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि नार्थ दिल्ली में मेट्रो मॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। आज मैंने इस निर्माण साइट का औचक निरीक्षण किया है। यहां पर निरीक्षण करने के बाद नियमों का उल्लंघन नहीं पाया गया। मुझे खुशी है कि दिल्ली सरकार की तरफ से निर्माण कार्य कर रही एजेंसियों के लिए जो भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, उसका यहां पर पालन किया जा रहा है।

सरकार ने निर्माण साइट के चारों तरफ टीन शेड लगाने का निर्देश दिया है। यहां निर्माण साइट पर टीन शेड लगाया गया है। एंटी स्मॉग गन भी लगाया गया है। पानी का छिड़काव भी किया जा रहा है। इसके अलावा भी जो निर्देश दिए गए हैं, उन निर्देशों का अच्छी से तरह से पालन किया जा रहा है। मुझे भरोसा है कि दिल्ली की सभी निर्माण एजेंसियां भी इसी तरह से सरकार के निर्देशों का पालन करेंगी। साथ ही, मैं दिल्ली की सभी निजी निर्माण एजेंसियों और सरकारी निर्माण एजेंसियों से अपील करता हूं कि वे विकास के लिए निर्माण का कार्य करें, लेकिन मानदंडों का पालन करने हुए करें।

जिससे कि प्रदूषण की इस लड़ाई को हम और मजबूती के साथ आगे बढ़ा सकें। लोगों के सांसों पर वायु प्रदूषण जो संकट आने की संभावना है, उससे उन्हें हम बचा सके, इसी के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से यह एंटी डस्ट अभियान चलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बीते गुरुवार को प्रगति मैदान में एंट्री कैनाल ए एंड टी का औचक निरीक्षण किया। वहां पर पर धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने को लेकर दिल्ली सरकार की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन होता पाया गया था। साइट के चारों तरफ धूल उड़ती मिली। वहां लगाई गई त्रिपाल टुकड़ों-टुकड़ों में फटी मिली। साथ ही एंटी स्मॉग गन सिर्फ दिखाने के लिए रखा गया था और टैंकर में पानी तक नहीं था। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने धूल प्रदूषण करने पर संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और मानकों का उल्लंघन करने पर 5 लाख जुर्माना लगाया है।

साथ ही निर्माण एजेंसी को नोटिस भी जारी कर दो दिन में जवाब देने का निर्देश दिया गया है। यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर निर्माण साइट पर मानकों का पालन नहीं किया गया, तो काम बंद करवा दिया जाएगा।

संपादकीय

ध्वस्त होती धारणाओं का दौर

तीन दशक पहले अमेरिकी लेखक आल्विन टॉफलर ने एक किताब लिखी थी- पावर शिफ्ट। यह उनकी तीसरी किताब थी और तब तक वह अपनी पहली दो किताबों फ्यूचर शॉक और थर्ड वेव से दुनिया के उन प्रतिष्ठित विचारकों में शुमार हो चुके थे, जो अतीत व वर्तमान के विश्लेषण के साथ-साथ भविष्य का जो खाका खींच रहे थे, वह ज्यादातर लोगों को विश्वसनीय लगने लगा था। इस किताब में टॉफलर हमें बताते हैं कि सत्ता के स्रोत या संसाधन अब पूरी तरह बदल गए हैं या फिर तेजी से बदल रहे हैं। एक दौर था, जब सत्ता बाहुबल से तय होती थी। जिसके पास ज्यादा बाहुबल होता, अंत में वही सत्ता पर काबिज हो जाता। फिर, जब समाज विकसित हुआ, तो सत्ता का स्रोत बाहुबल नहीं, संपत्ति हो गया। बाहुबल अपनी जगह रहा, लेकिन वह दूसरे दर्जे की चीज बन गया। जिसके पास संपत्ति है, वह कहीं भी, कभी भी बाहुबल को खरीद सकता है। इसके बाद हम ऐसे युग में पहुंचने लगे, जहां ज्ञान सत्ता का स्रोत बनने लग गया। अगर आपके पास समुचित और सार्थक ज्ञान है, तो कोई भी आपको संपत्ति हासिल करने से नहीं रोक सकता और फिर बाहुबल तो आप खरीद ही लेंगे। यानी, पिछली सदी के अंतिम दशक में ज्ञान वहां प्रतिष्ठित होता दिख रहा था, जहां संपत्ति और बाहुबल उसके अनुचर बनने को तैयार थे। हालांकि, बाद में कुछ लोग सत्ता के इस स्रोत को सूचनाओं और फिर डाटा तक ले गए, पर फिलहाल हम अपनी बात को टॉफलर तक ही सीमित रख रहे हैं।

वैसे टॉफलर ने कोई नई बात नहीं कही थी। चार सदी पहले तकरीबन यही बात ब्रिटिश दार्शनिक फ्रांसिस बेकन ने भी कही थी। टॉफलर की पावर शिफ्ट की महत्वपूर्ण बात यह थी कि जिस समय यह किताब बाजार में आई, उस समय एक सदी बीत रही थी और दुनिया अगली सदी के लिए पलक पांवड़े बिछा रही थी। यह धारणा लगातार मजबूत हो रही थी कि अगली सदी ज्ञान की सदी होने वाली है। सूचना क्रांति का विस्फोट भी लगभग इसी दौर में हुआ था, और मोबाइल फोन तब तक जिन लोगों की जेब में नहीं पहुंचा था, उनके दिमाग में इसे हासिल करने का सपना घर करने लगा था। इंटरनेट की सेवाएं हर किसी तक पहुंचने के लिए बेताब थीं। यानी, टॉफलर जो कह रहे थे, उस पर यकीन न करने का किसी के पास कोई कारण नहीं था।

अगले कुछ साल में यह हो भी गया। मोबाइल फोन और इंटरनेट अगर हर किसी की जेब में नहीं पहुंचे, तो लगभग हर घर में पहुंच ही गए। लेकिन इसके साथ ही यह दुनिया कहां पहुंच गई?

इसके बाद हम चलते हैं उस अफगानिस्तान में, जहां पिछले दिनों मध्ययुगीन आस्था और बाहुबल को सबसे बड़ी ताकत मानने वाले तालिबान ने उस अमेरिका के ज्ञान गौरव को धूल चटा दी, जिसके मुकुट की शोभा सूचना युग के ज्यादातर बड़े कॉरपोरेट बढ़ाते हैं। बेशक हम यह कह सकते हैं कि तालिबान ने अमेरिका को किसी युद्ध में नहीं हराया, वह तो खुद ही वहां से भाग निकला, क्योंकि उसे एहसास हो गया था कि ताकत के बल पर अफगानिस्तान पर शासन तो किया जा सकता है, लेकिन उसे जीता नहीं जा सकता। यह भी कहा गया कि अमेरिका वहां दो दशक और रह लेता, तब भी अफगानिस्तान के हालात नहीं बदलने वाले थे और उसे तब भी इन्हीं स्थितियों में इस देश को छोड़ना पड़ता। शायद यह सब सच भी है, लेकिन इसका एक अर्थ यह भी है कि सिर्फ ज्ञान, धन और आला दर्जे की फौजी ताकत के बल पर न तो पूरी दुनिया की सत्ता हासिल की जा सकती है, न ही किसी समाज को हमेशा के लिए बदला जा सकता है।

इसी अफगानिस्तान में हम जब आगे बढ़ते हैं, तो हमारी मुलाकात होती है मौलवी नूरुल्लाह मुनीर से, जो फिलहाल तालिबान की तदर्थ सरकार के शिक्षा मंत्री हैं। वह अफगानिस्तान को ही नहीं, पूरी दुनिया को बताते हैं कि इस एमए और पीएचडी में क्या रखा है। तालिबान नेता तो दसवीं पास भी नहीं हैं, लेकिन महान हैं। जिस ताकत ने पूरे दो दशक तक अमेरिका के तमाम आलिम फाजिल को छकाने के बाद उन्हें हार मान लेने को मजबूर कर दिया हो, उसका उच्च शिक्षा के विरुद्ध इस तरह का दंभ कोई हैरत में डालने वाला नहीं है। वैसे मौलवी मुनीर जिस समय यह कह रहे थे, उन्हें खुद भी पता नहीं होगा कि वह इसके साथ फ्रांसिस बेकन व आल्विन टॉफलर की स्थापनाओं को भी श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मुमकिन है कि आज हम अफगानिस्तान में जो बुद्धि-विरोधी रुझान देख रहे हैं, अगले दिनों में कुछ क्रूर उदाहरणों के साथ हमारे सामने आए। लेकिन बुद्धि विरोध का यह रुझान सिर्फ तालिबान की ईजाद नहीं है। इस समय आप दुनिया के किसी भी कोने में चले जाएं, आपको यह रुझान कम या ज्यादा फलता-फूलता दिख जाएगा। थोड़ा ही पीछे जाएं, तो कोविड संक्रमण के शुरुआती दौर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो इलाज बताए, वे इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। बुद्धिजीवियों का मजाक उड़ाने का काम तो वह इसके पहले से ही कर रहे थे। महामारी के दौर में यह रुझान पूरी दुनिया में कई तरह से सतह पर आता दिखा। एक नई चुनौती से निपटने के लिए लोग नए ज्ञान के बजाय सदियों पुराने टोटकों की गोद में जाते दिखे। बुद्धि से विरोध का यह सिलसिला दुनिया के लिए नया नहीं है। अतीत में विभिन्न मौकों पर यह कई जगह दिखा है। जैसे, चीन में साम्यवादी क्रांति के बाद वहां बुद्धिजीवियों को लंबे समय तक जलील किया गया था। ऐसे कई उदाहरण हैं। जिसे हम 'एंटी इंटलैक्चुअलिज्म' कहते हैं, अब वह पहली बार पूरी दुनिया में एक साथ दिख रहा है और कई जगह तो मुख्यधारा बनने को बेताब है। भले ही हर जगह इसमें वह भोंडापन नहीं है, जो फिलहाल अफगानिस्तान में दिख रहा है, पर किसी न किसी मात्रा में यह हर जगह पांव पसार रहा है। और यह सब उस सदी में हो रहा है, जिसे हम ज्ञान की सदी मानकर चल रहे थे।

प्रवीण कुमार सिंह

खुद को कमजोर करती कांग्रेस, राहुल गांधी की राजनीति कांग्रेसी नेताओं को भी नहीं आ रही रास

कांग्रेस का बिखराव इसलिए ठीक नहीं, क्योंकि देश को उसके जैसे राष्ट्रीय दल की जरूरत है, लेकिन इसकी पूर्ति कांग्रेस को निजी कंपनी की तरह चलाने से नहीं हो सकती। दुर्भाग्य से राहुल और प्रियंका यही कर रहे हैं। वे कांग्रेस को ही नहीं, भारतीय लोकतंत्र को भी कमजोर कर रहे हैं। एक अर्से से कांग्रेस की जमीन पर ऐसे क्षेत्रीय दल काबिज होते जा रहे हैं, जिनकी कोई राष्ट्रीय दृष्टि नहीं। अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस छोड़ने का एलान करते हुए अपना नया दल बनाने के संकेत दिए हैं। इसका मतलब है कि पंजाब में भी कांग्रेस कमजोर होगी। यदि ऐसा होता है तो इसके लिए राहुल और प्रियंका के अलावा और कोई जिम्मेदार नहीं होगा।

पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को जिस तरह अपमानित होकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा और इसके चलते उन्होंने पार्टी छोड़ने का एलान कर दिया, वह कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका है। एक ऐसे समय जब देश में कांग्रेस का जनाधार लगातार गिर रहा, तब उसके लिए पंजाब एक अहम राज्य है। अमरिंदर सिंह को अपमानित कर जिस तरह नवजोत सिंह सिद्धू को महत्ता दी गई, उससे कांग्रेस और गांधी परिवार की खोखली सोच ही उजागर होती है। प्रियंका गांधी के कहने पर उन्हें पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन वह इतने से ही संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने अध्यक्ष बनने के बाद अमरिंदर सिंह के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। चूंकि इस अभियान को गांधी परिवार ने अपना समर्थन दिया इसलिए अमरिंदर सिंह को इस्तीफा देना पड़ा। यह बात और रही कि मुख्यमंत्री बनने की लालसा रखने वाले सिद्धू चैन से नहीं बैठे। उनकी यह लालसा बहुत पुरानी है। भाजपा में रहते हुए भी वह अत्यधिक महत्वाकांक्षी थे। वह जब कांग्रेस में आए तो उनकी महत्वाकांक्षा आसमान छूने लगी। अमरिंदर के न चाहते हुए भी उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। इसके बाद वह बेलगाम हो गए।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अमरिंदर सिंह की राहुल-प्रियंका से कभी नहीं बनी। विधानसभा चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव तक उन्होंने अपने हिसाब से राजनीति की। अपने इस्तीफे के बाद उन्होंने यह कहने में संकोच नहीं किया कि राहुल-प्रियंका अनुभवहीन हैं और उनके सलाहकार उन्हें गुमराह करते रहते हैं। अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद दलित सिख चरणजीत सिंह चन्नी मुख्यमंत्री बने। पहले तो सिद्धू ने चन्नी के मुख्यमंत्री बनने का स्वागत किया, लेकिन उन्होंने जैसे ही फैसले लेने शुरू

किए, वह बिदक गए। दरअसल सिद्धू ने यह सोचा था कि वह चन्नी को अपने हिसाब से नियंत्रित करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चन्नी ने उनकी कठपुतली बनने से इन्कार कर दिया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों की अपने हिसाब से नियुक्तियां और मंत्रियों के विभागों का बंटवारा करना शुरू कर दिया। इससे खफा होकर सिद्धू ने इस्तीफा दे दिया। ऐसा करके उन्होंने अपने अस्थिर चरित्र को ही सामने लाने का काम किया। उनके बारे में अमरिंदर सिंह की यह टिप्पणी सही साबित हुई कि वह टीम प्लेयर नहीं हैं और अस्थिर स्वभाव वाले व्यक्ति हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि वह बतौर क्रिकेटर किस तरह इंग्लैंड का दौरा अधूरा छोड़कर चले आए थे। उन्होंने चरणजीत सिंह चन्नी सरकार के खिलाफ बगावत कर न केवल अपनी, बल्कि कांग्रेस नेतृत्व और खासकर गांधी परिवार की भी फजीहत की। यही कारण रहा कि उन्हें समझाने-बुझाने की कोशिश नहीं की गई। हालात को भांपते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री चन्नी से मुलाकात की, लेकिन लगता नहीं कि वह उनकी सारी बातें मानने के लिए राजी हुए हैं। निस्संदेह सिद्धू का अपना एक खेमा है, लेकिन पंजाब में उनके विरोधी भी हैं।

पंजाब कांग्रेस में उठापटक के बीच जिस तरह जी-23 समूह के नेता सक्रिय हुए, उससे यही पता चलता है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं। जहां इस समूह के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने यह सवाल पूछा कि जब कोई अध्यक्ष नहीं तो फैसले कौन ले रहा है, वहीं गुलाम नबी आजाद ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बुलाने की मांग की। इसके बाद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का एक समूह सिब्बल के घर जा धमका। हालांकि इस घटना की कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने आलोचना की, लेकिन लगता नहीं कि इससे गांधी परिवार अपनी रीति-नीति बदलेगा। यह साफ है कि राहुल गांधी परोक्ष रूप से कांग्रेस को चला रहे हैं और सोनिया गांधी उनका हर तरह से साथ दे रही हैं। राहुल गांधी की राजनीति को समझना कठिन है। वह भाजपा से लड़ने की बातें तो खूब करते हैं, लेकिन अपना घर नहीं संभाल पा रहे हैं। वह मोदी सरकार पर नित नया आरोप मढ़ते हैं, लेकिन किसी समस्या का समाधान नहीं बताते। समाजवादी सोच से ग्रस्त राहुल अब तो साम्यवादी सोच से भी जकड़ते जा रहे हैं। इसका ताजा प्रमाण कन्हैया कुमार का कांग्रेस में शामिल होना है। उनकी एक मात्र विशेषता मोदी को गाली देना और उद्योग-व्यापार जगत के लोगों पर निशाना साधना है। यही काम एक अर्से से राहुल भी कर रहे हैं। कन्हैया कुमार वाली मानसिकता से जिग्नेश मेवाणी भी लैस हैं। इन दोनों नेताओं की तरह राहुल को भी यह लगता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने से उन्हें राजनीतिक लाभ होगा। वह यह समझने को तैयार नहीं कि इससे न तो उन्हें कोई लाभ हो रहा है और न ही प्रधानमंत्री की छवि प्रभावित हो रही है।

अब यह और साफ है कि राहुल गांधी की राजनीति खुद कांग्रेसी नेताओं को भी रास नहीं आ रही है। इसका प्रमाण केवल पंजाब की उठापटक ही नहीं, बल्कि जी-23 गुट के नेताओं की ओर से उन पर निशाना साधना है। राहुल की मनमानी और चाटुकारों को तरजीह देने वाली राजनीति के कारण ही कांग्रेस के एक बाद एक नेता बाहर जा रहे हैं। पिछले दिनों केरल और गोवा के कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी छोड़ दी। इसके पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया और जितिन प्रसाद कांग्रेस छोड़ चुके हैं। सचिन पायलट भी नाराज हैं। अभी पंजाब का झगड़ा सुलझा नहीं हैं और उधर छत्तीसगढ़ में कांग्रेसी विधायकों का मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है।

यह और कुछ नहीं कांग्रेस में बिखराव का संकेत है। इसके लिए राहुल और प्रियंका गांधी ही जिम्मेदार हैं, जो पार्टी को निजी जागीर की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। दोनों ही राजनीति के प्रति गंभीर नहीं, इसका प्रमाण बिना पार्टी की सहमति के बड़े फैसले लेना है। कांग्रेस का बिखराव इसलिए ठीक नहीं, क्योंकि देश को उसके जैसे राष्ट्रीय दल की जरूरत है, लेकिन इसकी पूर्ति कांग्रेस को निजी कंपनी की तरह चलाने से नहीं हो सकती। दुर्भाग्य से राहुल और प्रियंका यही कर रहे हैं। वे कांग्रेस को ही नहीं, भारतीय लोकतंत्र को भी कमजोर कर रहे हैं। एक अर्से से कांग्रेस की जमीन पर ऐसे क्षेत्रीय दल काबिज होते जा रहे हैं, जिनकी कोई राष्ट्रीय दृष्टि नहीं। अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस छोड़ने का एलान करते हुए अपना नया दल बनाने के संकेत दिए हैं। इसका मतलब है कि पंजाब में भी कांग्रेस कमजोर होगी। यदि ऐसा होता है तो इसके लिए राहुल और प्रियंका के अलावा और कोई जिम्मेदार नहीं होगा।

चीन की दबंगई रोकने के लिए क्वाड के साथ आकस भी आवश्यक, भारत को नहीं होनी चाहिए असहजता

पिछले कुछ दिन हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर खासे हलचल भरे बीते हैं। क्वाड और आकस जैसे संगठन इस हलचल के केंद्र में रहे। चूंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र समान विचार वाले लोकतांत्रिक देशों की सहभागिता और सक्रियता वाला ऐसा क्षेत्र है, जिनका उद्देश्य निरंतर निरंकुश होते चीन पर कुछ अंकुश लगाना है तो ऐसे देशों के इन दोनों संगठनों से यही अपेक्षाएं भी लगी हुई हैं। इस बीच अचानक से अस्तित्व में आए आकस ने अवश्य कुछ चौंकाने का काम किया है। आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका के इस नए संगठन को लेकर आलोचना की जा रही है कि जब अमेरिका और आस्ट्रेलिया जैसे देश पहले से ही क्वाड के सदस्य हैं, तो फिर इस नए संगठन की क्या आवश्यकता थी? यदि ब्रिटेन को ही साथ लाना था तो क्वाड का विस्तार किया जा सकता था। जो लोग इन बिंदुओं पर आकस की आलोचना और इससे क्वाड के राह भटकने की बात कर रहे हैं वे सही नहीं हैं।

सबसे पहली बात तो यही कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दबंगई और उसकी काट के लिए जारी अमेरिकी प्रयासों के बीच इतनी गुंजाइश अवश्य है कि उसमें एक से अधिक संगठन सक्रिय रह सकें। ऐसे में आकस और क्वाड के समांतर रूप से संचालन में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। हमें इन संगठनों की मूल प्रकृति को समझना होगा। जहां क्वाड एक व्यापक विस्तार और साझेदारी वाला संगठन है, वहीं आकस विशुद्ध रूप से सामरिक साझेदारी का मंच। जिन्हें लगता है कि अमेरिका ने बहुत जल्दबाजी में आकस के गठन की दिशा में कदम बढ़ाए, उन्हें अमेरिकी तत्परता की वजह भी समझनी चाहिए। दरअसल, अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी के बाद अमेरिका के बारे में यही धारणा बनती दिख रही थी कि वह अपने अन्य साझेदारों को भी अधर में छोड़ सकता है। ऐसे में इस धारणा को तोड़ने और अपने साथियों में भरोसा जगाने के लिए ही अमेरिका ने आकस की संकल्पना को जल्दी से साकार किया। इसीलिए परमाणु शक्तिसंपन्न राष्ट्र न होने बावजूद आस्ट्रेलिया को अमेरिका से परमाणु पनडुब्बियां मिलने जा रही हैं। इसके लिए अमेरिका ने फ्रांस जैसे पुराने साथी के कुपित होने की परवाह भी नहीं की। दरअसल कोरोना काल से ही आस्ट्रेलिया की चीन से अदावत चल रही है। इस स्थिति में उसे अमेरिका से किसी ठोस समर्थन की आवश्यकता थी। अमेरिका ने भी उसे निराश न कर यही संदेश दिया है कि वह अपने साथियों को मझधार में नहीं छोड़ेगा। वहीं आस्ट्रेलिया ने चीन को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वह भले ही कई मामलों में उस पर निर्भर है, लेकिन उसकी आक्रामकता को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। आस्ट्रेलिया ने इसमें कोई मध्यमार्गी विकल्प न चुनकर एक स्पष्ट रुख अख्तियार किया है। उधर ब्रेक्जिट के बाद से ब्रिटेन भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नए सिरे से सक्रियता बढ़ाने की तैयारी में था।

वैसे भी ये तीनों देश पुराने सहयोगी और साझेदार हैं। ऐसे में आकस पुराने और स्वाभाविक साथियों की सहभागिता का एक नया मंच ही है। किसी भी क्रिया की प्रतिक्रिया निश्चित होती है। आकस के मामले में भी यही हुआ। इस साझेदारी और आस्ट्रेलिया के साथ रक्षा करार से बाहर होने पर फ्रांस ने बहुत तल्ख तेवर दिखाए। केवल फ्रांस ही नहीं, बल्कि यूरोपीय संघ को भी यह नागवार गुजरा। भारत में भी एक तबके ने सवाल उठाए कि अमेरिका जो तकनीक भारत को देने के लिए तैयार नहीं, वह आस्ट्रेलिया को देने जा रहा है। यहां तक बातें हुईं कि आकस के अस्तित्व से क्वाड हाशिये पर चला जाएगा। ऐसी आपत्तियां वास्तव में अनुचित हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आस्ट्रेलिया और जापान जैसे देशों के साथ अमेरिका का पहले से ही सुरक्षा को लेकर समझौता है। इससे अमेरिका द्वारा आस्ट्रेलिया को उपरोक्त तकनीक हस्तांतरण में कोई बाधा नहीं। जबकि भारत का अमेरिका से ऐसा कोई करार नहीं है। वस्तुतः आकस पर आपत्ति जताने के बजाय उसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

यह देखना चाहिए कि उसके गठन से चीन कैसे तिलमिलाया है? बीजिंग को अहसास हुआ है कि आस्ट्रेलिया जैसी क्षेत्रीय शक्ति भी उसके खिलाफ निर्णायक फैसला कर बिगुल बजाने की क्षमता रखती है। भारत के नजरिये से देखें तो चीन पर दबाव बनाने वाली ऐसी कोई भी पहल उसके लिए उपयोगी ही कही जाएगी। जिन लोगों को यह चिंता सता रही है कि आकस के कारण क्वाड किनारे लगा दिया जाएगा उन्हें यह समझना चाहिए कि आकस जैसी सामरिक साझेदारी के उलट क्वाड व्यापक सहयोग वाली विस्तारित अवधारणा है। बीते दिनों क्वाड राष्ट्रप्रमुखों की बैठक में बनी सहमति के बिंदुओं से भी यह स्पष्ट दिखता है। उसमें अवसंरचना विकास, जलवायु परिवर्तन से लेकर निवेश जैसे बिंदुओं पर चर्चा की गई। क्वाड वैश्विक महत्व के अहम बिंदुओं पर समग्रता में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध दिखता है। जैसे यूरोपीय संघ के साथ वह कनेक्टिविटी के मसले पर सहयोग बढ़ाना चाहता है। दक्षिण कोरिया जैसे देश के साथ सेमीकंडक्टर उत्पादन में आगे बढ़ने की संभावनाएं तलाश रहा है तो आसियान देशों को साथ लाकर व्यापारिक मोर्चे को मजबूत बनाना चाहता है। ऐसे में यदि क्वाड में सामरिक साझेदारी का तत्व जोड़ेंगे तो तमाम संभावित साझेदार देशों के लिए इस संगठन के साथ औपचारिक रूप से जुड़ना कुछ असहज हो जाएगा। यही कारण है कि क्वाड चीन की अपनी तरह से घेराबंदी कर रहा है तो आकस उस पर अपने हिसाब से शिकंजा कसेगा।

तय समय में हो जांच

इंटरनैशनल कन्सॉर्शियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) द्वारा सामने लाए गए एक करोड़ बीस लाख दस्तावेज का नया सेट जिसे पैंडोरा पेपर्स का नाम दिया गया है, बताता है कि कैसे दुनिया भर के अमीर और प्रभावशाली लोग अपनी संपत्ति छुपाने और बढ़ाने के लिए टैक्स हेवंस में ऑफशोर कंपनियों और ट्रस्टों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि इस तरह के उपाय अपनाने वाले सभी लोग अनिवार्य तौर पर दुर्भावना या टैक्स चोरी की नीयत से प्रेरित नहीं कहे जा सकते, लेकिन कुछ लोग निश्चित रूप से इस श्रेणी में आते हैं। चूंकि पैंडोरा पेपर्स में जिन लोगों के नाम आए हैं, उनमें भारत के भी कई जाने माने लोग हैं इसलिए इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। अच्छी बात है कि सरकार ने देर किए बगैर इनकी कई एजेंसियों से जांच के आदेश दे दिए हैं।

मगर इस मामले में व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बगैर ठोस कुछ हासिल नहीं हो पाएगा। किसी कंपनी या ट्रस्ट के वास्तविक स्वामित्व की पहचान सुनिश्चित करने के लिए भी विभिन्न देशों की सरकारों के बीच सहयोग और तालमेल जरूरी है। और, कहने की जरूरत नहीं कि इस दिशा में पहला कदम यही हो सकता है कि कंपनी या ट्रस्ट के वास्तविक मालिक की पहचान सुनिश्चित करने का आसान तरीका निकाला जाए।

हर फाइनैंशल सिक्यॉरिटी होल्डर (चाहे वह कोई व्यक्ति हो या कोई अन्य लीगल एंटिटी) का अपना एक खास आइडेंटिफायर होना चाहिए ताकि कंपनियों और ट्रस्टों के जाल के पीछे होने पर भी उस अल्टिमेट बेनिफिशरी तक पहुंचा जा सके। भारत में कॉमन डायरेक्टर आइडेंटिफिकेशन नंबर देने की व्यवस्था को इस लिहाज से सही दिशा में उठाया गया कदम माना जा सकता है। आरबीआई लीगल एंटिटी आइडेंटिफायर भी ऐसा ही कदम है।

लेकिन ये कदम तब नाकाफी साबित होते हैं जब उपलब्ध साक्ष्य किसी टैक्स हेवन की किसी अस्पष्ट सी पहचान की ओर इशारा करते हैं। इसलिए वक्त आ गया है जब जी-20 को तमाम टैक्स हेवंस के लिए कोई समय सीमा तय कर देनी चाहिए। उन्हें लीगल ओनर्स से जुड़ी सभी सूचनाएं इसलिए भी मुहैया करानी हैं ताकि 15 फीसदी ग्लोबल मिनिमम टैक्स से जुड़े समझौते पर अमल हो सके। इस समझौते का भी मकसद टैक्स हेवंस खत्म करना ही है। बहरहाल, मौजूदा मामले का जहां तक सवाल है तो यह याद रखने की बात है कि कई कंपनियां सर्वथा वैध मकसद से ऑफशोर एंटिटी बनाती और संचालित करती हैं।

इसलिए यह धारणा बना लेना उचित नहीं होगा कि ऑफशोर रजिस्टर्ड ट्रस्ट से जुड़े सारे लोग गलत ही हैं। दूसरी बात यह कि जांच शुरू कर देने के बाद उसे अनंत काल तक जारी रखना भी ठीक नहीं। यह अपने आप में एक यातना हो जाती है। एक उपयुक्त समय के अंदर जांच पूरी करके या तो प्रॉसिक्यूशन शुरू कर देना चाहिए या फिर साक्ष्य न मिलने की स्थिति में फाइल क्लोज हो जाना चाहिए।

दूर हों सिविल सेवा परीक्षा की खामियां, सक्षम नौकरशाही ही कर सकती है देश का कल्याण

सरकार को निजी क्षेत्र की तरह सक्षम बनाना है तो सिविल सेवाओं में भर्ती की उम्र अधिकतम 37 साल के बजाय 28 वर्ष रखी जाए। प्रारंभिक परीक्षा की भी समीक्षा कर उसे तर्कसंगत बनाया जाए, जिससे देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा इन सेवाओं में चुनी जा सकें। एक लोकतांत्रिक सरकार में जाति-धर्म के किसी भी अंश से मुक्त होने की जरूरत है। समाज में जाति है तो सरकार में भी होगी, ऐसे कुतर्कों से देश डूब जाएगा। जाति को देश से भी खत्म करने की जरूरत है, न कि उसे बार-बार गिनने की। जैसा कि एक वर्ग बार-बार मांग कर रहा है। देश के हित में कुछ निर्णय राजनीतिक दांव-पेच और वोट बैंक से ज्यादा जरूरी होते हैं। सिविल सेवाओं की परीक्षा और लाटरी को एक तराजू में नहीं रखा जा सकता। एक सक्षम नौकरशाही ही देश का कल्याण कर सकती है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने भारत की सर्वोच्च प्रशासनिक से[illegible] के लिए आयोजित परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। यूपीएससी की तारीफ की जानी चाहिए कि हजार बाधाओं के बीच आजादी से अब तक इसकी समय पालन जैसी क्षमता पर कोई प्रश्न नहीं लगा। विशेषकर तब जब हर राज्य के प्रांतीय आयोग दो-चार साल से पहले अपनी राज्य स्तर की परीक्षाओं को पूरा कर नहीं कर पाते और भ्रष्टाचार, परीक्षा रद करने की बातें आए दिन सुनने को मिलती हैं। वर्ष 2020 के लिए घोषित 836 पदों के लिए 761 उम्मीदवार सफल घोषित किए हैं।

तीन चरणों में संपन्न होने वाली परीक्षा के प्रारंभिक चरण में लगभग पांच लाख उम्मीदवार बैठे थे, जिनमें से 10,554 मुख्य परीक्षा देने के योग्य पाए गए। साक्षात्कार के लिए 2,053 उम्मीदवार बुलाए गए थे। इस बार के परिणामों की कुछ बातें ध्यान खींचती हैं। जैसे पहले 25 टापर्स में 12 महिलाएं हैं और कुल मिलाकर 35 प्रतिशत से ज्यादा महिला उम्मीदवार सफल हुई हैं। तालिबान द्वारा महिलाओं को सताए जाने और क्रूरता के बीच भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं का झंडा बुलंद हो रहा है। इस बार दस प्रतिशत उम्मीदवार कमजोर आर्थिक आधार पर भी चुने गए हैं।

पिछले दस वर्षों की तरह इस बार भी 70 प्रतिशत से अधिक इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वालों का बोलबाला रहा है। चिंता की बात यह है कि इनमें से अधिकांश ने मुख्य परीक्षा में एंथ्रोपोलाजी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र और

भूगोल जैसे वैकल्पिक विषय लेकर यह परीक्षा पास की है। इसे देखते हुए कहा जा रहा है कि वैकल्पिक विषय पूरी तरह से समाप्त कर दिए जाने चाहिए। इसकी जगह कानून तथा लोक प्रशासन जैसे विषयों को सामान्य ज्ञान के प्रश्नपत्र में शामिल करके अनिवार्य बना दिया जाए। वर्ष 2000 में वाईके अलघ समिति ने भी इन विषयों की सिफारिश की थी। इससे वैकल्पिक विषय के स्तर पर होने वाली असमानता भी समाप्त हो जाएगी।

मुख्य परीक्षा में कुछ वैकल्पिक विषय लेने वालों की संख्या दस से ज्यादा नहीं होती तो कुछ की संख्या कई हजार से भी ज्यादा पहुंच जाती है। इससे भोजपुरी और मगही जैसी भाषाओं को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी स्वतः समाप्त हो जाएगी।

आयोग के समक्ष पिछले दस वर्षों से प्रारंभिक परीक्षा को लेकर भी बार-बार शंकाएं उभर रही हैं। ऐसे हजारों उम्मीदवार हैं, जो लगातार प्रारंभिक परीक्षा में फेल होते रहे और फिर टापर बन गए। ऐसे उम्मीदवारों की भी कमी नहीं, जो पहले प्रयास में ही अच्छी रैंक ले आए। सच्ची प्रतिभा रातों-रात इतनी ऊंची-नीची नहीं होती। जरूर यूपीएससी की परीक्षा प्रणाली में कोई दोष है, जिसे और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्ष 1979 में कोठारी समिति ने सभी प्रशासनिक सेवाओं के लिए एक ही परीक्षा की सिफारिश की थी। इससे पहले 30 वर्षों तक ऐसी अनियमितताएं कभी सामने नहीं आईं। गड़बड़ शुरू हुई 2011 से, जब प्रारंभिक परीक्षा का माडल सीसैट बनाया गया। हिंदी समेत भारतीय भाषाओं के उम्मीदवार भी 2010 तक लगभग 15 प्रतिशत तक सफल होते रहे।

भारतीय भाषाओं पर भी गाज 2011 में गिरी, जब अंग्रेजी प्रारंभिक परीक्षा में ही अनिवार्य कर दी गई। मोदी सरकार ने 2014 में उसे बदल तो दिया, लेकिन उसके बाद से भारतीय भाषाओं को उबरने का मौका आज तक नहीं मिला। सिविल सेवा परीक्षा में अंग्रेजी के दबदबे ने सारी भारतीय भाषाओं को बर्बादी की तरफ मोड़ दिया है।

आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष भारतीय भाषाओं में सफल उम्मीदवारों की संख्या तीन प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। यानी 97 प्रतिशत अंग्रेजी माध्यम वाले। यह आजाद देश है या अंग्रेजों का गुलाम? भारतीय भाषाओं की पक्षधर सरकार को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। आत्मनिर्भर देश का नारा आत्मनिर्भर भाषाओं से ही संभव है। पिछली सदी के नौवें दशक में प्रशासनिक सेवाओं में रिक्तियों की संख्या सात सौ के करीब होती थी, जबकि आबादी कम थी। इस बीच बढ़ती जनसंख्या को संभालने के लिए सरकारी कार्यकलाप भी बढ़े हैं।

माना कि यह निजीकरण का दौर है, लेकिन इतने विशाल देश को संभालने के लिए सरदार पटेल ने जिस 'स्टील फ्रेम' की वकालत की थी, उसे इतना कमजोर तो न किया जाए कि भविष्य में देश के प्रशासनिक तंत्र को संभालने के लिए मुश्किलें पैदा हों।

भारतीय रेल इस विशाल देश की जीवन रेखा कहीं जाती है। पिछले दो वर्षों से सरकार ने इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा और सिविल सेवा परीक्षा के जरिये रेलवे में प्रतिवर्ष होने वाली लगभग 250 अफसरों की भर्ती बंद कर दी है। ऐसा ही डाक सेवा के साथ हुआ है। कई और विभागों में भर्ती शून्य की तरफ बढ़ रही है। क्या केंद्रीय सेवाएं सरकार के लिए इतनी गैर जरूरी हो चुकी हैं? यदि सरकारी ढांचे में कुछ कमी है, उसमें जंग लगी है तो उसे तुरंत सुधारने की जरूरत है।

सरकार को निजी क्षेत्र की तरह सक्षम बनाना है तो सिविल सेवाओं में भर्ती की उम्र अधिकतम 37 साल के बजाय 28 वर्ष रखी जाए। प्रारंभिक परीक्षा की भी समीक्षा कर उसे तर्कसंगत बनाया जाए, जिससे देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा इन सेवाओं में चुनी जा सकें। एक लोकतांत्रिक सरकार में जाति-धर्म के किसी भी अंश से मुक्त होने की जरूरत है। समाज में जाति है तो सरकार में भी होगी, ऐसे कुतर्कों से देश डूब जाएगा। जाति को देश से भी खत्म करने की जरूरत है, न कि उसे बार-बार गिनने की। जैसा कि एक वर्ग बार-बार मांग कर रहा है। देश के हित में कुछ निर्णय राजनीतिक दांव-पेच और वोट बैंक से ज्यादा जरूरी होते हैं। सिविल सेवाओं की परीक्षा और लाटरी को एक तराजू में नहीं रखा ज

संक्षिप्त खबर

पश्चिम चंपारण में मां के लिए दवा खरीदने जा रहे किशोर की बाइक दुर्घटना में मौत, दोस्त की हालत गंभीर

पश्चिम चंपारण । मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कठैया में सड़क हादसे में एक किशोर की मौत शनिवार की सुबह में हो गई, जबकि जबकि इस दुर्घटना में एक अन्य किशोर गंभर रूप में घायल है। मृत किशोर की पहचान नरकटियाबनकट निवासी श्याम सुंदर (17) के रूप में हुई है। जबकि किशोर झुन्ना कुमार का उपचार गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। बताया जाता है कि सुबह दोनों बाइक से दवा खरीदने जा रहा थे। तभी बेतिया-अरेराज मुख्यमार्ग पर सामने से तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि पीछे बैठा किशोर झुन्ना कुमार गंभीर रूप में घायल हो गया। पिकअप चालक पिकअप लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर मुफस्सिल थाने की पुलिस पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। थानाध्यक्ष उग्रनाथ झा ने बताया कि मृत युवक नरकटिया बनकट निवासी श्याम सुंदर के शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया गया है। जबकि घायल झुन्ना कुमार का इलाज बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। पिकअप और उसके चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों का कहना है कि श्याम सुंदर अपनी मां के लिए दवा खरीदने बेतिया जा रहा था। इसी बीच कठैया के समीप बेतिया की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही एक पिकअप ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। इसमें श्याम सुंदर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसका दोस्त झुन्ना कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।

भतीजे व गर्भवती बहू की चाचा ने बेरहमी से कर दी हत्या, दरभंगा से तीन दिन पहले ही आए थे वैशाली

पटेढ़ी बेलसर (वैशाली) । वैशाली जिले के पटेढ़ी बेलसर ओपी अंतर्गत जारंग रामपुर गांव में शनिवार की सुबह भूमि विवाद में पति-पत्नी की धारदार हथियार से नृशंस हत्या कर दी गई। पति शशिकांत विश्वकर्मा की उम्र करीब 40 वर्ष और पत्नी संगीता की उम्र करीब 35 वर्ष थी। हत्या का आरोप मृत के सगे चाचा हरिनारायण ठाकुर पर लगा है। दंपति की हत्या की सूचना पर गांव में सनसनी फैल गई। लोगों की काफी भीड़ जुट गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस के अलावा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार जारंग गांव निवासी शशि कांत ठाकुर एवं उनके पट्टीदार हरिनारायण ठाकुर के बीच जारंग चौक स्थित एक बीघा में बने मार्केट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। शनिवार सुबह फिर विवाद शुरू हो गया। कुछ देर बाद ही यह विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। देखते ही देखते दोनों ओर से एक दूसरे पर लाठी डंडे एवं धारदार हथियार चलने लगे। इसी दौरान चाचा हरिनारायण ठाकुर ने अपने भतीजे शशिकांत ठाकुर एवं उसकी पत्नी को धारदार हथियार से वार कर लहूलुहान कर दिया। मौके पर ही उन दोनों की मौत हो गयी। इस नृशंस घटना के बाद चारों ओर खून पसरा था। घटना में हरिनारायण भी जख्मी हो गया। ग्रामीणों ने उसे इलाज के लिए हाजीपुर भेज दिया।

पिटाई से आरोपित चाचा की हालत भी गंभीर- ग्रामीणों ने बताता कि तीन दिन पहले ही शशि दरभंगा से सपरिवार घर आया था। दरभंगा में ही रहकर बढ़ई का काम करता था। नवरात्र में वह दुर्गापाठ करता था। उसके तीन साल एवं दो साल का दो बेटा भी है। पड़ोसियों ने बताया कि मृतका संगीता देवी चार माह की गर्भवती भी थी। 15 वर्षो से उनलोगों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। घटना के पीछे मृतक की दादी दया देवी का जमीन लिखना बताया गया है। अपने तीन पुत्रों हरिनारायण ठाकुर, लालबाबू ठाकुर और लखन ठाकुर में से केवल लखन ठाकुर एवं हरिनारायण ठाकुर के नाम जमीन लिख दिया था। शशि के पिता लालबाबू ठाकुर को जमीन नहीं दी थी। इसी को लेकर हमेशा विवाद हो रहा था। इधर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल पर पहुंचे एसडीपीओ सदर राघव दयाल ने बताया कि यह जमीन विवाद को लेकर हत्या का मामला है। लोगों ने बताया है कि हरिनारायण ठाकुर ने उक्त दोनों की हत्या कर दी है।

बिहार में उपचुनाव की दोनों सीटों पर सामने आए 23 धुरंधर, केवल दो महिलाएं आजमा रहीं भाग्य

पटना । बिहार विधानसभा की दो सीटों पर 30 अक्टूबर को होने वाले उप चुनाव के लिए शुक्रवार को नामांकन का दौर थम गया। अंतिम दिन तक कुल 23 अभ्यर्थियों ने पर्चा भरा है। दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान सीट पर 11 और मुंगेर जिले के तारापुर सीट से 12 धुरंधर मैदान में कूदे हैं। दोनों सीटों पर अब 11 अक्टूबर तक पर्चों की जांच होगी। वहीं, नाम वापसी की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर है। मतगणना दो नवंबर को होगी।

दोनों सीट पर एक-एक महिला- रोचक तथ्य यह है कि कुशेश्वरस्थान और तारापुर यानी दोनों सीटों पर महज एक-एक महिला अभ्यर्थी ने पर्चा भरा है। टिकट बंटावारे में आधी आबादी का संतुलन का ख्याल लोकजन शक्ति पार्टी (रामविलास) को छोड़कर किसी भी पार्टी ने नहीं रखा।

कुशेश्वरस्थान सीट के प्रत्याशी-जदयू से अमन भूषण हजारी, राजद से गणेश भारती, कांग्रेस से अतिरेक कुमार, समता पार्टी से सच्चिदानंद पासवान, लोकजन शक्ति पार्टी (रामविलास) से अंजू देवी के अलावा छह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में योगी चौपाल, मुकेश चौपाल, विजय कुमार राम, राजा राम पासवान, राम बहादुर आजाद और जीवट कुमार हजारी ने कुशेश्वरस्थान सीट पर नामांकन किया है।

तारापुर सीट के प्रत्याशी- जदयू से राजीव कुमार सिंह, राजद से अरुण कुमार साह, कांग्रेस से राजेश कुमार मिश्र, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी से उपेंद्र सहनी, दि प्लूरल्स पार्टी से वशिष्ठ नारायण, लोकजन शक्ति पार्टी (रामविलास) से कुमार चंदन और बिहार जस्टिस पार्टी से मो. जसीम के अलावा पांच निर्दलीय ने नामांकन किया है। इसमें अंशु कुमारी, शिव गांधी, संजय कुमार, दीपक कुमार और धर्मेन्द्र कुमार ने पर्चा भरा है।

कहां कितने मतदाता- कुशेश्वरस्थान विधानसभा क्षेत्र में दो लाख 57 हजार 153 मतदाता हैं जबकि तारापुर विधानसभा क्षेत्र में तीन लाख 27 हजार 242 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुशेश्वरस्थान विधानसभा क्षेत्र में 264 बूथ हैं, जबकि तारापुर विधानसभा क्षेत्र में 338 बूथ स्थापित किए गए हैं। 12 सौ मतदाताओं पर एक बूथ बनाया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों से कहा है कि वह महिला बूथों पर महिला पोलिंग एजेंट की तैनाती करें। चुनाव प्रचार के लिए इनडोर सभा करने के लिए सिर्फ 200 लोगों या क्षमता के 30 फीसद सीट में जो कम होगा उतनी संख्या में लोग शामिल होंगे। आउटडोर स्टेडियम में कुल क्षमता का 50 फीसद या स्टार कैंपेनर के रहने पर एक हजार लोग ही सभा में शामिल हो सकेंगे। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल प्रत्याशियों के प्रचार के लिए अधिकतम 20 स्टार प्रचारक और मान्यता प्राप्त राज्यस्तरीय राजनीतिक दल 10 स्टार प्रचारक की लगा कर सकते हैं। डोर-टू-डोर कैंपेन में सिर्फ पांच लोग ही शामिल हो सकते हैं। मतदान कराने वाले सभी मतदान ज़र्मियों का डबल डोज टीकाकरण अनिवार्य होगा। चुनाव प्रचार में कोविड गाइडलाइन का पालन अनिवार्य किया गया है।

पूर्वी सिंहभूम के सीडब्ल्यूसी की पूर्व चेयरपर्सन पुष्पा तिर्की 115 दिन जेल से बाहर निकलीं

जमशेदपुर । झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के सीडब्ल्यूसी की पूर्व चेयरपर्सन पुष्पा रानी तिर्की करीब 115 दिन बाद घाघीडीह सेंट्रल जेल से शनिवार को रिहा कर दी गई। चार अक्टूबर को झारखंड उच्च न्यायालय के जस्टिस आर मुखोपाध्याय की अदालत से जमानत मिल थी। वह विगत 15 जून से जेल में बंद थी। जमशेदपुर न्यायालय में जमानत आदेश पहुचने के बाद जमानत बंध पत्र शुक्रवार को भरा गया था। इसके बाद आज उसकी रिहाई हो गई। ये जानकारी पुष्पा तिर्की के अधिवक्ता बिमल कुमार पांडेय ने दी। जमशेदपुर के टेल्को स्थित मदर टेरेसा वेलफेयर ट्रस्ट के संचालक हरपाल सिंह थापर, सीडब्ल्यूसी की चेयरपर्सन पुष्पा रानी तिर्की, वार्डन गीता सिंह समेत अन्य के खिलाफ ट्रस्ट की दो नाबालिग की शिकायत पर उत्पीड़न और पोक्सो एक्ट के तहत टेल्को थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। संचालक हरपाल सिंह, पुष्पा तिर्की, आदित्य सिंह और एक अन्य को जमशेदपुर पुलिस ने मध्यप्रदेश के सिंगरौली में छापेमारी कर 14 जून को गिरफ्तार किया था।

अखिलेश यादव 12 से निकालेंगे सपा विजय यात्रा, बोले- कांग्रेस को लड़ाई में दिखाना बीजेपी की रणनीति

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर अपनी पार्टी की तैयारी को हर स्तर पर परख रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 12 अकटूबर से समाजवादी पार्टी की विजय रथ यात्रा पर निकलने की तैयारी में लगे अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी कार्यालय में जाकर विजय रथ का परीक्षण भी किया।

लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में विजय रथ का अवलोकन करने के बाद अखिलेश यादव ने मीडिया को भी संबोधित किया। इस दौरान उनका उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला जारी रहा। लखीमपुर खीरी में उपद्रव तथा हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मौत पर उन्होंने कहा कि लखीमपुर की घटना का वीडियो जिसने भी देखा उसने घटना की निंदा की है। उत्तर प्रदेश में तो यह संविधान कुचलने वाली सरकार है। वहां पर तो सबने सब कुछ देखा फिर भी दोषी अभी तक नहीं पकड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी के साथ ही बहराइच के दौरे में मैं तो जिन भी परिवार से मिला सबने एक ही स्वर में कहा कि हमारी मांग है कि सभी दोषी को सजा मिले। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में तो जंगल राज है। यहां पर अधिकांश जगह पर कानून को भी जीप के टायर के नीचे कुचला जा रहा है। इस सरकार के रहते यहां पर अमन-चैन कायम नही रह सकता है। प्रदेश में चारों तरफ अराजकता का माहौल है। व्यापारी, महिला, बेटियां तथा किसान जरा भी सुरक्षित नहीं हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की रणनीति है कि वह विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस को लड़ाई में दिखाएं। चुनाव से पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा की सक्रियता बढने् पर उन्होंने कहा कि हमारा किसी से कोई कंपटीशन नहीं है। प्रदेश में होने वाली हर घटनाओं में समाजवादी लोग मदद कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि लखीमपुर खीरी में जीप के पहिए के नीचे कानून को रौंदा गया है।

किसानों की हत्या की गई है। इसके बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे। उन्हें समन नहीं गुलदस्ता भेंट किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी घटना होते ही मौके पर पहुंच गए थे और राहत देने का कार्य किया। अखिलेश ने कहा कि वह खुद पीड़ितों के लगातार संपर्क में थे। सुबह लखीमपुर जाने की तैयारी थी लेकिन भाजपा सरकार ने मेरे घर के आगे पुलिस लगाकर रोक लिया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि 12 अक्टूबर से विजय यात्रा शुरू हो रही है। जब भी समाजवादी रथ निकला है पार्टी को सत्ता मिली है। इस बार पीड़ित जनता समाजवादी पार्टी के साथ है। बिजली समस्या पर उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक भी पावर प्लांट नहीं लगाया है बल्कि समाजवादी सरकार द्वारा लगाए गए प्लांट को बंद करने का काम किया है। खुद की विदेश यात्रा के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम जब भी विदेश गए हैं यूपी के लिए कुछ न कुछ सीख कर आए हैं। उत्तर प्रदेश में बनाया गया रिवर फ्रंट, लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे सहित अन्य बड़े कार्य वहां की स्थिति देखने के बाद ही बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कई बार विदेश जा चुके हैं लेकिन लौटने के बाद उत्तर प्रदेश के लिए कुछ नहीं किया है। लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय में सपा की विजय यात्रा बस लाई गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 अक्टूबर को इसी बस से प्रदेश के सघन दौरे पर निकलेंगे। इस बस पर समाजवादी पार्टी के नए स्लोगन का जिक्र है। %नई सपा है नई हवा है% स्लोगन बस पर लिखा गया है। बस पर गरीब, किसान, महिला, युवा, कारोबारी सब की एक आवाज हैं हम समाजवादी का जिक्र। बस पर समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव, आजम खां, प्रोफेसर रामगोपाल यादव तथा नरेश उत्तम पटेल के साथ पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर लगी है।

बेटे से पुलिस लाइंस में पूछताछ के दौरान सौ मीटर की दूरी पर कार्यालय में बैठकर जानकारी लेने को आतुर रहे मंत्री टेनी

लखनऊ । लखीमपुर खीरी में बीते रविवार को चार किसानों को थार जीप से रौंदने के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा मोनू को छह दिन बाद लखीमपुर खीरी पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने पूछताछ के लिए तलब किया। इसी दौरान आशीष मिश्रा के पिता केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी पुलिस लाइंस से करीब सौ मीटर की दूरी पर अपने कार्यालय में सैकड़ों समर्थकों की भीड़ में घिरकर पूछताछ की जानकारी लेने पाने को बेचैन से दिख रहे थे।

केन्द्रीय मंत्री सुबह दस बजे से ही अपने संसदीय कार्यालय पर मौजूद हैं। इस दौरान उनके समर्थन में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता व शहर के लोग कार्यालय के बाहर मौजूद हैं। केन्द्रीय मंत्री दो बार अपने कार्यालय से बाहर निकले तो उन्हें कार्यकर्ताओं ने घेर लिया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि प्रदेश मैं कानून का राज स्थापित है और उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है। कार्यकर्ताओं की भीड़ से हालात न बिगडने् पाए, इसके लिए डीएम डॉ. अरविंद चौरसिया, एसपी विजय ढुल के साथ तथा एसडीएम सदर डॉ. अरुण सिंह, सीओ अरविंद वर्मा भी शहर कोतवाल के साथ लगातार जायजा लेते रहे। मंत्री के कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं की भीड़ को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

लखीमपुर कांड में आठ लोगों की मौत की घटना के बाद से ही लगातार यह सवाल उठता रहा है कि इन मौतों का जिम्मेदार कौन है। घटना में चार किसानों सहित तीन भाजपा कार्यकर्ता व एक पत्रकार की मौत हुई है। इस पूरे मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू को मुख्य आरोपी बनाते हुए 20 अन्य के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। इनमें से तीन लोगों की हिंसा में मौत हो गई थी। आशीष मिश्रा उर्फ मोनू शनिवार को सुबह 10ः45 बजे ही पुलिस लाइन पहुंच गए थे। उससे पहले ही केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री के संसदीय कार्यालय के बाहर लोगों का भारी हुजूम इकठ्ठा हो गया। कार्यकर्ता नारेबाजी कर रहे थे कि टेनी तुम संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं। अपने संसदीय कार्यालय पहुंचे मंत्री भी लगातार स्थितियों पर नजर बनाए रहे। उनके साथ मोहम्मदी के भाजपा विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह तथा सदर विधायक योगेश वर्मा सहित भाजपा की पूरी टीम लगी है। इस दौरान सड़क पर कार्यकर्ता शांति बनाते हुए नारेबाजी भी कर रहे थे।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोहिल ने समझाया असली और फर्जी राष्ट्रवाद का मतलब

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में स्थित कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने फर्जी और असली राष्ट्रवाद का मतलब समझाया। कांग्रेस देश के हित में काम करती है और कभी ढिंढोरा नहीं पीटती। पाकिस्तान का बंटवारा इंदिरा गांधी के कार्यकाल में हुआ, लेकिन कांग्रेस ने इसे कभी चुनावी मुद्दा नहीं बनाया। नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश कांग्रेस सरकार के समय अच्छे पड़ोसी थे, लेकिन आज परिस्थिति बदल गई है। गोहिल ने भाजपा सरकार में हुए संसद हमले, कंधार कांड, अक्षरधाम मंदिर, पुलवामा हमले का जिक्र करते हुए कहा कि देश की बात पर कांग्रेस विपक्षी सरकार के साथ भी खड़ी रहती है। लेकिन मोदी सरकार फर्जी राष्ट्रवाद का नाम लेकर वोटरों को गुमराह करती है। गोहिल से सवाल किया गया कि प्रशांत किशोर ने कहा है कि लखीमपुर में कांग्रेस नेताओं के जाने से कोई राजनीतिक फायदा नहीं होगा। गोहिल ने कहा कि कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति नहीं करती है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी दुखी परिवार के लोगों को गले मिलने गए थे। उनके दुख को कम करने गए थे। जो लोग वोट बैंक की राजनीति को देखकर पीड़ितों के पास पहुंचते हैं, उनके लिए नफा-नुकसान मायने रखता है गोहिल ने कहा कि नफा-नुकसान की राजनीति के कारण ही कश्मीर एक बार फिर अशांत हो गया।

बसपा मुखिया मायावती बोलीं- सरकार आने पर बदले की भावना से नहीं रोकेंगे सरकारी योजनाएं

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अपने अभियान का आगाज कर दिया है। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की पुण्य तिथि पर लखनऊ के कांशीराम स्मारक स्थल में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भारतीय जनता पार्टी के साथ ही समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। मायावती ने कहा कि चुनाव आयोग से चुनावी सर्वे पर रोक लगाने की मांग करूंगी। 6 महीने पहले सर्वे पर रोक लगे।

लखनऊ में कांशीराम की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम से शनिवार को मायावती ने प्रदेश में औपचारिक रूप से अपना चुनावी अभियान भी शुरू कर दिया है। इस कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता अब बसपा शासन को याद कर रही है। यहां पर जनता ने भारतीय जनता पार्टी के साथ ही समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस का नाटक देख लिया है। हमारी पार्टी के लोग भी इनके नाटकों तथा हथकंडों से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2007 में बसपा की बहुमत की सरकार थी। हमने उत्तर प्रदेश को बेहतरीन कानून व्यवस्था दी थी। उन्होंने कहा कि मेरी उत्तर प्रदेश की जनता से अपील है कि भाजपा के पक्ष में मतदान कर अपना वोट खराब न करें।

मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार बनने पर इस बार सबसे ज्यादा जोर यहां के गरीब और सभी बेरोजगार नौजवानों को रोटी-रोजी के साधन उपलब्ध कराने पर होगा। इस बार यही हमारी पार्टी का मुख्य चुनावी मुद्दा भी होगा। केन्द्र और राज्य की जो भी योजनाएं चल रही हैं उन्हें बदले की भावना से रोका नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा, सपा तथा कांग्रेस वोट के लिए जनता से वादे कर रही हैं जो हवा हवाई है। उनमें रत्तीभर भी दम नहीं है। सभी विरोधी पार्टियां चुनावी घोषणापत्रों में प्रलोभन भरे चुनावी वादे करने वाली हैं।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा प्रमुख पहले ही पार्टी कार्यकर्ताओं को इस साल कांशीराम की पुण्यतिथि बड़े पैमाने पर मनाने के निर्देश दिए थे। मायावती ने सभी 75 जिलों के कार्यकर्ताओं को लखनऊ आने के लिए कहा थी। इसी कारण उनकी सभा में बड़ी भीड़ जुटी। कोरोना महामारी के बाद बसपा की लखनऊ में यह सबसे बड़ी सभा होगी। प्रदेश में प्रबुद्ध सम्मेलन के दौरान बसपा प्रमुख मायावती ने एलान किया था कि इस बार 9 अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम पुण्यतिथि का कार्यक्रम जिला और मंडल स्तर पर कोई पार्टी स्तरीय आयोजन नहीं होगा। प्रदेश भर का कार्यक्रम लखनऊ में आयोजित किया जाएगा, जहां प्रदेश भर के लोग आकर कांशीराम पार्क में कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धांजलि देंगे।

कवर्धा मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बोले- दोषी कितना भी ताकतवर हो कार्रवाई करेंगे

रायपुर । कवर्धा की घटना को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दो टूक कहा है कि वहां अभी की स्थिति में किसी भी तरह का शक्ति प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि दंगा करने वाला कोई भी व्यक्ति हो, चाहे वह कितना भी ताकतवर होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हुई इस बैठक में गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी डीएम अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, रायपुर रेंज के आइजी आनंद छाबड़ा, कवर्धा जिले के प्रभारी मंत्री टीएस सिंहदेव, दुर्ग रेंज के आइजी विवेकानंद सिन्हा, कवर्धा के कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा और एसपी मोहित गर्ग शामिल हुए। इस बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पहुंचे बघेल ने मीडिया से चर्चा में बताया कि आइजी विवेकानंद को निर्देशित किया गया कि कवर्धा मामले में जो भी अपडेट हो उससे मीडिया को अवगत कराते रहें। सच्चाई जनता के सामने आनी ही चाहिए। छत्तीसगढ़ शांति का प्रदेश रहा है। इस तरह की घटनाओं का यहां कोई स्थान नहीं है। मंत्री मोहम्मद अकबर ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि विवाद करने वालों की वीडियोग्राफी कराई गई थी। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने आरोप लगाया है कि घटना में जो लोग शामिल नहीं थे।

तेजप्रताप यादव की पार्टी और परिवार में बदली हैसियत, बावजूद घबराने के मूड में नहीं हैं लालू यादव के बड़े लाल

पटना । एक दौर में इंटरनेट मीडिया के चहेते रहे पूर्व मंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के पुत्र तेज प्रताप के अभी अच्छे दिन नहीं चल रहे हैं। परिवार की बेरूखी उन्हें परेशान कर रही है। वह इंटरनेट मीडिया में अपने लिए सहानुभूति बटोरने के लिए कुछ पोस्ट करते हैं। सहानुभूति तो नहीं मिलती है, यूजर ऊल-जलूल नसीहत देने लगते हैं। राजनीति में जमे रहने के बदले संन्यास ग्रहण करने की सलाह दी जाती है। फिर भी वे घबरा नहीं रहे हैं। प्रतिक्रिया से बेखबर कुछ न कुछ करते ही रहते हैं।

पार्टी से अलग-थलग हुए

रक्षाबंधन के समय से ही परिवार के सदस्य तेज प्रताप से दूरी बना रहे हैं। ताजा हाल यह है कि उन्हें पार्टी की बैठकों में नहीं बुलाया जा रहा है। वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने कहा कि तकनीकी रूप से तेज प्रताप ने खुद को पार्टी से अलग कर लिया है। छात्र जनशक्ति परिषद के नाम से नया राजनीतिक संगठन बना लिया है। नई बात यह है कि तेज प्रताप अपने नए बने संगठन से उप चुनाव में उम्मीदवार खड़े कर रहे हैं। राज्य के दो विधानसभा क्षेत्रों- कुशेश्वरस्थान और तारापुर में उप चुनाव हो रहा है। 30 अक्टूबर को मतदान है।

प्रचारकों की सूची में नाम नहीं- तेज प्रताप ने एक टवीट में अपने दर्द का बयान किया है। उनके मुताबिक उप चुनाव के लिए बनी राजद के स्टार प्रचारकों की सूची में उनकी मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी एवं बहन मीसा भारती का नाम नहीं रहना उचित नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया- ऐ अंधेरे देख ले मुंह तेरा काला हो गया। मां ने आंखें खोल दी घर में उजाला हो गया। उन्होंने अपनी पीड़ा का इजहार भी किया-मेरा नाम रहता न रहता कम से कम से कम मां और दीदी का नाम रहना चाहिए था। इस टवीट को उन्होंने फेसबुक पर भी डाल दिया है। लेकिन, यूजर महिलाओं के प्रति उनके सम्मान पर भी अंगुली उठा रहे हैं। इसके लिए उनके अपने पारिवारिक विवाद की चर्चा की जा रही है।

तरह-तरह की नसीहतें

एक यूजर ने कमेंट किया है-पार्टी को बर्बाद करने में सबसे बड़ा हाथ तुम्हारा है। बनल बाप के बिगड़ल बेटा। लालू जी की वजह से इतना बोल रहे हो। राजनीति क्या होती है, तुम्हें क्या पता? एक का कहना था कि तेज प्रताप के सोशल साइट को चलाने वाला ही इस आदमी की बर्बादी का असली कारण है। गांधारी वाला श्राप तेजू भैया पर असर कर रहा है। आप अपने पिता को मानते हैं। लेकिन, पिता की इज्जत को ले डूबे। शिवपाल यादव बनने का भूत है जो जल्द उतर जाएगा। 2020 के चुनाव में आप स्टार प्रचारक थे, हसनपुर छोड़ कितना जगह घूमे, यह बता दीजिए। साधु वाला हाल हो जाएगा, नहीं तो मुंह बंद रखिए। अगली बार वार्ड सदस्य भी नहीं बन पाओगे। प्रभाकर कुमार लिख रहे हैं-सुधर जाइए। अभी समय है। कुछ टिप्पणी ऐसी हैं, जिन्हें मुद्रित नहीं किया जा सकता है।

कुछ लोगों ने समर्थन भी किया

कुछ लोगों ने तेज प्रताप के प्रति हमदर्दी भी दिखाई है। मगर, इसमें भी उनके लिए राजनीति छोड़ने की सलाह है-आप छोड़िए राजनीति। मथुरा आ जाइए। वृंदावन में जाकर बांसुरी बजाइए। भाई, पिताजी हैं न, संभाल लेंगे। आपको हलके में लिया जा रहा है। चलाइए अपना सुदर्शन चक्र और पार्टी पर कब्जा कर लीजिए।

गोरखपुर के होटल में चौकी प्रभारी ने शुरू किया था हैवानियत का सिलसिला, नशे में थे पुलिसकर्मी

कानपुर । मनीष हत्याकांड में चश्मदीद साथियों ने तो बयान दर्ज कराए हैं, एसआइटी की छानबीन में भी सामने आया है कि होटल के कमरे में घुसी पुलिस ने कैसे हैवानियत का सिलसिला शुरू किया था। एसआइटी के साथ गए मनीष के बहनोई ने मीनाक्षी व स्वजन को एसआइटी की कार्रवाई से अवगत कराया। छानबीन में सामने आया था कि सभी पुलिसकर्मी शराब के नशे में थे। चौकी प्रभारी अक्षय ने ही सबसे पहले मारपीट शुरू की थी, जिसका मनीष ने विरोध किया था। इस पर जगत नारायण ने मारपीट शुरू की थी। दिवंगत मनीष गुप्ता की पत्नी मीनाक्षी ने बताया कि बहनोई रोहित ने एसआइटी की कार्रवाई बताई है। पहले दिन 12 बजे से कार्रवाई शुरू होकर रात ढाई बजे तक चली थी। एसआइटी की छानबीन में पता चला है कि पुलिस सिर्फ मनीष के कमरे को ही टारगेट करके वहां पहुंची। देर रात कमरा खुलवाकर अंदर दाखिल हुई थी। शराब के नशे में पुलिस कर्मियों ने आइडी कार्ड मांगने शुरू किए। फिर बैग की तलाशी लेनी शुरू की थी। इस पर प्रदीप ने टोका था कि अगर आइडी चेक करनी थी तो काउंटर पर मांग लेते, वहां से पता चल जाता।

बैग की तलाशी लेने पर गुरुग्राम निवासी हरवीर ने विरोध किया था। हरवीर से कहासुनी होने पर नशे में आए चौकी प्रभारी अक्षय कुमार मिश्रा ने उससे मारपीट करते हुए गाड़ी में डालकर थाने ले जाने की बात कही थी। मारपीट के विरोध पर मनीष ने भांजे दुर्गेश को फोन किया था तो थाना प्रभारी जगत नारायण सिंह ने मारपीट करनी शुरू कर दी थी। तब तक उसे पीटा जब तक उसका दम नहीं निकल गया।

एसआइटी 90 फीसद जुटा चुकी है साक्ष्य ः अब तक एसआइटी 90 फीसद साक्ष्य जुटा चुकी है। मीनाक्षी ने बताया कि सभी साक्ष्य गोरखपुर पुलिस के खिलाफ हैं। अभी 10 फीसद और साक्ष्यों का संकलन किया जाना है। एसआइटी के कुछ सदस्य गोरखपुर में ही हैं। हत्यारोपितों की गिरफ्तारी न होने से केस आगे बढ़ नहीं पा रहा है।

पहले भी कर चुका है घटना ः मीनाक्षी ने बताया कि घटना की जानकारी पर गोरखपुर गए थे तो वहां थाना प्रभारी जगत नारायण के बारे में अन्य पुलिस कर्मियों से पूछताछ की थी। पता चला कि वह पहले भी कई लोगों को इस तरह से मार चुका है। यह भी जानकारी हुई है कि जगत नारायण की बर्बरता का शिकार हुए लोगों में एक परिवार गोरखपुर का भी है। हालांकि उस पीड़ित परिवार के बारे में कोई सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है।

तारापुर में आमने-सामने होंगे तेज-तेजस्वी! दिलचस्प होगा बिहार विधानसभा उपचुनाव

भागलपुर । बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के नतीजे सामने आए तो जनता ने राष्ट्रीय जनता दल को प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बना दिया। पार्टी ने प्रदेश की 75 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 75 सीटों में दो सीटों पर राजद सुप्रीमो लालू यादव के दोनों बेटों तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव के ने भी जीत दर्ज की। वहीं, चुनाव के बाद बिहार की दो सीटें जिनपर जदयू ने फतह हासिल की थी, वे विधायकों के निधन के बाद रिक्त हो गईं, उन के लिए अब उपचुनाव होने जा रहे हैं। चुनाव की तारीख 30 अक्टूबर है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दावा कि

संक्षिप्त समाचार

भूमि उपयोग प्रमाण-पत्र अब ऑनलाइन उपलब्ध होंगे : भूपेंद्र सिंह

भोपाल । नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया है कि नागरिकों को अब भूमि उपयोग प्रमाण-पत्र ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। पूर्व में नागरिक केवल ऑनलाइन आवेदन कर सकते थे, परंतु भूमि उपयोग प्रमाण-पत्र के लिए कार्यालय में आना पड़ता था। आवेदक द्वारा भूमि-उपयोग प्रमाण-पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन, सभी आवश्यक विवरण जैसे-निवेश-योजना क्षेत्र, गांव और खसरा नंबर दर्ज करके प्रस्तुत करने पर भूमि-उपयोग उसके स्क्रीन पर प्रदर्शित होता है। आवेदक के इसे स्वीकार करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान करते ही मैप के साथ लैंड भूमि उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त होता है। आवेदक अपनी जरूरत के अनुसार इसे डाउनलोड और प्रिंट कर सकता है। कोई भी एजेंसी टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के ऑनलाइन लैण्ड यूज सर्टिफिकेट जनरेशन पोर्टल पर जाकर इस सर्टिफिकेट को एप्लीकेशन नंबर से सर्च कर डिजिटली वेरीफाई कर सकती है। अभी यह सुविधा प्रदेश के 12 जिलों भोपाल, भिंड, दतिया, ग्वालियर, डबरा, हरदा, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर, शिवपुरी और उज्जैन में लागू की गई है। शीघ्र ही इसे अन्य जिलों में भी लागू किया जाएगा।

राज्य सेवा और रावसे परीक्षा-2020 का परिणाम घोषित

भोपाल । मप्र लोकसेवा आयोग ने शनिवार को राज्य सेवा व राज्य वन सेवा परीक्षा-2020 के परिणाम घोषित किए हैं। परीक्षा परिणाम आयोग की अधिकारिक वेबसाइट उपलोड किया है। परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी आयोग की वेबसाइट पर लॉगिन कर अपना परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। ओएमआर शीट की कॉपी लेने के लिए 50 रुपए शुल्क देकर ली जा सकती है। अगले कुछ सप्ताह में मप्र लोकसेवा आयोग प्रारंभिक परीक्षा की चयन सूची भी जारी कर देगा। गौरतलब है कि 25 जुलाई को आयोजित परीक्षा में लगभग तीन लाख 40 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे।

उपचुनाव: भाजपा के 20 स्टार प्रचारकों की सूची जारी

भोपाल । मप्र की एक लोकसभा एवं तीन विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने शनिवार को अपने 20 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिसमें इन चुनाव के लिए गणित प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह को स्थान नहीं मिला है। भाजपा द्वारा जारी सूची में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, शिवप्रकाश, मुरलीधर राव, नरेंद्र सिंह तोमर, वीरेंद्र कुमार, धर्मेंद्र प्रधान, फग्गन सिंह कुलस्ते, कैलाश विजयवर्गीय, उमा भारती, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रहलाद पटेल, डॉ. नरोत्तम मिश्रा, गोपाल भार्गव, राकेश सिंह, ओमप्रकाश धुवे, सुधीर गुप्ता, लाल सिंह आर्य, सुहास भगत और हितानंद जी के नाम शामिल हैं।

जयप्रकाश व नानाजी की जयंती पर होगा कार्यक्रम

भोपाल । समग्र क्रांति के प्रणेता स्व. जयप्रकाश नारायण और सामाजिक सुधार के चिंतक स्व. नानाजी देशमुख की सोमवार 11 अक्टूबर को जयंती के अवसर पर लोकतंत्र सेनानी संघ द्वारा उनका पुण्य स्मरण किया जाएगा। सोमवार अपरान्ह 4.00 बजे पं दीनदयाल परिसर में जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया है। लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष तपन भौमिक, कार्यकारी अध्यक्ष भरत चतुर्वेदी और अन्य वक्तागण अपने विचार व्यक्त करेंगे। समाज सेवा के लिए समर्पित सभी राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं से स्व जयप्रकाश नारायण और स्व नानाजी देशमुख की जयंती पर आयेजित कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध लोकतंत्र सेनानी संघ के महामंत्री सुरेंद्र द्विवेदी ने किया है।

कांग्रेस कल करेगी केंद्रीय कार्यालयों पर मौन व्रत

भोपाल । लखीमपुर खीरी की घटना को लेकर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अनिल मिश्रा को पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस देशभर में राज्यपाल निवास एवं केंद्रीय कार्यालयों पर मौन व्रत करेंगी। अभा कांग्रेस ने शनिवार को सभी प्रदेश कांगेस कार्यालयों को इस संबंध में पत्र जारी करते हुए निर्देश दिया है कि सोमवार को सुबह 10 बजे से अपराहन एक बजे तक सभी राजभवन एवं केंद्रीय कार्यालयों के समक्ष मौन व्रत का आयोजन करे।

कमलनाथ ने शिवराज सिंह के न खाऊंगा न खाने दूंगा वाले बयान को लेकर हमला

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों को भ्रष्टाचार से दूर रहने की सलाह देने और न खाऊंगा और न खाने दूंगा वाले उनके बयान

पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने तीखा हमला बोला है। नाथ ने ट्वीट करते हुए कहा है कि शिवराज जी खाओ और खाने दो की नीति और काम किस पार्टी में धड़ल्ले से चल रहा है, इसकी गवाह तो खुद प्रदेश की जनता है। आप तो खुद उसकी सच्चाई चुनावी क्षेत्रों के मंचों से रोज स्वीकार रहे हैं, खाने वालों के नाम पुकार रहे हैं। आप खुद कह रहे हैं कि मुझे सब पता है योजनाओं में कौन-कौन पैसा खा रहा है, अदने अधिकारियों के यहां छापों में करोड़ों की काली कमाई निकल रही है। आप के प्रदेश प्रभारी खुद आपकी पार्टी की बैठक में नसीहत देते है कि ना खाऊंगा और न खाने दूंगा सिर्फ मंत्रियों के लिए ही नहीं है बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए भी है। आपकी सरकार ने जो गड्ढे माफियाओं के लिए खोदे थे, उसमें माफिया तो गड़े नहीं लेकिन उसमें माफियाओं को बचाने के नाम पर की जा रही वसूली जरूर प्रदेश भर से रोज गड़ रही है। पिछले 17 वर्षों में व्यापम , ई.टेंडर, पौधारोपण, डंपर, नर्मदा सेवा यात्रा, सिंहस्थ, ग़रीबों को सड़े गेहूं चावल का वितरण, कोरोना काल में तमाम फर्जीवाडे जैसे खाओ और खाने दो के काम ही तो हुए हैं।

स्थानांतरण पर रोक लगाने आयोग से शिकायत

भोपाल । प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा उपचुनावों के दौरान आचार संहिता की खुलकर अवेहलना की जा रही है एवं थोक में अधिकारियों के मनमर्जी से उप-चुनाव वाले क्षेत्रों में चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से स्थानांतरण किए जा रहे हैं जिसका ताजा उदाहरण 8 अक्टूबर को 42 नायब तहसीलदारों एवं 15 तहसीलदारों के स्थानांतरण की सूची जारी होना स्पष्ट करता है कि भाजपा सरकार चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के उद्देश्य से उन्हीं क्षेत्रों में जहां-जहां उप चुनाव हो रहे हैं वहां-वहां भाजपा के हित में काम करने वाले एवं भाजपा के विरुद्ध काम करने वाले अधिकारियों को चिन्हित कर स्थानांतरण किए जा रहे हैं। यह बात प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने चुनाव आयोग से शिकायत करते हुए कही है।

मुख्यमंत्री ने उद्यम क्रांति योजना की रूपरेखा तैयार करने के दिए निर्देश

नौजवानों की उद्यमी भावना को साकार करने का कार्य करें

सिर्फ सरकारी नौकरी न हो विकल्प, हर साल मिल जाए एक लाख को रोजगार

शनिवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में मुद्रा योजना प्रगति की समीक्षा और उद्यम क्रांति योजना के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की।

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जिस तरह प्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण का अच्छा कार्य हुआ है उसी तरह शिक्षित युवाओं को विभिन्न रोजगार योजनाओं से जोड़कर मप्र एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। इसके लिए एक ऐसी नई उद्यम क्रांति योजना बनाई जाए जो पढ़े लिखे नौजवानों के लिए सरकारी नौकरी का बेहतर विकल्प होने के साथ ही उनकी उद्यमी भावना को साकार करने का कार्य करे। यह अर्थ-व्यवस्था के लिए भी लाभकारी होगा।

मुख्यमंत्री चौहान शनिवार को मंत्रालय में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। चौहान ने कहा कि शिक्षित युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उनके मन में आशा और विश्वास को जगा कर निराशा से बचाना है। सरकारी नौकरियां ही एकमात्र समाधान नहीं है। लघु और सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना के लिए युवाओं को ऋ ण और अनुदान के माध्यम से नई राह मिलेगी। इसके लिए लक्ष्य तय कर कार्य पर फोकस करना होगा। वर्तमान में विभिन्न रोजगार योजनाओं का लाभ अति सम्पन्न या स्थापित लोग ले लेते हैं और वास्तविक जरूरतमंद अपेक्षाकृत पीछे रह जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे वर्ग में से प्रत्येक जिले में दो हजार युवाओं को लाभान्वित करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया जाए। इससे युवा उद्यमी आगे आएंगे। प्रति वर्ष लगभग एक लाख युवाओं को विभिन्न प्रकल्पों से रोजगार से जोड़ने का कार्य आसान हो जाएगा। अपना व्यवसाय या लघु उद्योग स्थापित करने के इच्छुक युवक साहूकारों से ऋण लेने की विवशता से भी मुक्त हो जाएंगे। सेवा क्षेत्र,एमएसएमई सेक्टर में कार्य की संभावनाओं को साकार किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के क्रियान्वयन में आगे बढ़ेगा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मुद्रा योजना के अंतर्गत युवाओं को लाभान्वित करने का आह्वान किया है। वर्तमान में प्रदेश के 14 लाख से अधिक व्यक्तियों को 8 हजार 905 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की जा चुकी है। शिशु, किशोर और तरुण तीन श्रेणियों में लाभार्थी को ब्याज अनुदान सहायता प्राप्त होती है। योजना में 50 हजार से 10 लाख रूपए की राशि के ऋण पर एक प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जाता है। मुख्यमंत्री चौहान ने इस योजना के क्रियान्वयन में प्रदेश में गति बढ़ाने के लिए बैंकों के समन्वय से प्रयास तेज करने की जरूरत बताई। बैठक में बताया गया कि मुद्रा योजना के संबंध में 15 अक्टूबर से एक माह के आउटरिच प्रोग्राम के लिए तैयारी की जा रही है।

एक-दो मेगावाट के प्लांट को प्रोत्साहन देने नीति बनाएं

सीएम ने ऊर्जा विभाग की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों को सिंचाई के लिए 10 घंटे बिजली आवश्यक रूप से उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए प्रत्येक स्तर पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रदेश में किफायती दर पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सौर ऊर्जा भविष्य का ऊर्जा स्त्रोत है, अतः सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में कोई कसर नहीं छोड़ी जाए। एक-दो मेगावॉट तक के प्लांट स्थापित करने को प्रोत्साहन देने के लिए आवश्यक नीति बनाई जाए।

मुख्यमंत्री चौहान ने यह निर्देश मंत्रालय में आयोजित रबी फ सल के लिए विद्युत आपूर्ति संबंधी ऊर्जा विभाग की बैठक में दिए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा है कि बिजली उत्पादन में कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाना आवश्यक है। राजस्व बढ़ाने के लिए सभी स्तर पर प्रयास आवश्यक हैं। यदि हम क्वालिटी बिजली का प्रदाय सुनिश्चित करते हैं, तो बिजली बिलों के नियमित भुगतान के लिए जन-सामान्य की मानसिकता बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री चौहान ने ट्रांसफ ार्मर जल्द खराब होने या जलने की समस्या पर नाराजगी जताते हुए ट्रांसफार्मरों के फेलीयर रेट का अध्ययन कराने के निर्देश दिए।

पीक आवर्स को दोपहर में शिफ्ट करने पर विचार: ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विभागीय अमले में वृद्धि की आवश्यकता बताई। बैठक में रबी सीजन में विद्युत प्रदाय सुनिश्चित करने, फ्लेक्सी प्लान, ट्रांसफ ार्मरों और कोयले की उपलब्धता के संबंध में चर्चा हुई। रबी सीजन में अधिकतम विद्युत मांग को दोपहर में शिफ्ट करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई, क्योंकि दोपहर में ही सौर विद्युत ऊर्जा की उपलब्धता अधिकतम रहती है।

खंडवा से भाजपा प्रत्याशी पाटिल का नामांकन फार्म निरस्त किया जाए

भोपाल (एजेंसी)। मप्र के खंडवा लोकसभा उप चुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा की उपस्थिति में जो नामांकन फार्म प्रस्तुत किया है वह चुनाव प्रक्रिया का मजाक है, क्योंकि भाजपा प्रत्याशी ने नामांकन फार्म में अपना नाम पता लिखने के अलावा कुछ नहीं लिखा है और पूरे नामांकन फार्म को लाइन से काट दिया गया है। हालांकि जानकारी अनुसार उन्होंने शायद बाद में दूसरा नामांकन फार्म भी जमा करा दिया है।

कांग्रेस ने आयोग से की मांग

इससे स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने जो फार्म रिटर्निंग आफिसर के समक्ष प्रस्तुत कराया है वह गलत है एवं निरस्ती योग्य है। यह बात प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को शिकायत प्रेषित करते हुए कही है। श्री धनोपिया ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी ने नामांकन के साथ जो शपथ पत्र प्रस्तुत करना होता है उसमें गलत जानकारियां दी हैं और महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया है। उन्होंने मप्र राज्य पॉवरलुम बुनकर सहकारी संघ, बुरहानपुर एवं मप्र राज्य सहकारी बैंक में लाखों रुपए के डिफाल्टर होने के साथ ही कर्ज प्रकरणों एवं संपत्ति बंधक आदि की जानकारी नहीं दी है। इसी प्रकार उन्होंने करीब 50 करोड़ रुपए से ज्यादा का जिला सहकारी बैंकों के भुगतान में भ्रष्टाचार किया है जिसमें उनके विरुद्ध एफआईआर करने के संबंध में फाइल अपैक्स बैंक, भोपाल में भेजी गई है, लेकिन खंडवा लोकसभा उप चुनाव में उन्हें प्रत्याशी बनाने के उद्देश्य से उक्त फाइल को ठंडे बस्ते में डाल दी गई है जो कि सरासर चुनाव प्रक्रिया का मजाक है। श्री धनोपिया ने निर्वाचन आयोग से मांग कि है कि भाजपा प्रत्याशी पाटिल के द्वारा तथ्यों को छिपाने एवं गलत जानकारियां देने के कारण उनके द्वारा प्रस्तुत नामांकन फार्म को निरस्त किया जावे तथा उनके विरुद्ध लंबित आपराधिक प्रकरणों की कार्रवाई को शीघ्र पूरा कराने के लिए आदेशित किया जाए।

उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी भाजपा

सीएम ने किया चुनाव प्रबंधन एवं प्रवक्ता कक्ष का शुभारंभ

भोपाल,एजेंसी। प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर अन्य दलों से भी अच्छे लोग अब भाजपा में आ रहे हैं। पार्टी देश में लगातार विस्तार कर रही है। मप्र में एक लोकसभा और तीन विधानसभाओं के उपचुनाव में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में उपचुनाव की दृष्टि से तैयार चुनाव प्रबंधन कार्यालय एवं प्रवक्ता कक्ष के शुभारंभ अवसर पर कही। इस अवसर पर चुनाव प्रबंध समिति के संयोजक भूपेंद्र सिंह ने कलश पूजन एवं कन्यापूजन किया। जिसके पश्चात मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कार्यालय में तैयार किए गए नवीन प्रवक्ता कक्ष का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री चौहान ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि प्रवक्ता हमारे ऐसे कार्यकर्ता हैं, जो शासन और पार्टी दोनों की बातों को ठीक ढंग से जनता के बीच मीडिया के माध्यम से पहुंचाते हैं। आरोप- प्रत्यारोप के बीच हमारे प्रवक्ता ही सही और सटीक उत्तर देते हैं। ये लोग जानकारी से लैस रहे और सही समय पर सही जानकारी मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाते रहें, नया प्रवक्ता कक्ष इन सभी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि हमारी सक्षम चुनाव प्रबंध समिति और सक्षम प्रवक्ता हर बात का सक्षमता से जवाब देंगे। कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं को पार्टी द्वारा टिकट देने के सवाल एवं कांग्रेस शासित राज्यों में मुख्यमंत्री के कार्यकाल को लेकर चल रही खीचतान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी पार्टी जिसका नेतृत्व ही दिग्भ्रमित और दिशाभ्रमित हो, उनको स्वयं समझ नहीं आ रहा हो कि छत्तीसगढ़ में ढाई-ढाई साल करें या पूरे पांच साल, राजस्थान में कैसे काम करें उन्हें यह भी पता नहीं है। कांग्रेस में तो उन्हीं के नेता अपने नेतृत्व सवाल उठा रहे हैं। ऐसी कांग्रेस में कौन रहना चाहेगा। इसलिए अच्छे लोग भारतीय जनता पार्टी में आ रहे हैं। इनमें से अगर कोई चुनाव लड़ने लायक होता है तो उसे पार्टी चुनाव लड़वाती है।

दिग्विजय सिंह अब दिग्भ्रमित सिंह : शर्मा

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि दिग्विजयसिंह को अब दिग्भ्रमित सिंह कहना चाहिए। उन्हें दृष्टिदोष हो गया है, वे उत्तरप्रदेश की अखिलेश सरकार के समय की सड़कों को मध्यप्रदेश की सड़कें बताकर भ्रम फैलाते हैं, तो कभी उन्हें पाकिस्तान का टूटा पुल भोपाल में दिखता है। सरस्वती शिशु मंदिर जहां देशभक्ति का पाठ पढ़ाया जाता है, वहां उन्हें आतंकी दिखते हैं, इससे ज्यादा दिग्भ्रमित कोई हो नहीं सकता, इसलिए अब उनका नाम दिग्भ्रमित सिंह होना चाहिए। शर्मा ने कहा कि मुझे मीडिया से जानकारी मिली है कि पन्ना में दिग्विजय सिंह ने दामाद के साथ मिलकर जनजातीय समाज के व्यक्ति के नाम पर जमीन को लेकर धोखाधड़ी की है। मैं तथ्यों का अध्ययन करूंगा और जानकारी लूंगा, उसके बाद उसकी जानकारी मीडिया के समक्ष रखूंगा।

उपचुनाव 2021

हर बार फसल मैं उगाता हूं, काट कोई और ले जाता है

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव का बुरहानपुर की चुनावी सभा में चुनाव न लड़ पाने का दर्द जुबान पर आ ही गया। दरअसल शनिवार को कांग्रेस प्रत्याशी राजनारायण सिंह के समर्थन में बुरहानपुर में एक चुनावी सभा का आयोजन किया गया था जिसमें अरुण यादव भी शामिल थे।

चुनावी सभा में छलका अरुण यादव का दर्द

जब भाषण देने की बारी आई तो अरुण यादव का दिल का दर्द जुबान पर आ गया और उन्होंने कहा कि हर बार फसल में उगाता हूं, काट कोई और ले जाता है। सन 2018 में भी यही हुआ। आलाकमान ने कहा कि आप की फसल किसी और को दे दूं, मैंने कहा- दे दो फिर उगा लेंगे। जो पार्टी कहती है मैं वही करता हूं। इस बहाने श्री यादव ने अपने दिल की बात भी कह दी और स्वयं को आलाकमान का वफादार भी बता दिया।

खंडवा लोकसभा से मजदूर ने भरा नामांकन

भोपाल । धन और बहुबल के बिना वर्तमान समय में चुनाव लड़ने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है, लेकिन खंडवा के एक मजदूर ने लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। मजदूरी करने वाले इस उम्मीदवार को संसद तक पहुंचे की उम्मीद है। यही भारत का लोकतंत्र है, जहां एक मजदूर भी सदन में अपनी भागीदारी की चाह रखता है। खंडवा के कुंडलेश्वर मंदिर मार्ग पर रहने वाले 50 साल के शेख जाकीर ने खंडवा संसदीय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया है। शेख जाकीर मजदूरी कर अपने परिवार का लालन-पालन करते हैं। उनके पास नगदी के रूप में एक लाख रुपए हैं और दो लाख रुपए का बैंक का कर्जा है। उनकी शैक्षेणिक योग्यता 9वीं कक्षा उत्तीर्ण है। उन्होंने एसबीआई बैंक खंडवा से प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत दो लाख रुपए का ऋण लिया है। बाकी इनके पास कुछ भी चल -अचल संपत्ति नहीं है। इनकी पत्नी ग्रहणी हैं और जेवरात के नाम पर इनके पास कुछ भी नहीं है। मजदूरी कर अपना पेट भरने वाले शेख जाकिर की हिम्मत और चाह ही है कि मौजूदा हलातों में लोकसभा चुनाव लड़ने का इरादा किया और नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया है। अब देखना होगा कि इनका नामांकन पत्र किन्ही त्रुटि के चलते निरस्त होता या फिर यह मैदान में बने रहेंगे। कुछ भी हो, लेकिन इस मजदूर ने संसद पहुंचने के सपना तो देखा।

जोबट से कांग्रेस प्रत्याशी रावत और उनकी पत्नी के पास साढ़े चार लाख की 12 गिर नस्ल की गाय

भोपाल । उपचुनाव 2021 में कई उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इन उम्मीदवारों में कुछ ऐसे भी शामिल हैं जिनके पास धन, संपत्ति की कोई कमी नहीं है, लेकिन एक ऐसा भी उम्मीदवार है जिसके पास 12 गिर गाय हैं। इन गिर गायों की कुल कीमत चार लाख 50 हजार रुपए है। इस उम्मीदवार ने पशुपालन को अपनी आय का साधन बताया है।

प्रत्याशी ने नामांकन पत्र में पशुपालन को बताया अपनी आय का साधन

दरअसल, जोबट विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे 49 वर्षीय महेश रावत के पास छह और उनकी पत्नी के पास भी छह गिर गाय हैं। दोनों की गिर गायों की कीमत क्रमशः ढाई लाख और दो लाख रुपए है। वैसे तो कई उम्मीदवार के नाम कृषि भूमि होने की जानकारी नामांकन के माध्यम से निर्वाचन आयोग को दी गई, लेकिन महेश रावत एक मात्र ऐसे उम्मीदवार हैं जिनके पास 12 गिर गाय हैं। गौरतलब है कि गिर गाय (गुजरात) की सबसे अच्छी देशी नस्ल की गायों में शामिल हैं। इसका दूध ए-2 होता है, जिसका उपयोग रोगी, बच्चे और बुजुर्ग के लिए काफी लाभदायक होता है।

भोपाल के समन्वय भवन में सहकारिता विभाग एवं अपेक्स बैंक की संयुक्त कार्यशाला आयोजित

सहकारिता के उत्थान के लिए ईमानदारी से करना होगा काम : नरेश पाल

नाबार्ड के एजीएम रितेश कुमार ने दिए बैंक अधिकारियों को टिप्स

भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता विभाग एवं अपेक्स बैंक के संयुक्त तत्वावधान में बैंक मुख्यालय के न्यू मार्केट स्थित समन्वय भवन के ऑडिटोरियम में भोपाल एवं होशंगाबाद संयुक्त/उप/सहायक आयुक्त, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं अपेक्स बैंक के शाखा प्रबंधकों एवं मुख्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों की सतत् अंकेक्षण की गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु कार्यशाला का उद्घाटन आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मप्र एवं प्रशासक अपेक्स बैंक नरेश पाल कुमार, अपर आयुक्त सहकारिता अरुण माथुर, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंकपीएस तिवारी, नाबार्ड के एजीएम रितेष कुमार, आईसीएआई के प्रतिनिधि गगन झबर, सीए अमूल राहंगणेकर ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

वर्तमान में सीबीएस होने के बाद बैंकिंग क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन आने वाली चुनौतियों एवं गबन-धोखाधड़ी की घटनाओं पर नियंत्रण पाने की दृष्टिकोण से मध्यप्रदेश में पहली बार अंकेक्षकों के चारों समूहों का एक मंच पर एकत्रित कर विषय विशेषज्ञों की उपस्थित में उक्त महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन सहकारिता विभाग की पहल पर हुआ । कार्यक्रम के आरंभ में प्रशासक अपेक्स बैंक एवं सहकारिता आयुक्त नरेश पाल कुमार ने कहा कि सहकारिता आंदोलन से जुड़ा हर व्यक्ति यदि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करे तो वह दिन दूर नहीं जब मप्र का सहकारी आंदोलन भी गुजरात, महाराष्ट्र और केरल की सहकारिता से आगे निकल जाएगा, इस दिशा में अभी और सुदृढ़ प्रयास करने की आवश्यकता है। नाबार्ड के एजीएम रितेश कुमार ने कार्यशाला की सराहना करते हुए विस्तार से सहकारिता क्षेत्र में अंकेक्षण-निरीक्षण की बारीकियों पर चर्चा करते हुए समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने व्हाउचर वेरीफि केशन रिपोर्ट, स्पेशनल ट्रांजेक्शन रिपोर्ट, रिकंसीलियेशन एवं सस्पेशियस ट्रांजेंक्शन रिपोर्ट का नियमित परीक्षण करने पर जोर दिया।

कांक्रीट ऑडिटर बैंकों की आंख की तरह : राहंगणेकर

चाटर्ड एकाउंटेंट अमूल राहंगणेकर ने कहा कि बैंकों और कांक्रीट ऑडिटर से क्या-क्या अपेक्षाएं होती हैं, आज हमारे इस काम में सहयोग प्रदान करने की दिशा में यह कार्यशाला बहुत कारगर होगी। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल, 2021 से सभी नागरिक सहकारी बैंक एवं जिला केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के नियंत्रण में आ गए हैं, इसलिए सभी संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को भारतीय रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर जारी होने वाले प्रतिदिन के दिशा-निदेर्शों का अवलोकन करते हुए अपनी कार्यप्रणाली को सम्पादित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांक्रीट ऑडिटर अपेक्स बैंक एवं जिला सहकारी बैंकों के काम और आंख की तरह हैं। इन्होंने भी केश रिपोर्ट, केवायसी एवं रिकंसीलियेशन रिपोर्ट का नियमित अवलोकन करने की आवश्यकता बताई। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित मानदंडों का समय-सीमा में पालन करना जरूरी है अन्यथा भारतीय रिजर्व बैंक अर्थदंड कर सकता है। कार्यशाला में गगन झबर, आईसीएआई प्रतिनिधि ने कहा कि सतत् अंकेक्षण का कार्य मूलतः तीन बिन्दुओं क्रमशः जमा/डिपाजिट, ऋण/आहरण एवं उपरोक्त में जो सम्मिलित न हों, के आधार पर लो-रिस्क, मीडियम-रिस्क एवं हाई-रिस्क के फार्मूले पर आधारित है। उन्होंने भी समय-समय पर केवायसीनवीनीकरण, शाखाओं की चाबियां नियमित रूप से बदलते रहने, निष्क्रिय खातों को समाप्त करने के साथ अन्य अमूल्य सुझाव जैसे शिकायत पेटी-सुझाव पेटी आदि भी शाखा में रखवाने के लिए सतत अंकेक्षक को सुझाव देने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

आज की कार्यशाला मील का पत्थर साबित होगी : पीएस तिवारी

अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक पीएस तिवारी ने कहा कि आज की कार्यशाला वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नित-प्रतिदिन आने वाली दैनंदिन चुनौतियों से जूझने में मील का पत्थर साबित होगी और इसकी सार्थकता भी आने वाले दिनों में सहकारी बैंकिंग के क्षेत्र में प्रमाणित होगी। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम की पूरी सीडी हम पूरे प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में फैले सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में कार्यरत लोगों तक भेजकर इस महत्वपूर्ण सार्थक संवाद से प्रेरणा एवं अपने कार्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के आरंभ में उपायुक्त सहकारिता उमेश तिवारी, सहायक महाप्रबंधक डॉ. रवि ठक्कर ने कार्यशाला की भूमिका एवं महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में संयुक्त आयुक्त सहकारिता अभय खरे, अपेक्स बैंक के वि.क.अ. श्रीमती अरुणा दुबे, केकेद्विवेदी, सहायक महाप्रबंधक आरएसचंदेल, केटी सज्जन, वि.क.अ. अरविंद बौद्ध, प्रबंधक श्रीमती ज्योति उपाध्याय, विनोद श्रीवास्तव, उपप्रबंधक विवेक मलिक, समीर सक्सेना, करुण यादव, आरव्हीएम पिल्लई, जीकेअग्रवाल के साथ भोपाल एवं होशंगाबाद संभाग के सह.विभाग के अधिकारी,अपेक्स बैंक एवं जिला बैंकों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

तानिया कालरा ने गिरगिट में ठगी करने वाली महिला की निभाई भूमिका

अभिनेत्री तानिया कालरा, जिन्हें आखिरी बार सिद्धार्थ शुक्ला की डिजिटल सीरीज ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 में देखा गया था, एक और शो गिरगिट में नजर आएंगी। तानिया अपने अगले कार्यकाल में एक चोर महिला शामोली की भूमिका निभाएंगी। एक कंट्रोल फ्रीक किरदार निभाने के बारे में बात करते हुए तानिया ने कहा, मैं सीरीज में शामोली की भूमिका निभाउंगी। वह एक जोड़ी में जोड़-तोड़ और मुखर है जिसे आप सीरीज में देखेंगे। कोई भी आसानी से उसके लिए पिघल सकता है। मैं एक चोर-लड़की की भूमिका निभा रही हूं और उसका प्रयास सरल है कि उसे पैसे इकट्ठा करने की जरूरत है, जो ना केवल उसकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि और भी बहुत कुछ करता है। इसके अलावा अभिनेत्री ने कहा, मैंने शो के लिए ऑडिशन दिया और जब मुझे स्क्रिप्ट सौंपी गई, तो मुझे यह काफी दिलचस्प और वास्तव में कुछ अलग लगा, कुछ ऐसा जो मैंने पहले कभी नहीं किया। मैं कभी भी इस तरह के शो का हिस्सा नहीं रही। गिरगिट यह काफी अलग है। मैं किरदार के साथ खेलना चाहती थी, क्योंकि मुझे ऐसा करने की स्वतंत्रता मिली थी। और मैंने किया। बतौर नायक तानिया का यह पहला बड़ा प्रोजेक्ट होगा। तानिया फिलहाल इस प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कर रही हैं, हालांकि सीरीज की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है।

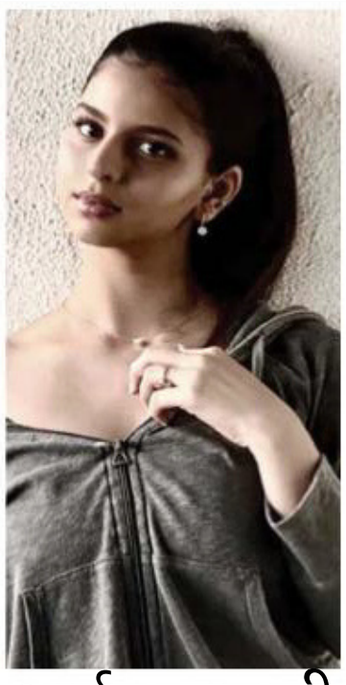

आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद

सुहाना खान ने उठाया यह बड़ा कदम

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान इन दिनों मुश्किल में फंसे हुए हैं। बीते दिनों मुंबई से गोवा जा रहे एक क्रूज में ड्रग्स पार्टी करते हुए आर्यन खान पकड़ाए थे। कोर्ट ने आर्यन खान को 7 अक्टूबर तक एनसीबी की कस्टडी में भेजा है। आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद से ही उनके परिवार को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। वहीं ट्रोलिंग से बचने के लिए शाहरुख की बेटी सुहाना खान ने एक बड़ा कदम उठाया है। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली सुहाना खान ने ट्रोलिंग से बचने के लिए अपने इंस्टाग्राम में कमेंट सेक्शन को बंद कर दिया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सुहाना खान ने नेगेटिविटी और ट्रोलिंग से दूर रहने के लिए ऐसा किया है। सुहाना खुद को इन ट्रोलर्स और निगेटिव कमेंट से दूर रखना चाहती हैं। जिसके कारण उन्होंने कमेंट सेक्शन, जो कि अब तक खुला था आर्यन की गिरफ्तारी के बाद उसे बंद कर दिया है। खबरों के अनुसार कस्टडी के दौरान आर्यन खान को भी अन्य आरोपियों के साथ ही एनसीबी दफ्तर के पास बने नेशनल हिन्दू रेस्टोरेंट का खाना खिलाया जा रहा है। एनसीबी की परमिशन लेकर शाहरुख खान अपने बेटे से मुलाकात करने पहुंचे थे। इस दौरान आर्यन इमोशनल हो गए। वहीं आर्यन की मां गौरी खान अपने बेटे के लिए बर्गर लेकर गई थीं लेकिन नियमों के चलते एनसीबी ने उन्हें देने की इजाजत नहीं दी। एनसीबी लॉकअप में आर्यन ने कुछ साइंस की किताबें मांगी थीं, जिसे अधिकारियों ने मुहैया करवा दिया। गिरफ्तार होने के बाद आर्यन खान के कपड़े घर से भेजे गए हैं। वहीं उन्होंने अपना नेजल स्प्रे घर से मंगवाया था जिसे रखने की इजाजत एनसीबी ने दे दी है।

समाज को शिक्षित करते हैं

पौराणिक शो -दिनेश मेहता

अभिनेता दिनेश मेहता अपने आगामी शो बाल कृष्ण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता फिर से भगवान शिव का किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्टर को आखिरी बार शो संतोषी मां में देखा गया था। यह पूछे जाने पर कि वह इस तरह के शो में काम करके कैसा महसूस करते हैं, वे कहते हैं कि जब किसी का हृदय भक्ति से भरा होता है, तो उसके मन में अशुद्ध विचारों के लिए कोई जगह नहीं होती है। मेरे जैसा व्यक्ति जो भगवान शिव के प्रति समर्पित है, मैं अवसर का सम्मान भी करता हूं। मैं वास्तव में उत्साहित हूं क्योंकि शिव की भूमिका शक्तिशाली और काफी चुनौतीपूर्ण है। मैं हमेशा इस तरह के अवसर को भगवान को समर्पित कर देता हूं। दिनेश ने अपने शोबिज करियर की शुरूआत एमटीवी पर प्रसारित होने वाले फैशन आधारित रियलिटी शो से की थी। बाद में वह नागिन, ये है मोहब्बतें, दीया और बाती हम, धर्मक्षेत्र, बुद्ध और सूर्यपुत्र कर्ण जैसे कई शो में नजर आए। उन्हें लगता है कि पौराणिक शो हमारे मूल के बारे में समाज को शिक्षित करने के लिए संस्थान काम करते हैं। वह आगे कहते हैं कि पौराणिक कथा किसी भी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह समाज में पालन किए जाने वाले अनुष्ठानों में और हमारे समुदाय के सोचने और कार्य करने के तरीके में एक बड़ी भूमिका निभाता है। इसलिए मुझे ऐसी कहानियों का हिस्सा बनकर खुद को शिक्षित करना बहुत अच्छा लगता है। वास्तव में हमें हर रोज कुछ नया सीखने को मिलता है। हमारे देश में, त्यौहार आने पर या जब हम कुछ महत्वपूर्ण मंदिरों या स्थानों पर जाते हैं तो हम सभी रोमांचित होते हैं। हम उनका आनंद लेना पसंद करते हैं लेकिन क्या हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को समझाने के लिए पर्याप्त आश्वस्त हैं? मुझे ऐसा लगता है कि ऐसे शो से हमारा समाज और खासतौर पर हमारे बच्चे शिक्षित होते है।

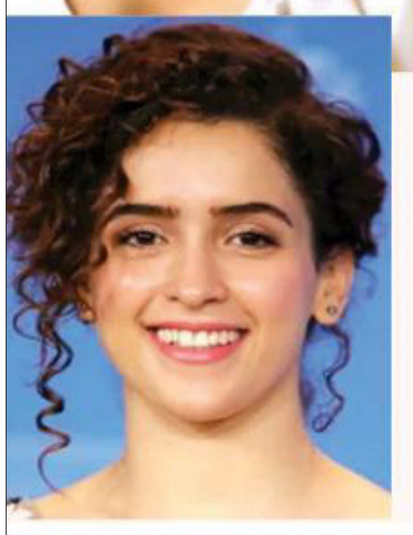

सान्या मल्होत्रा स्टारर

मीनाक्षी सुंदरेश्वर 5 नवंबर को होगी रिलीज

सान्या मल्होत्रा और अभिमन्यु दासानी स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर की कहानी उत्तर-दक्षिण विवाह के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 5 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित और धर्मैटिक एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, मीनाक्षी सुंदरेश्वर रिश्तों, संयुक्त परिवारों, एक नई शादी में अजीबता और कई परस्पर जुड़े पहलुओं को समेटे हुए है। फिल्म में जब लंबी दूरी के रिश्ते की चुनौती इस युवा जोड़े के सामने आती है, तो यह सवाल उठता है, कि क्या दूरी वास्तव में दिलों को करीब लाती है? दंगल से डेब्यू करने वाली सान्या इससे पहले शकुंतला देवी, लूडो और पगलित में नजर आ चुकी हैं। वहीं भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु ने अपनी पहली फिल्म मर्द को दर्द नहीं होता से अपनी पहचान बनाई है।

अजीब सी बीमारी से जूझ रही हैं काजल राघवानी

भोजपुरी सिनेमा की अदाकारा काजल राघवानी ने अपनी अदायगी से लाखों लोगों का दिल जीता है। उनकी अभिनय कला को भोजपुरी सिनेमा में बहुत पसंद किया जाता है। जितना अधिक काजल अपनी फिल्मों के लिए मशहूर हैं उतना ही वो सोशल मीडिया पर भी लोकप्रिय हैं। काजल राघवनी को सोशल मीडिया पर लाखों लोग फॉलो करते हैं। सोशल मीडिया पर वो अक्सर मजेदार वीडियो साझा करती रहती हैं। लेकिन काजल राघवानी एक अजीब सी बीमारी से जूझ रही है जिसकी जानकारी उन्होंने मीडिया के साथ साझा की। अपनी बीमारी का खुलासा करते हुए काजल राघवानी ने बताया कि वो अपनी जिंदगी में एक अजीब सी बीमारी से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा, 'खाना नहीं खाओ तो दिमाग काम नहीं करता और खा लो तो शरीर काम नहीं करता है'। उनकी इस बीमारी को सुनने के बाद प्रशंसक भी अपनी परेशान हो गए और काजल की वीडियो पर उन्होंने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया जाहिर की। अभिनेत्री की इस वीडियो को देखने के बाद और उनकी इस अजीबो-गरीब बीमारी के बारे में जानने के बाद उनके प्रशंसक भी उन्हें कमेंट करने लगे। एक यूजर ने कहा 'आपकी बीमारी तो बिलकुल ही अलग है'। तो वही दूसरे यूजर ने कहा 'अजीब सी बीमारी है'। काजल की इस मजेदार वीडियो को लाखों लोगों ने पसंद किया और इसके साथ ही इस पर ढेर सारे कमेंट किए। भोजपुरी फिल्मों में आने से पहले काजल राघवानी मराठी और गुजराती फिल्मों में काम कर चुकी हैं। गुजराती में करीब 25 से ज्यादा फिल्में कर चुकी हैं। काजल ने एक मीडिया से खास बातचीत के दौरान बताया था कि उन्होंने महज 11 साल की उम्र में ही एक्टिंग करना शुरू कर दिया था और उनकी पहली फिल्म मराठी थी।

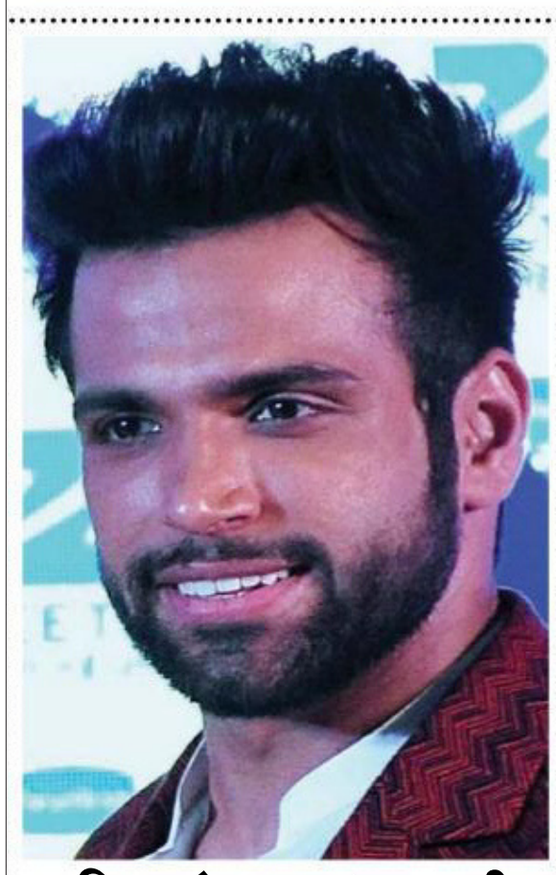

ऋत्विक ने सुपर डांसर 4 की बेहतरीन यादों को किया शेयर

ऋत्विक धनजानी लगातार तीन सीजन से सुपर डांसर के होस्ट हैं और फिलहाल सीजन 4 को भी होस्ट करते नजर आ रहे हैं। डांस रियलिटी शो के समापन के साथ, ऋत्विक ने अपनी यात्रा के बारे में खुलकर बात की है। ऋत्विक धनजानी ने कहा कि यात्रा अभूतपूर्व रही है। सुपर डांसर 4 जैसे प्रतिष्ठित शो का हिस्सा बनना अद्भुत रहा है। इसमें बहुत अधिक प्रेरणा है और हर दिन सीखने के लिए बहुत कुछ है। ऋत्विक और पारितोष त्रिपाठी सुपर डांसर 4 के बेहद अहम अंग बन गए हैं। कहा जा सकता है कि जजों के अलावा ये दोनों भी डांस शो का चेहरा बन चुके हैं। ऋत्विक आगे कहते हैं कि पारितोश एक बेहद प्रतिभाशाली कलाकार हैं। वह एक असाधारण लेखक, अभूतपूर्व अभिनेता और मेरे बेहतरीन को एंकर हैं। मामाजी बनकर उन्होंने खुद के लिए एक जगह बनाई है। मुझे नहीं लगता कोई और उस किरदार को निभा सकता है। शो के कुछ यादगार पलों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कई पल हैं जो मेरे दिल के करीब है। खासतौर से वह जब भावना और नीरजा ने ट्रांसजेंडर समुदाय पर एक प्रदर्शन किया था। यह एक यादगार पल था। जब उनसे पूछा गया कि सुपर डांसर 4 के खत्म होने के बाद उन्हें कैसा लग रहा है। उन्होंने कहा कि कल्पना कीजिए कि यह मेला साल में एक बार आयोजित किया जाता है। हर दिन हम उसमें जाते हैं, हम उस खुशी का जश्न मनाते हैं, हम कहानियां सुनते हैं, हम गाते हैं, हम नृत्य करते हैं, हम आनंद लेते हैं। अंत में समय आता है कि मेला अपने आखिरी पड़ाव पर है, आप जानते हैं कि इसे एक दिन खत्म होना है, यह हमेशा के लिए जारी नहीं रहेगा। अब आपको अगली बार मेला शहर में आने का इंतजार करना होगा। इस वक्त मुझे बिल्कुल ऐसा ही लगता है। सुपर डांसर 4 नचपन का महोत्सव का ग्रैंड फिनाले 9 अक्टूबर को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

रश्मि रॉकेट फिल्म की आत्मा है गाना जिद्द

अभिनेत्री तापसी पन्नू का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म रश्मि रॉकेट का गाना जिद्द उनके किरदार रश्मि की आत्मा है। जिद्द को निकिता गांधी ने गाया है, जिसे अमित त्रिवेदी ने कंपोज किया है और कौसर मुनीर ने लिखा है। यह गीत रश्मि की भावना को प्रदर्शित करता है जो अपने सम्मान, और अपनी पहचान की रक्षा के लिए सभी अन्याय के खिलाफ लड़ने का फैसला करती है। तापसी ने साझा किया कि जिद्द गाना ऊर्जा से भरा है। यह गीत रश्मि के धैर्य और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जिसने सभी बाधाओं के खिलाफ जीतने का फैसला किया है। मैं कहूंगी कि यह गीत एक तरह से रश्मि की भावना है। उन्होंने कहा कि अमित त्रिवेदी ने बहुत अच्छा काम किया है और इसे निकिता गांधी ने खूबसूरती से गाया है। रोनी स्क्रूवाला, नेहा आनंद और प्रांजल खंडड़िया द्वारा निर्मित, नंदा पेरियासामी, अनिरुद्ध गुहा और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित और आकर्ष खुराना द्वारा निर्देशित, फिल्म में सुप्रिया पाठक, अभिषेक बनर्जी, प्रियांशु पेन्युली और सुप्रिया पिलगांवकर भी हैं। फिल्म 15 अक्टूबर को जी5 पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

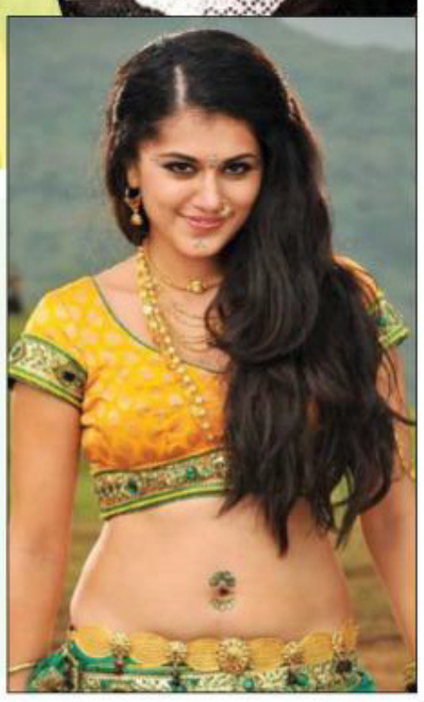

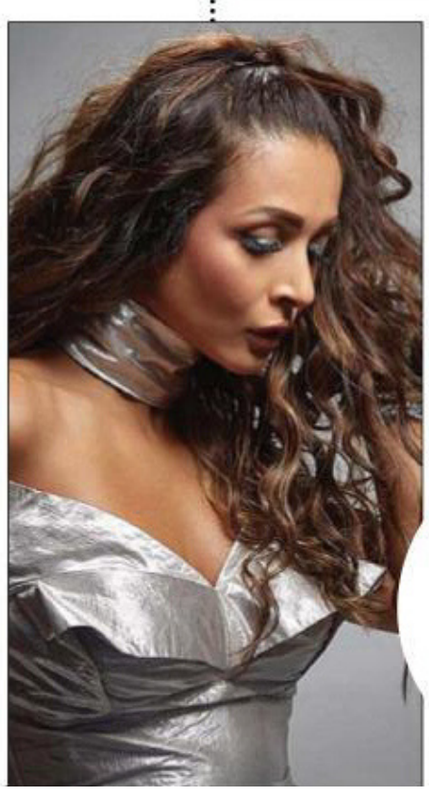

सिलवर ड्रेस, कर्ली हेयर्स... गॉर्जियस लुक से मलाइका ने ढाया कहर

मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा 47 की होकर भी अपने लुक्स से फैंस को इम्प्रेस करना अच्छे से जानती हैं। वो हर लुक को बड़ी सहजता के साथ कैरी करती हैं और हुसन के जलवे बिखेरती हैं। इसी बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का सिल्वर लुक देखने को मिल रहा है, जो कि फैंस को खूब पसंद आ रहा है। लुक की बात करें तो लेटेस्ट फोटोशूट में मलाइका अरोड़ा फ्रंट कट सिल्वर कलर की ड्रेस में बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। ड्रेस से मैच करता एक्ट्रेस ने अपनी आंखों पर लाइनर लगाया हुआ है साथ ही मैचिंग कंगन पहन रखा है। कर्ली बालों को खुला छोड़कर एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया हुआ है। इस गॉर्जियस लुक में मला कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। मलाइका के इस किलर अंदाज को देख उनके फैंस तस्वीरों पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं और तारीफों के पुल बांध रहे हैं। काम की बात करें तो मलाइका अरोड़ा इन दिनों सुपरमॉडल ऑफ द ईयर में जज के तौर पर नजर आ रही हैं।

उत्तराखंड में अपने पहले प्रोडक्शन की शूटिंग करेंगी ऋचा

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा को पहाड़ों में सीरीज कैंडी की शूटिंग इतनी पसंद आई कि वह उत्तराखंड में अपनी पहली फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स की शूटिंग करने की योजना बना रही हैं। शुचि तलाटी द्वारा निर्देशित और पुशिंग बटन स्टूडियो के बैनर के माध्यम से निर्मित, कहानी उत्तर भारत के एक हिल स्टेशन में एक हिमालयी बोर्डिंग स्कूल में स्थापित है। ऋचा ने कहा, मुझे कैंडी की शूटिंग करना पसंद था और न केवल इसलिए कि यह एक मनोरंजक कहानी है बल्कि उस स्थान के कारण जहां हम शूटिंग कर रहे थे। यह इतना शांतिपूर्ण और शांत था कि मुझे शहर की तुलना में ध्यान केंद्रित करना आसान लगा। फिल्म की कहानी एक 16 साल की लड़की की उम्र और उसकी मां के साथ उसके रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। अभिनेत्री ने कहा, चूंकि गर्ल्स विल बी गर्ल्स एक हिल स्टेशन बोर्डिंग स्कूल में स्थापित है, मुझे लगता है कि उत्तराखंड एक आदर्श स्थान होगा। फिल्म के लिए कलाकारों के बारे में विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है।

अगले सप्ताह गेंदबाजी शुरू कर सकते हैं हार्दिक, उनकी क्षमताओं पर भरोसा है : रोहित शर्मा

एजेंसी ■ अबुधाबी

भारतीय चयनसमिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा को विश्वास था कि हार्दिक पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गेंदबाजी करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अब भारतीय उप कप्तान रोहित शर्मा ने उम्मीद जताई है कि यह आलराउंडर टी20 विश्व कप से पहले अगले सप्ताह गेंदबाजी करना शुरू कर देगा। पंड्या ने आईपीएल के यूएई चरण में पांच मैच खेले जिनमें उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। चयनसमिति के अध्यक्ष की सार्वजनिक घोषणा के बाद लग रहा था कि वह गेंदबाजी करेंगे लेकिन उन्होंने इस बीच एक भी ओवर नहीं किया। रोहित ने आईपीएल में मुंबई के आखिरी मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, जहां तक उसकी (हार्दिक) गेंदबाजी का सवाल है तो फिजियो और ट्रेनर उसकी गेंदबाजी पर काम कर रहे हैं। उसने अभी तक एक भी गेंद नहीं की है। हम एक बार में एक मैच को ध्यान में रखकर उसकी फिटनेस का आकलन करना चाहते थे। उन्होंने कहा, उसमें दिन प्रतिदिन सुधार हो रहा है। हो सकता है कि अगले सप्ताह तक वह गेंदबाजी करने लग जाए। केवल चिकित्सक और फिजियो इसके बारे में बता सकते हैं। पंड्या ने बल्लेबाजी में भी निराश किया तथा केवल 127 रन बनाए। उनका औसत 14.11 और स्ट्राइक रेट 113.39 रहा। रोहित ने कहा, जहां तक उसकी बल्लेबाजी का सवाल है, वह थोड़ा निराश होगा लेकिन वह बेहतरीन खिलाड़ी है। वह इससे पहले भी मुश्किल परिस्थितियां से बाहर निकला है। उन्होंने कहा, वह अपनी बल्लेबाजी से खुश नहीं होगा लेकिन टीम को उसकी क्षमताओं पर भरोसा है। मुझे स्वयं उसकी क्षमताओं पर पूरा विश्वास है। रोहित मुंबई इंडियन्स की टीम में शामिल भारतीय खिलाड़ियों की फॉर्म से चिंतित नहीं हैं, क्योंकि टी20 विश्व कप अलग तरह का टूर्नामेंट होगा जहां कोई खिलाड़ी अभ्यास के दौरान भी लय में लौट सकता है। उन्होंने कहा, आईपीएल में क्या हुआ और टी20 विश्व कप में क्या होने जा रहा है मैं इस पर बहुत अधिक ध्यान नहीं देना चाहता। टी20 विश्व कप अलग तरह का टूर्नामेंट हैं और फ्रेंचाइजी क्रिकेट उससे भिन्न है। इसलिए आप इन पहलुओं पर बहुत अधिक ध्यान नहीं दे सकते। फॉर्म मायने रखती है लेकिन दोनों जगह टीमें अलग हैं।

एक नजर

अमनदीप द्राल फ्रांस में संयुक्त दूसरे जबकि वाणी संयुक्त 11वें स्थान पर

टोरेट्स (फ्रांस)। भारत की अमनदीप द्राल तीन अंडर 69 का स्कोर बनाकर टेरे ब्लांच लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दौर के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अमनदीप का दो दिन के बाद स्कोर चार अंडर 140 है। उन्होंने पहले दौर में एक अंडर 71 कार्ड खेला था और तब वह संयुक्त पांचवें स्थान पर थी। भारत की एक अन्य गोल्फर वाणी कपूर (77-68) भी दूसरे दौर में अच्छे प्रदर्शन के दम पर कट में जगह बनाने में सफल रही। वह पहले दौर के बाद संयुक्त 52वें स्थान पर थी लेकिन अब संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वाणी ने शुरू में डबल बोगी की लेकिन इसके बाद उन्होंने अच्छी वापसी की और सात बर्डी बनाई। वाणी ने हालांकि बोगी के साथ दिन का समापन किया। स्वीडन की लिन ग्रांट (68-66) ने दूसरे दौर में अच्छा खेल दिखाया और उन्होंने छह शॉट की बढ़त बना रखी है।

लाहिड़ी ने 70 का स्कोर बनाया, लास वेगास में कट में जगह बनाई

लास वेगास। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने दूसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाया जिससे वह श्रीनर्स चिल्ड्रन्स ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में आसानी से कट में जगह बनाने में सफल रहे। भारतीय स्टार अब कुल सात अंडर के साथ संयुक्त 30वें स्थान पर हैं। पहले दौर के बाद वह संयुक्त 10वें स्थान पर थे। लाहिड़ी ने दूसरे दौर में केवल दो बर्डी बनाई और इस बीच एक बोगी की। उन्होंने पांचवें होल में बोगी की जबकि 10वें और 15वें होल में बर्डी बनाई। लाहिड़ी पिछले सप्ताह कट से चूक गए थे जहां भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर सहित थीगाला ने संयुक्त आठवां स्थान हासिल किया था। थीगाला (70-68) इस बार कट से चूक गए जो कि पांच अंडर पर आया।

संक्षिप्त खबर

विराट कोहली ने कहा है, मैं टी20 विश्व कप में पारी की शुरुआत करूंगा : इशान किशन

एजेंसी ■ अबुधाबी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दो अर्धशतक जमाकर फॉर्म में वापसी करने वाले युवा विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन ने कहा कि कप्तान विराट कोहली ने उनसे कहा है कि उन्हें टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा है। इस 23 वर्षीय बल्लेबाज ने मुंबई इंडियन्स के लिए पिछले दो मैचों में 32 गेंदों पर 84 और 25 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाए लेकिन उनके ए प्रयास काम नहीं आए क्योंकि कोलकाता नाइट राइडर्स से नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण उनकी टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई। रोहित शर्मा भारत के लिए सभी प्रारूपों में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। टी20 में केएल राहुल और कोहली उनके साथ पारी का आगाज करते रहे हैं लेकिन आगामी टी20 विश्व कप में किशन भी यह भूमिका निभा सकते हैं। किशन ने कहा, मुझे पारी की शुरुआत करना पसंद है और यही बात विराट भाई ने भी कही है। लेकिन शीर्ष स्तर पर आपको हर चीज के लिए तैयार रहना होता है। किशन को खुशी है कि उन्होंने फॉर्म में वापसी कर ली है जो कि एक बड़े टूर्नामेंट से पहले भारत के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा, विश्व कप से पहले अच्छी लय में लौटना मेरे लिए और टीम के लिए अच्छा है। मुंबई इंडियन्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 170 रन के अंतर से जीत हासिल करनी थी जो कि लगभग असंभव था हालांकि पांच बार के चैंपियन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आखिरी मैच में 235 रन बनाए थे। किशन ने कहा, अच्छी मानसिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे पता था कि हम करो या मरो की स्थिति में हैं। यह सिर्फ इरादा और सकारात्मक मानसिकता थी। उन्होंने कहा, 'आपको हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। उस मानसिकता में रहना महत्वपूर्ण है। मैंने विराट भाई, एचपी (हार्दिक पांड्या), केपी (पोलार्ड) के साथ बातचीत की और वे भी ऐसे ही इरादों के साथ उतरे थे।

भारत जूनियर विश्व निशानेबाजी में 30 पदक लेकर शीर्ष पर रहा

एजेंसी ■ लीमा

भारतीय निशानेबाज अनीश भानवाला, आदर्श सिंह और विजयवीर सिद्धू ने विश्व जूनियर निशानेबाजी चैंपियनशिप के आखिरी दिन पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। भारत इस चैंपियनशिप में सर्वाधिक 30 पदक लेकर शीर्ष पर रहा। भारतीय तिकड़ी ने शुक्रवार को स्वर्ण पदक के मुकाबले में जर्मनी के फैबियन ओट्टो, फेलिक्स लुका होलफोथ और टोबियास गसोल को हराया। भारत की मान्वी सोनी (105) ने महिलाओं की जूनियर डबल ट्रैप में स्वर्ण पदक जीता। वह हमवतन एशाया हफीज कांट्रैक्टर (90) और हिताशा (76) से आगे रही। इस स्पर्धा में केवल भारतीय निशानेबाजों ने हिस्सा लिया था। पुरुषों के डबल ट्रैप में विनय प्रताप सिंह चंद्रावत ने 120 का स्कोर करके सोने का तमगा हासिल किया। सहजप्रीत सिंह (114) ने रजत और मयंक शौकीन (111) ने कांस्य पदक जीता। आयुषी पोद्दार और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 17 अंक बनाए। जर्मनी के मैक्स ब्राउन और अन्ना जेनसन (31) ने स्वर्ण पदक जीता। आयुषी और ऐश्वर्य ने क्वालीफिकेशन दौर में 590 अंक बनाकर विश्व रिकार्ड की बराबरी की थी। निश्चल और सरताज सिंह की एक अन्य भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन में 574 अंक बनाकर आठवें स्थान पर रही। रिदम सांगवान और विजयवीर सिद्धू ने इससे पहले 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। सांगवान और सिद्धू ने थाईलैंड के कान्याकोर्न हिरुनफोम और श्वाकोन त्रिनिफाकरोन को 9-1 से हराया। तेजस्विनी और अनीश ने थाइलैंड के ही चाविसा पादुका और राम खामहेंग को 10-8 से पराजित करके इस स्पर्धा का कांस्य पदक जीता।

जूनियर महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में प्रसिद्धि महंत, निश्चल और आयुषी पोद्दार ने रजत पदक जीता। उन्हें फाइनल में अमेरिका की एलिजाबेथ मैकगिन, लॉरेन जॉन और कैरोलिन टकर से 43-47 से हार झेलनी पड़ी। भारत 13 स्वर्ण, 11 रजत और छह कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। अमेरिका छह स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक लेकर दूसरे स्थान पर रहा।

आईपीएल क्वालीफायर

अनुभव के दम पर दिल्ली पर हावी होने की कोशिश करेगा चेन्नई

एजेंसी ■ दुबई

बड़े मैचों में खेलने का अपार अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रविवार को यहां होने वाले पहले क्वालीफायर में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के मजबूत दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। दिल्ली की टीम लीग में 20 अंक लेकर सबसे ऊपर रही और जिससे उनके प्रदर्शन में निरंतरता का पता चलता है। कोविड-19 के कारण टूर्नामेंट बीच में स्थगित होने के बावजूद दिल्ली ने अपनी निरंतरता बनाए रखी थी। चेन्नई ने पिछले साल चूकने के बाद फिर से प्लेऑफ में जगह बनाई है। उसने जिन 12 आईपीएल में हिस्सा लिया है उनमें से 11 बार उसकी टीम प्लेऑफ में पहुंची है। हालांकि आखिर में लगातार तीन मैच गंवाना उनके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को नागवार गुजरा होगा। दिल्ली को भी अपना पिछला मैच गंवाना पड़ा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कोना भरत ने अंतिम गेंद पर छक्का जड़कर दिल्ली को इस मैच में झटका दिया था। इससे उनकी स्थिति पर असर नहीं पड़ा लेकिन उसका आत्मविश्वास जरूर डिगा होगा। चेन्नई अब तक आठ बार फाइनल में जगह बना चुका है जिनमें से तीन बार वह चैंपियन बना है। इससे पता चलता है कि टीम जरूरत के समय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की क्षमता रखती है। चेन्नई अपने उम्रदराज अनुभवी खिलाड़ियों पर विश्वास करता रहा है और अपनी टीम में अधिक फेरबदल भी नहीं करता है। रुतुराज गायकवाड़ अपवाद कहे जा सकते हैं जिनके बारे में यह कहा जा सकता है कि वह पिछले एक दशक में चेन्नई सुपर किंग्स की पहली देन हैं।

धोनी का सिद्धांत स्पष्ट है जो आजमाए जा चुके हैं, जिन्हें अनुभव है उन पर भरोसा रखो और यही वजह है कि उनकी टीम में रविंद्र जडेजा, अंबाती रायुडु, सुरेश रैना, ड्वेन ब्रावो और फाफ डुप्लेसिस जैसे खिलाड़ी हैं। इनके अलावा जोश हेजलवुड और मोईन अली जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं और पूर्व भारतीय कप्तान धोनी को पता है कि वह किस तरह का संयोजन चाहते हैं। धोनी जानते हैं कि वह लंबे समय से अच्छी फॉर्म में नहीं हैं। उन्होंने 14 मैचों में केवल 96 रन बनाए। आईपीएल के दिग्गज सुरेश रैना भी 12 मैचों में 160 रन ही बना पाए लेकिन उनके पास गायकवाड़ (533 रन) और डुप्लेसिस (546 रन) जैसे बल्लेबाज है जिन्होंने टीम को अक्सर ठोस शुरुआत दिलाई है। आखिरी ओवरों में जडेजा (227) अपनी बल्लेबाजी का कमाल दिखाते रहे हैं।

टीमें इस प्रकार हैं :

चेन्नई सुपर किंग्स: महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), सुरेश रैना, अंबाती रायुडु, केएम आसिफ, दीपक चाहर, ड्वेन ब्रावो, फाफ डु प्लेसिस, इमरान ताहिर, एन जगदीसन, कर्ण शर्मा, लुंगी एनगिडी, मिशेल सेंटनर, रविंद्र जडेजा, रुतुराज गायकवाड़ , शार्दुल ठाकुर, आर साई किशोर, मोईन अली, के गौतम, चेतेश्वर पुजारा, हरिशंकर रेड्डी, भगत वर्मा, सी हरि निशांत।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, पृथ्वी सॉव, रिपल पटेल, शिखर धवन, शिमरोम हेटमायर, श्रेयस अय्यर, स्टीव स्मिथ, अमित मिश्रा, एनरिक नोर्किया, अवेश खान, बेन ड्वारशुइस, इशांत शर्मा, कैगिसो रबाडा, कुलवंत खेजरोलिया, लुकमान मेरीवाला, प्रवीण दुबे, टॉम कुरेन, उमेश यादव, अक्षर पटेल, ललित यादव, मार्कस स्टोइनिस, रविचंद्रन अश्विन, सैम बिलिंग्स और विष्णु विनोद।

मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

मैक्सवेल ने भरोसा दिलाया कि मैं बड़ा शॉट खेलकर मैच जिता सकता हूं : भरत

एजेंसी ■ दुबई

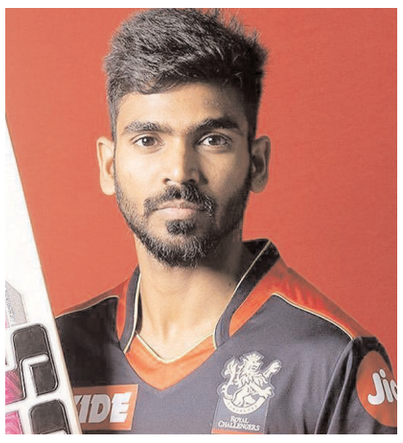

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के नए स्टार खिलाड़ी कोना भरत ने कहा कि उनके वरिष्ठ साथी ग्लेन मैक्सवेल को उन पर पूरा भरोसा था कि वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में बड़ा शॉट खेलकर जीत दिला सकते हैं और यह विकेटकीपर बल्लेबाज आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर इस पर खरा उतरा। आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले भरत ने 52 गेंदों पर नाबाद 78 रन बनाए। उन्होंने दबाव में धैर्य बनाए रखा और अवेश खान की मैच की अंतिम गेंद पर छक्का जड़कर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई। इस परिणाम का हालांकि अंकतालिका पर कोई असर नहीं पड़ा तथा दिल्ली 20 अंक लेकर शीर्ष पर रहा। आरसीबी और चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के समान 18 अंक रहे। चेन्नई ने बेहतर रन रेट के कारण दूसरा स्थान हासिल किया। भरत से पूछा गया कि आखिरी ओवर से पहले उनके बीच क्या बातचीत हुई थी तो उन्होंने बताया कि कैसे मैक्सवेल ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 32 और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 44 रन की उपयोगी पारियां खेलने वाले भरत ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, आखिरी ओवर में मैंने और मैक्सी ने बात की कि हम किन क्षेत्रों में शॉट खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि गेंद को देखो और शॉट लगाओ। अंतिम तीन गेंदों में मैंने उनसे कहा कि क्या एक रन लेना है तो उन्होंने कहा कि तुम ही बड़ा शॉट खेलकर जीत दिला सकते हो। इससे मेरा काफी आत्मविश्वास बढ़ा। भरत ने कहा कि वह आखिरी ओवर से पहले बहुत अधिक नहीं सोचना चाहते थे। उन्होंने कहा, मैं कई चीजों पर ध्यान देने के बजाय एक समय में एक गेंद पर ध्यान दे रहा था। मैंने चीजों को सरल बनाए रखा। हमने टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया और जीत दर्ज की। भरत आईपीएल के इस चरण में लगातार नंबर तीन पर खेलते रहे लेकिन टीम प्रबंधन ने उनसे कहा कि बल्लेबाजी क्रम में किसी भी समय बदलाव किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम किसी भी क्रम में खेलने के लिए तैयार हैं। इसके बारे में स्पष्ट तौर पर बताया गया है। हर कोई अपनी चुनौती के लिए तैयार है। मुझे नहीं लगता कि किसी तरह की संवादहीनता है। जब आपको मौका दिया जाता है तो आप अच्छा प्रदर्शन करके टीम को जीत दिलाना चाहते हो।

नीदरलैंड और जर्मनी की विश्व कप क्वालीफाईंग में संघर्षपूर्ण जीत

एजेंसी ■ लंदन

नीदरलैंड और जर्मनी को विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाईंग मैचों में जीत दर्ज करने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। नीदरलैंड ने डेवी क्लासेन के गोल से लाटविया को।-0 से हराया। नीदरलैंड की टीम ने पिछले महीने तुर्की को 6-1 से हराया था लेकिन इस मैच में वह किसी भी समय रंग में नहीं दिखी। इसके बावजूद वह यूरोपीय क्वालीफाईंग के ग्रुप जी में दूसरे स्थान पर काबिज नार्वे पर दो अंक की बढ़त बनाने में सफल रहा। नार्वे ने चोटिल स्ट्राइकर इर्लिंग हालैंड की अनुपस्थिति में तुर्की से मैच।-1 से ड्रा खेला। इस ग्रुप के एक अन्य मैच में मोंटेग्रो ने जिब्राल्टर को 3-0 से पराजित किया। जर्मनी ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके रोमानिया को 2-1 से हराया जबकि पिछले विश्व कप के उप विजेता क्रोएशिया ने साइप्रस को 3-0 से शिकस्त दी। केवल ग्रुप विजेता ही विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा जबकि दूसरे स्थान की टीम को प्लेऑफ में खेलना होगा। ग्रुप ई में चेक गणराज्य और वेल्स का मैच 2-2 से बराबर रहा। इस ग्रुप में बेल्जियम शीर्ष पर बना हुआ है। ग्रुप के एक अन्य मैच में एस्तोनिया ने बेलारूस को 2-0 से हराया। ग्रुप एच में क्रोएशिया और रूस के बीच शीर्ष पर पहुंचने की होड़ लगी है।

मुक्केबाजी

राष्ट्रीय महासंघ ने भी तोक्यो के प्रदर्शन को उम्मीदों से कमतर आंका था।

सेना के नरेंद्र राणा का भारतीय पुरुष मुक्केबाजी टीम का कोच बनना तय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने इस महीने की विश्व चैंपियनशिप से पहले सीए कुट्टप्पा की जगह सेना खेल संस्थान के नरेंद्र राणा को पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त करने का फैसला किया है। इसके साथ ही पुरुषों के हाई परफार्मेंस निदेशक सैंटियागो नीवा के कार्यकाल को आगे बढ़ाने की संभावना काफी कम है। एशियाई चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता और चार बार के राष्ट्रीय चैंपियन 49 वर्षीय राणा सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के अनुभवी कोच रह चुके हैं। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अमित पंघाल और मनीष कौशिक को उनके करियर के विभिन्न चरणों में प्रशिक्षित किया है। वह पुणे में सेना खेल संस्थान (एएसआई) में कार्यरत हैं, जिसे एम सुरंजय सिंह, विकास कृष्ण, शिव थापा और एल देवेंद्रो सिंह जैसे प्रतिभा की खोज करने का श्रेय दिया जाता है। कुट्टप्पा ने पीटीआई से इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हां, राणा मेरी जगह लेंगे। मैं मुख्य कोच नहीं रहूंगा लेकिन कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बना रहूंगा। तोक्यो ओलंपिक के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय मुक्केबाजी में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। राष्ट्रीय महासंघ ने भी तोक्यो के प्रदर्शन को उम्मीदों से कमतर आंका था। पहले ही महिला टीम के हाई परफोरमेन्स निदेशक रैफेल बर्गमास्को के अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाया गया। महिला टीम के मुख्य कोच मोहम्मद अली कमर को भी बदला जा सकता है। तोक्यो ओलंपिक में भारत ने मुक्केबाजी में अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा था जिसमें पांच पुरुष और चार महिला खिलाड़ी शामिल थे। इसमें सिर्फ लवलीना बोरगोहेन ही कांस्य पदक हासिल कर सकी। यह इन खेलों में पिछले नौ वर्षों में मुक्केबाजी में देश का पहला पदक था। भारतीय मुक्केबाजों ने ओलंपिक से पहले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे इन खेलों में उनसे अधिक पदकों की उम्मीद थी। कुट्टप्पा ने 2018 में पुरुष टीम के मुख्य कोच का पदभार संभाला था। वह द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता हैं और उनके राष्ट्रीय टीम के सहायक स्टाफ रहते हुए विजेंदर सिंह ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। नीवा को 2017 में नियुक्त किया गया था और टीम के साथ निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए उनके करार को विश्व चैंपियनशिप तक बढ़ाया गया था। महासंघ के एक सूत्र ने कहा, इस बात की संभावना अधिक है कि उनके अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाया जाए। विश्व चैम्पियनशिप 24 अक्टूबर से सर्बिया के बेलग्रेड में शुरू होगी। भारतीय टीम में एशियाई पदक विजेता दीपक कुमार (51 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा) और संजीत (92 किग्रा) शामिल हैं। टूर्नामेंट में बस कुछ ही दिन बाकी हैं लेकिन अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि 20 अक्टूबर को मुक्केबाजों के रवाना होने से पहले राष्ट्रीय शिविर कब शुरू होगा।

> तोक्यो ओलंपिक में भारत ने मुक्केबाजी में अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा था जिसमें पांच पुरुष और चार महिला खिलाड़ी शामिल थे। इसमें सिर्फ लवलीना बोरगोहेन ही कांस्य पदक हासिल कर सकी। यह इन खेलों में पिछले नौ वर्षों में मुक्केबाजी में देश का पहला पदक था।